हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 12.08.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 24 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

पंजाब जा रहे 11 लोग खड्ड के पानी में बहे, नौ की मौत

चंडीगढ़ : पंजाब के छह जिलों में शनिवार की रात से लगातार हो रही बारिश ने तबाही मचा दी है। राज्य के होशियारपुर में रविवार को हिमाचल की सीमा से सटे गांव में एक खड्ड पार करते समय एक इनोवा कार पानी में बह गई, जिसमें 12 लोग सवार थे। अब तक कार में सवार नौ लोगों के शव बरामद किये जा चुके हैं, जबकि दो अन्य लापता हैं। होशियारपुर के एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने बताया है कि हिमाचल प्रदेश के जिले ऊना के देहला से इनोवा कार में सवार होकर 12 लोग पंजाब के नवांशहर की एक बारात में आ रहे थे। पंजाब-हिमाचल के सीमावर्ती इलाके के दोआब में भारी बारिश के कारण इनोवा कार बह गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एनडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम के आने के बाद लापता लोगों की तलाश शुरू की। जेसीबी मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान कार में फंसे एक व्यक्ति को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे। कार में सवार मृतकों की पहचान दीपक पुत्र सुरजीत भाटिया, सुरजीत पुत्र गुरदास राम, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना, अंजू, हरमीत के रूप में हुई है। अभी भी 2 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के केंद्र में मालदीव : जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष मूसा मीर के साथ संयुक्त रूप से अड्डू रिक्लेमेशन प्रोजेक्ट और अड्डू शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के बाद कहा, मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख भागीदार है और यह हमारी पड़ोस-प्रथम नीति के केंद्र में है। दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है और आज एक आधुनिक साझेदारी बनने की आकांक्षा रखता है। उन्होंने कहा, हमारे विकास सहयोग का उद्देश्य यहां के लोगों के जीवन के सभी पहलुओं को छूना और उनके जीवन में ठोस लाभ लाने के तरीके ढूंढना है। मुझे लगता है कि हम आज मालदीव के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक हैं और भारत से मालदीव में विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्र में अधिक निवेश हो रहा है।

25 आईएएस अफसरों का तबादला, विप्रा भाल बनीं राज्यपाल की नयी प्रधान सचिव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने चुनाव से पूर्व एक बार फिर बड़े पैमाने पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 25 अधिकारियों का तबादला किया गया है। राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक प्रधान सचिव कृषि पशुपालन सहकारिता विभाग रांची के पद पर पद स्थापित किया गया है। प्रधान सचिव योजना एवं विकास विभाग मस्तराम मीणा को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रधान सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

प्रधान सचिव पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग रांची, प्रबंध निदेशक जुडको तथा प्रबंध निदेशक रांची ग्रेटर विकास एजेंसी का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। खाद आपूर्ति सचिव अमिताभ कौशल को स्थानांतरित करते हुए आईटी सचिव रांची के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। डॉक्टर कौशल अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ सचिव वाणिज्क र विभाग झारखंड के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

भवन निर्माण सचिव मनीष रंजन को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक निदेशक श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान रांची के पद पर नियुक्त किया गया है। पेयजल सचिव राजेश कुमार शर्मा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव आपदा प्रबंधन विभाग रांची के पद पर नियुक्त किया गया। कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी को स्थानांतरित करते वन विभाग का सचिव बनाया गया है। आईटी सचिव विप्रा भाल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक प्रधान सचिव राज्यपाल का बनाया गया है।

महिला बाल विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार को अपने कार्य के साथ उत्पाद सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। मुख्यमंत्री के सचिव झारखंड के पद पर पदस्थापित अरवा राजकमल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक भवन सचिव झारखंड रांची के पद पर नियुक्त किया गया। अरवा राजकमल को अपने कार्यों के साथ प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची तथा स्थानीय आयुक्त झारखंड भवन के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। खान सचिव जितेंद्र कुमार सिंह को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ उद्योग सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

सचिव स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग उमाशंकर सिंह को अगले आदेश तक अपने कार्य के साथ पर प्रभारी सचिव खाद आपूर्ति विभाग का बनाया गया नगर आयुक्त रांची नगर निगम अमित कुमार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक वाणिज्य कर आयुक्त कुमार अगले आदेश तक आपने कार्य विशेष सचिव वित्त विभाग रांची के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। प्रशासक स्वर्ण रेखा परियोजना जमशेदपुर मंजूनाथ भजंत्री को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक मुख्य कार्यपालिका पदाधिकारी झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति रांची के पद पर नियुक्त किया गया।भजंत्री अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ मनरेगा आयुक्त रांची के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

विशेष सचिव श्रम विभाग अमित प्रकाश को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उत्पाद आयुक्त रांची के पद पर नियुक्त किया गया प्रकाश अगले आदेश तक अपने कार्य के साथ प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य विवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड रांची के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जेएसएलपीएस संदीप सिंह को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक नगर आयुक्त रांची नगर निगम के पद पर स्थापित किया गया। संदीप सिंह अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ उपाध्यक्ष आरआर डीए के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

नगर आयुक्त हजारी बाग नगर निगम शैलेंद्र कुमार लाल को स्थानांतरित करते हुए निदेशक का मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के पद पर पदस्थापित किया गया। उत्पाद आयुक्त रांची सुनील कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए अपर सचिव श्रम विभाग, उपयुक्त पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर अनन्य मित्तल को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रसाक स्वर्ण रेखा परियोजना जमशेदपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

प्रतीक्षारत समीरा एस को अगले आदेश तक निदेशक सह सदस्य सचिव झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्थान झारखंड के पद पर नियुक्त किया गया था। समीरा एस अगले आदेश तक महानिदेशक राज्य पोषण मिशन, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड राज्य जल छाजन मिशन तथा निदेशक सामाजिक सुरक्षा के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

प्रतीक्षारत रवि आनंद को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव कार्मिक विभाग, डीसी गिरिडीह दीपक कुमार दुबे को सयुक्त सचिन नगर विकास विभाग, सौरभ कुमार भौवनिया को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव वित्त विभाग, आलोक कुमार को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव गृह विभाग ,शताब्दी मजूमदार को अगले आदेश तक अवर सचिव वित्त विभाग रांची के पद पर नियुक्ति एवं पद स्थापित किया गयाहै। कार्मिक, प्रशासनिक, सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने मुख्यमंत्री हेमन्त से की मुलाकात

हेमन्त सोरेन से मुलाकात करते कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से उनके आवास में मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

मुलाकात के दौरान अलका लांबा ने मुख्यमंत्री से राज्य की महिलाओं के अधिकार और महिलाओं के आर्थिक न्याय, सामाजिक न्याय, राजनीतिक न्याय को लेकर विस्तार पूर्वक बातचीत की और एक मांग पत्र सौंपी। मांग पत्र के माध्यम से निम्नलिखित मांगें रखीं गयी। इनमें महिला आयोग का गठन करने, महिला थानों का गठन, सरकारी और निजी नौकरियों में 50 प्रतिशत महिला को आरक्षण देने, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना का लाभ 1000-1500 देने, मनरेगा महिला खेती मजदूर को लाभ कार्ड देने, आंगनवाड़ी वर्कर्स की तर्ज पर आशा वर्कर्स, मिडदे मील बनाने वाली बहनों का मानदेय दुगना करने, सरकारी स्कूलों में पढ़ने बच्चियों फ्री सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने, सेनेट्री नैपकिन बनने की मशीन एसएचजी, महिला समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण के तहत देने, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी के तहत यात्रासेवा मुफ़्त देने सहित अन्य मांग शामिल है।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

नयी दिल्ली : पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। 95 वर्षीय नटवर सिंह गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती थे। कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में शामिल रहे नटवर सिंह ने मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-वन सरकार के दौरान 2004-05 के दौरान विदेश मंत्री का कार्यभार संभाला। हालांकि 2005 में इराकी तेल के बदले अनाज घोटाले के बाद उन्हें सरकार से इस्तीफा देना पड़ा। राजस्थान के भरतपुर में 1931 में जन्मे नटवर सिंह एक समय गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे लेकिन 2008 में उन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। नटवर सिंह ने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में काम किया था और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े रहे थे। उन्हें 1984 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था।

वंचित लोगों को कुचलने का भाजपा का सपना टूट गया : गुलाम अहमद मीर

आदिवासी महोत्सव में लोगों को सम्मानित करते कांग्रेस प्रभारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांग्रेस के महासचिव एवं झारखंड प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेताओं ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया था लेकिन जिस प्रकार से देश ने भाजपा को 240 सीट पर समेट दिया है उसके बाद यह स्पष्ट है कि बैसाखियों पर चलती केन्द्र सरकार अगले पांच साल तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग और पसमांदा को उसके हक और अधिकारों से वंचित नहीं कर सकती। मीर ने कहा कि यदि किसी भी गलती से भाजपा को अपने सपने के अनुसार लोकसभा चुनाव में अपेक्षित सीट मिल जाती तो आरक्षण समाप्त हो जाता।

राजधानी के बनहोरा जतरा मैदान में विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मीर ने कहा कि झारखंड सरकार ने गरीबों के लिये बहुत अच्छे काम किये हैं और बड़ी संख्या में लोग सरकार की कल्याणकारी एवं गरीबों-वंचितों के लिये लाभकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से अबतक मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना में प्राप्त 37 लाख से अधिक आवेदनों की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार को यह सुझाव दिया है कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर अगले 20 अगस्त से सांकेतिक रूप से ही सही लेकिन मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की जाये और महिलाओं के खाते में रकम जाने की शुरूआत हो।

किसानों और वैज्ञानिकों के बीच पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, जारी की 109 उन्नत बीजों की किस्में

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में 109 नई उन्नत फसल किस्मों का उद्घाटन किया। ये किस्में उच्च उपज देने वाली, जलवायु के प्रति अनुकूल और जैविक दृष्टि से सशक्त हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया और नई किस्मों के फायदों पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने बताया कि इन नई किस्मों को अपनाने से न केवल उत्पादन लागत में कमी आएगी बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इन फसलों का विकास किसानों की लागत कम करने और उत्पादन को बढ़ाने में सहायक होगा, साथ ही पर्यावरण के लिए भी लाभकारी साबित होगा।

कृषि में मूल्य संवर्धन की आवश्यकता पर दिया जोर

प्रधानमंत्री ने उन्नत फसल किस्मों के महत्व को रेखांकित करते हुए कृषि में मूल्य संवर्धन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये नई किस्में किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होंगी, क्योंकि इनसे उत्पादन की लागत में कमी आएगी और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने बाजरे के महत्व की विशेष चर्चा की और बताया कि लोग अब अधिक पौष्टिक आहार की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस बीच, उन्होंने प्राकृतिक और जैविक खेती के लाभों को भी उजागर किया, यह बताते हुए कि जैविक खाद्य पदार्थों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस रुझान से न केवल किसानों को लाभ होगा, बल्कि यह देश की खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगा।

किसानों ने सरकार की सराहना की

इस अवसर पर किसानों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार की सराहना की और कृषि विज्ञान केंद्रों के योगदान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये केंद्र किसानों के बीच जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने केवीके से सुझाव दिया कि उन्हें हर महीने नई विकसित फसल किस्मों के लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करनी चाहिए।

परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली : हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के तेजी से बढ़ते कदमों के बीच परमाणु मिसाइलों से लैस पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार है। इसे विशाखापट्टनम के जहाज निर्माण केंद्र पर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल (एटीवी) प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया है। भारत की पहली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत की लॉचिंग 2009 में हुई थी। इसके अलावा पारंपरिक हथियारों के साथ दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण की परियोजना भी अंतिम मंजूरी के करीब है।

नौसेना को दूसरी 6,000 टन की परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट मिलने के बाद भारत अब रणनीतिक प्रतिरोध के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की ओर से बढ़ रही चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा। भारतीय नौसेना की दूसरी परमाणु ऊर्जा वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट तीन साल के समुद्री परीक्षणों के बाद अब इस वर्ष के अंत तक समंदर में गोते लगाने के लिए तैयार है। यह अरिहंत श्रेणी की भारत में निर्मित की गई दूसरी पनडुब्बी है। व्यापक परीक्षणों के बाद औपचारिक कमीशनिंग के लिए पूरी तरह से तैयार पनडुब्बी में विस्तारित अवधि में उन्नयन के साथ कुछ तकनीकी मुद्दों को सुलझाया गया था।

भारत की पहली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत को 9 साल के व्यापक परीक्षण के बाद अगस्त, 2016 में समुद्र में उतारा गया था। दो साल के परीक्षण के बाद 2018 में यह पूरी तरह से चालू हो गई थी। आईएनएस अरिघाट की लॉचिंग लगभग पांच साल के लम्बे इन्तजार के बाद 2017 में हो पाई। इस पनडुब्बी को मूल रूप से आईएनएस अरिदमन के नाम से जाना जाता था लेकिन इसके लॉन्च होने पर इसे आईएनएस अरिघाट नाम दिया गया था। यह पनडुब्बी सात साल तक व्यापक परीक्षण से गुजरी है और अब समुद्र की गहराइयों में उतरने के लिए तैयार है। इसके बाद अरिघाट अपनी बहन आईएनएस अरिहंत से जुड़ जाएगी। आईएनएस अरिहंत के मुकाबले आईएनएस अरिघाट में मिसाइलों की संख्या दोगुनी होगी, जिससे भारत को 'पानी के युद्ध' में और अधिक मिसाइलें ले जाने की क्षमता मिल जाएगी।

लगभग पांच साल के लंबे इन्तजार के बाद 2017 में हो पाई थी अरिघाट की लांचिंग- समुद्र में गोते लगाने के लिए अरिघाट अपनी बहन आईएनएस अरिहंत से जुड़ जाएगी।

अरिहंत श्रेणी की दूसरी मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट के ब्लेड प्रोपेलर जल रिएक्टर से संचालित होंगे। यह पनडुब्बी पानी की सतह पर 12-15 समुद्री मील (22-28 किमी/घंटा) की अधिकतम गति से चल सकती है और समुद्र की गहराई में 24 समुद्री मील (44 किमी/घंटा) की गति प्राप्त कर सकती है। इस पनडुब्बी के कूबड़ पर आठ लांच ट्यूब होंगे। यह 750 किमी. रेंज वाली 24के-15 सागरिका मिसाइलों या 3,500 किमी. की रेंज वाली 8के-4 मिसाइल तक ले जा सकती है।

टीएसपीसी के तीन सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के बुढमू थाना पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप जी के दस्ता के तीन सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में अजीत सोरेन, आकाश लोहरा और सुमित लहरी शामिल है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि दामोदर नदी के किनारे बड़कागांव, केरेडरी एवं बुढ़मू थाना की सीमा पर स्थित छापर बालू घाट में पैसा उगाही को लेकर दो पक्षो में मारपीट की घटना में शामिल टीएसपीसी कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप के दस्ता के तीन- चार सक्रिय सदस्य छापर गांव में आये हुये है, जो किसी घटना को अंजाम देने का योजना बना रहे हैं। सूचना के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी के क्रम में छापर गांव में छापामारी कर टीएसपीसी संगठन के कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप के दस्ता के तीन सदस्य को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लेवी मांगने में प्रयुक्त कई मोबाईल फोन को बरामद कर जब्त किया गया है। गिरफ्तार टीएसपीसी नक्सलियों ने पूछताछ में बताया कि मार्च 2024 में बड़कागांव थाना क्षेत्र के कायलंग पतरा बालु यार्ड में दिवाकर गंझू के साथ मिलकर संगठन का वर्चस्व बढ़ाने एवं लेवी वसूली को लेकर फायरिंग किये थे तथा काम बंद करवाये थे। मार्च 2024 में हीं बड़कागांव थाना क्षेत्र के गुड़ुकुवा जंगल में पूरे टीम के साथ मिंटिंग करने के बाद खाना खा रहे थे कि इस बीच पुलिस को आता देख पुलिस बल पर फायरिंग करते हुए हमलोग भागने में सफल रहे, आनन फानन में दस्ता का कुछ हथियार वहां पर छुट गया था, जिसे पुलिस जब्त कर ले गई।

जुलाई 2024 में बड़कागांव थाना अन्तर्गत उरीमारी से तरसवार के बीच सड़क निर्माण कार्य में लगे कंपनी से लेवी वसूलने के लिए फायरिंग किये थे और काम बंद कराये थे।

एक नजर

भाजपा द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन आज

बरही : भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर 12 अगस्त 2024, सोमवार को भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी के नेतृत्व में एक भव्य तिरंगा यात्रा सह बाइक यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा बरही अनुमंडल अस्पताल से शुरू होकर बरही के चारो रोड से होते हुए कोबरा बटालियन के समीप संपन्न होगी। इस यात्रा का शुभारंभ सुबह 10 बजे किया जाएगा। भाजपा के सभी मंच और मोर्चा के मंडल अध्यक्षों और उनकी टीम, पदाधिकारियों तथा युवा मोर्चा के सदस्यों से इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल होने का आग्रह किया है। बताया कि तिरंगा यात्रा में बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उप प्रमुख ने बड़कागांव के लोगों से फाइलेरिया की दवाई खाने की अपील की

बड़कागांव : पूरे बड़कागांव में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा मुक्त में दवाई का वितरण किया जा रहा है। जिसमें सहिया को घर-घर जाकर दवाई खिलाना है, इस कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। बड़कागांव कांडतरी पंचायत अंतर्गत फलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बड़कागाँव प्रखण्ड उपप्रमुख बचनदेव कुमार के द्वारा क्षेत्र के लोगों को फलेरिया का ऑन द स्पोर्ट दवा खिलाया गया एवं इस लाइलाज बीमारी के रोकथाम हेतु लोगों को जागरूक किया। उपप्रमुख ने लोगों से फाइलेरिया का दवाई खाने की अपील की है ताकि हाथी पांव जैसे बीमारी से बचा जा सके।

श्रावणी मेला पूजा समिति ने बुढ़वा महादेव में गढ़ा 51 फीट खुटा बाबा

बड़कागांव : राज्य प्रसिद्ध बड़कागांव प्रखंड के महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में श्रावणी मेला पूजा समिति के द्वारा 51 फीट का खुटा बाबा गड़ा गया। बताते चले कि पिछले वर्ष हैं यह खुटा बाबा को गाड़ने के लिए लाया गया था परंतु गुरुचट्टी बड़कागांव एवं कांडतरी गांव के आपसी विवाद के चक्कर में यह नहीं गड़ा पाया था। जिसके वजह से यह बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में 1 सालों से पड़ा हुआ था। जिसका अपमान हो रहा था उसी को फिर से सम्मान देने के उद्देश्य से श्रावणी मेला पूजा समिति के सदस्यों ने ग्रामीणों के सहयोग से खुटा बाबा को नीम पेड़ के सामने पूजा अर्चना करने के बाद गढ़ दिया। मौके पर उपस्थित श्रावणी मेला पूजा समिति के मुख्य संरक्षक शशि कुमार मेहता ने कहा कि आपसी झंझट के वजह से खुटा बाबा को एक सालों तक अपमानित किया गया इसके बाद आज हम लोगों ने खुदा बाबा को सम्मान स्वरूप पूजा अर्चना करके गाड़ने का काम किया हूं। आगे उन्होंने कहा कि बुढ़वा महादेव का लोग विकास चाहते हैं तो सभी प्रखंड वासियों को एक साथ आकर इसका विकास पर ध्यान देना होगा। वही बुढ़वा महादेव विकास सा शांति समिति के अध्यक्ष दामोदर प्रसाद मेहता ने बताया कि सावन के चौथी सोमवारी के शुभ अवसर पर श्रावणी मेला पूजा समिति एवं बुढ़वा महादेव विकास सह शांति समिति के द्वारा प्राइस वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। खुटा बाबा को गढ़ने में मुख्य रूप से श्रावणी मेला पूजा समिति के कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार, संरक्षक बालेश्वर महतो, उप संरक्षक बीगल किशोर महतो, मीडिया प्रभारी पिंटू कुशवाहा दिनकर, दीपू कुमार, सोमनाथ महतो, मिस्री महतो, धनेश्वर महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ में सरफुद्दीन अंसारी की निर्मम हत्या, मुख्य आरोपी तोहिद अंसारी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गाल्होबार में 3 अगस्त 2024 को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जिसमें सरफुद्दीन अंसारी (पुत्र अब्दुल गफ्फुर अंसारी) की गोली मारकर और गला रेतकर हत्या कर दी गई। यह हत्या गांव के आंगनबाड़ी केंद्र के पास कुछ अपराधकर्मियों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। इस जघन्य घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। मामले के बाबत हजारीबाग पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए जांच प्रारंभ किया फलस्वरूप घटना के एक सप्ताह के अंदर मामले का उद्भेदन किया गया उक्त घटना के बारे में हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दिया। मृतक सरफुद्दीन अंसारी की पत्नी ने इस हत्या के संबंध में विष्णुगढ़ थाना में शिकायत दर्ज कराई। दर्ज प्राथमिकी (कांड संख्या-133/24, दिनांक 04.08.2024) में 6 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं। इन अभियुक्तों में तोहद अंसारी, तौफिक अंसारी, औफिक अंसारी, इमरान शाह, अलीमुद्दीन शाह, और सुभान अंसारी का नाम शामिल है। प्राथमिकी में धारा 103 (1)/3 (5) भा०न्या०सं० एवं 25 (1-इ) /27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ़ के नेतृत्व में इस कांड की त्वरित जांच की गई। पुलिस ने घटनास्थल से अपराध में प्रयुक्त अग्नेयास्त्र को भी बरामद कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस ने इस मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 10 अगस्त 2024 को कांड के मुख्य आरोपी तोहिद अंसारी (उम्र 27 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। तोहिद, जो कि स्वर्गीय सनुल अंसारी का पुत्र है, ने पुलिस के सामने अपने अपराध को स्वीकार करते हुए चौंकाने वाले खुलासे किए। तोहिद ने बताया कि 2019 में सरफुद्दीन अंसारी ने उसके पिता की हत्या कर दी थी। इसी कारण से उसने और उसके भाइयों ने बदला लेने की योजना बनाई। 3 अगस्त 2024 को, योजनाबद्ध तरीके से, तोहिद और उसके भाइयों ने सरफुद्दीन अंसारी की हत्या कर दी। हत्या के बाद अपराध में प्रयुक्त देशी कट्टा (अग्नेयास्त्र) को पास के नाले में फेंक दिया गया, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है। यह मामला बदले की भावना से प्रेरित हत्या का है, जो कि आपसी रंजिश के चलते अंजाम दिया गया। पुलिस के मुताबिक, जल्द ही बाकी अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस गिरफ्तारी में पुलिस उपनिरीक्षक सागेन मुर्मू, पुलिस उपनिरीक्षक राजन कुमार, पुलिस उपनिरीक्षक आशीष कुमार, और थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गजब का उत्साह : शेफाली गुप्ता

हजारीबाग : यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने को लेकर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने सदर विधानसभा क्षेत्र के अमृतनगर के घर- घर में तिरंगा लगाकर अभियान की शुरूआत किया। इस दौरान राष्ट्रभावना की मुहिम को मजबूत करने का लोगों को प्रेरित किया। इस अभियान से अवश्य जुड़ने का आग्रह किया। इस मुहिम में भाजपा नेत्री शेफाली के साथ काफी संख्या स्थानीय ग्रामीणों का उमंग व उत्साह दिखा। घर- घर में तिरंगा लगाकर राष्ट्रभावना को मजबूत किया। साथ ही वंदेमातरम सहित कई राष्ट्रवादी नारा लगाकर राष्ट्र भक्ति का अभूतपूर्व संदेश दिया। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारे देश की आन बान शान है। राष्ट्र भक्ति का भी प्रतीक है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गजब का उत्साह व उमंग है। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान तहत हर घर में तिरंगा लगाकर विशेष सम्मान देने का अपील किया। मौके पर विशेष रूप से भाजपा अनुसुचित मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल वाल्मीकि, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला, रानी शुक्ला, अमृतनगर के उपमुखिया देवा नन्द कुमार उर्फ देवा, दीपक कुमार, कुलदीप राम, दिवाकर कुमार, फुटुन राम, कमल राम, संजय गुप्ता, रोहित राम एवं अजय सिंह सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

बाबा बुढ़वा महादेव बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र पर हमेशा अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें : रोशन लाल

बड़कागांव : प्रसिद्ध शक्तिपीठ रजरप्पा से प्राचीन बुढ़वा महादेव महूदी पहाड़ (बड़कागांव) के लिए भैरवी नदी से पवित्र जल उठाकर पैदल 117 किलोमीटर की कठिन यात्रा कर बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गावो के श्रद्धालु बड़कागांव के प्राचीन शिवधाम बुढ़वा महादेव महूदी पहाड़ में जलाभिषेक किया। इस पावन अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रौशनलाल चौधरी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के कांवरिया भाई बहनों को सबसे पहले अपने पैतृक आवास में सभी को फल, चना, गुड़, सरबत और पानी की समुचित व्यवस्था कर स्वयं लोगों की अपने हाथों से सेवा कर गंतव्य की ओर रवाना किया। तत्पश्चात रात मे बरककाना से भुरकुंडा तक कांवरियों के लिए रात्रि विश्राम और भोजन की उत्तम प्रबंध कर खुद देर रात्रि तक लोगों को देखभाल करते रहें। दूसरे दिन भुरकुंडा के मतकमा चौक के राजनंदनी मैरेज हॉल मे सभी के लिए भोजन की उत्तम प्रबंध कर स्वयं श्रद्धालुओं को सेवा की। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रूप से आजसू पार्टी के रामगढ़ जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार दांगी, आजसू पार्टी के हजारीबाग जिला उपाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार महतो, जिला सचिव गिरेंद्र कुमार दांगी, प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, प्रखंड प्रवक्ता तापेश्वर कुमार 'तापस', प्रखंड उपसचिव घनश्याम कुमार दांगी, मुरली कुमार, बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष दिनेश कुमार मेहता, प्रखंड युवा सचिव पप्पू कुमार दांगी, सुरेश प्रसाद दांगी, चिंतामणि महतो, जगदीश महतो, बीजू दांगी, टिकेंद्र कुमार मेहता, श्रीराम वर्मा बलराम दांगी आदि उनके साथ हमेशा सेवा मे तत्पर रहे।

विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन ने गरीब परिवारों के बीच किया छाता का वितरण

बरही : विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन और बुद्धा फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पदमा प्रखंड के सरैया स्थित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर गरीब और असहाय परिवारों के बीच छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन के अध्यक्ष मंजीत यादव और बुद्धा फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक राजकुमार दास के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अधिवक्ता उमेश कुमार के नेतृत्व में छाता का वितरण किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता उमेश कुमार ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय है और समाज के गरीब एवं असहाय लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। छाता वितरण कार्यक्रम में विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन के अध्यक्ष मंजीत यादव, बुद्धा फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक राजकुमार दास, अधिवक्ता उमेश कुमार, शरीफुल हक, नरेश सिंह, धर्मेंद्र यादव, देवधारी रविदास, अर्जुन महतो, प्रकाश पासवान, अजीत कुमार दास, अमित कुमार, नागो भुइंया, गंगिया देवी, कन्हैया भुइंया, गुजरी देवी, पतवा देवी, गेनसी देवी, अतवरी देवी, झन्वा देवी, बसंती देवी, कुंती देवी, सुदामा देवी, सरिता देवी, अनार देवी, दहनी देवी, पारो देवी, शंकर प्रजापति, जसवा देवी, देवकी देवी, कौशल्या देवी, चमेली देवी, नगिया देवी, नागेश्वर रविदास, यशोदा देवी, उषा देवी और तुलेश्वर रविदास सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। इस छाता वितरण अभियान को स्थानीय समुदाय ने बेहद सराहा और इसके माध्यम से सामाजिक सेवा की भावना को आगे बढ़ाने की प्रशंसा की।

सांसद के सौजन्य से श्रद्धालुओं का एक जत्था बोलबम के लिए रवाना

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के सौजन्य से सदर प्रखण्ड स्थित ओरिया से भूतनाथ कांवरिया संघ श्रद्धालुओं से भरा बस का एक जत्था दिन रविवार को हर हर महादेव व बोलबम के उद्घोष के साथ कांवर यात्रा के लिए निकली। मुख्य रूप से सांसद मनीष जायसवाल से जुड़े सह पूर्व विधायक प्रतिनिधि बिजय कुमार, सदर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष रंधीर पाण्डेय, ओरिया पंचायत समिति सदस्य जीतु यादव एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि शिवपाल यादव ने हर हर महादेव के जयकारा के साथ श्रद्धालुओं को बोल बम के लिए रवाना किया। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने ओरिया स्थित शिवमंदिर में माथा टेका तथा भगवान भोलेनाथ से शुभ आशिर्वाद प्राप्त किया। उसके बाद गाजे- बाजे के साथ ग्राम का भ्रमण कर हर हर महादेव, ॐ नमः शिवाय, बोल बम एवं जय शिव शंभु के जयकारा से क्षेत्र गुंजयमान तथा शिव भक्ति में लीन हुआ। बस रवाना के दौरान उपस्थित गणमान्य लोगों ने श्रद्धालुओं को बोल बम का यात्रा मंगलमय होने की शुभकामनाएं दी। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल से जुड़े सह पूर्व विधायक प्रतिनिधि बिजय कुमार ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल धर्म कर्म के कार्यों में काफी रूचि रखते हैं। सभी यात्रियों को बोल बम यात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं एवं भगवान भोलेनाथ से यात्रा मंगलमय होने की कामना करता हूँ।

शिव भक्तों की सेवा से सुख- शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है : गीता देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : शनिवार को बड़कागांव प्रखंड के इंद्रा मोड़ में 35 से 40 कांवरिया संघ के शिव भक्तों के बीच बड़कागांव पूर्वी जिला परिषद सदस्य गीता देवी एंव जिप सदस्य प्रतिनिधि सह समाज सेवी दीपक करमाली की ओर से भंडारा का आयोजन किया गया। इनके नेतृत्व में कावरियों के बीच चना, शर्बत एंव भोजन का वितरण किया गया। जिप सदस्य गीता देवी ने कहा कि बड़कागांव विधानसभा से हजारो की संख्या में पैदल कावड़ यात्रा (जलयात्रा) रजरप्पा मंदिर के भैरवी नदी से जल उठाकर बुढ़वा महादेव मंदिर महूदी पहाड़ बड़कागांव में जलाभिषेक करेंगे। जिसके लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधा का आयोजन किया गया। भंडारा का आयोजन कर शिव भक्तों (कांवरिया) की सेवा करने से सुख शांति समृद्धि प्राप्ती होती है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिप सदस्य गीता देवी, जिप प्रतिनिधि सह समाजसेवी दीपक करमाली, पुर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, सुरेश महतो, बिशुन करमाली, जागेश्वर महतो, पंचू कयमाली, फुलू राणा, चितामन साव, संजय वर्मा, तेजू साव दशरथ चौधरी एंव देव नारायण गंझू के अलावा सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

आईएमआईएम बरही विधानसभा कमेटी के विस्तार व वक्फ बोर्ड में संसोधन बिल को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रविवार को एआईएमआईएम पार्टी की विधानसभा कमेटी का विस्तार करने और वक्फ बोर्ड में संसोधन बिल को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बरही के एआईएमआईएम नेता उमेश कुमार यादव एवं संचालन अब्दुल कादिर साहब ने किया। बैठक में बरही विधानसभा के लोग शामिल हुए। बैठक में मुख्य अतिथि एआईएमआईएम हजारीबाग के जिलाध्यक्ष सह बरही विधानसभा प्रभारी सूरज दास उपस्थित हुए। सूरज दास ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार वक्फ बोर्ड में संसोधन बिल ला कर मुसलमानों पर जुल्म करने जा रही है एवं उनके निजी हक पर छेड़छाड़ कर रही है, हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। एआईएमआईएम पार्टी हर जुल्म, अत्याचार पर मुखर होकर बोलने के लिए जानी जाती है। सरकार यदि गलत और काले कानून लाती है तो हम इसका कड़ा विरोध करने को बाध्य होंगे और बरही विधानसभा कमेटी का विस्तार किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से युवा नेता उमेश कुमार यादव को विधानसभा अध्यक्ष एवं अफसर आलम को विधानसभा सचिव मनोनीत किया गया। विधानसभा कमेटी के नवनियुक्त सभी अधिकारियों को मुबारकबाद दिया। नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष उमेश कुमार यादव ने कहा कि एआईएमआईएम पार्टी दबे, कुचले, शोषित-पीड़ित की आवाज है। हम बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी साहब के कारवां को आगे ले जाने के लिए संकल्पित हूँ। पार्टी ने जो जिम्मेवारी मुझे दी है, हम इसे पूरी इम्मानदारी से निभाउंगा। बैठक में जिला अध्यक्ष सह बरही विस प्रभारी सूरज दास, बरही विस अध्यक्ष उमेश कुमार यादव, सचिव अफसर आलम, महासचिव अब्दुल कादिर, मीडिया प्रभारी रिजवान अंसारी, महासचिव जहांगीर आलम, सक्रिय कार्यकर्ता मोहम्मद तबारक अंसारी, मोहम्मद तस्लीम अंसारी, शहजाद अंसारी, रफीक अंसारी इत्यादि लोग शामिल हुए।

हेमंत सोरेन ने झारखंड की महिलाओं को सम्मान देने का काम किया : नीलकंठ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हीराबाग स्थित झामुमो कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन रविवार को किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए झामुमो जिला संयोजक मंडली के सदस्य नीलकंठ महतो ने कहा की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मईयां सम्मान योजना लाकर झारखंड की महिलाओ को सम्मान देने का काम किया है। जिसमें 21 वर्ष से 50 वर्ष तक की सभी महिलाओ को 1000 रूपया सम्मान के रूप में दिया जाएगा। मगर भाजपा के नेताओ को यह नही पच रहा की यहां की महिलाओ को सम्मान मिले। इसलिए अलुल जलूल बयानबाजी भी कर रहे हैं। अब भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं रहा इसलिए झारखंड की जनता को बरगलाने का काम कर रहे, मगर यहां की जनता खास कर महिला उनके फरेब को समझ चुकी है। साथ ही कहा की अगर किसी शिविर में कही गड़बड़ी या पैसे लेनदेन का काम कोई करे तो तुरंत पदाधिकारियों को सूचित करे। केंद्रीय सदस्य मो इजहार ने कहा की झामुमो के कार्यकर्ता अब शिविर में रह कर महिलाओ को फार्म फरने के साथ अन्य मदद करेंगे। साथ ही यह भी नजर रखेंगे की कोई साजिश या गड़बड़ी तो नहीं कर रहा। बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा की मईयां सम्मान योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का दूरदर्शी सोच हैं। मुख्यमंत्री के द्वारा संज्ञान लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर किया जा रहा है, ताकि योजना का लाभ झारखंड की सभी माताओं बहनों को मिल सकें। साथ ही कहा की यह खेद जनक है की झारखंडी जनों के हित को देखते हुए विपक्ष इन योजनाओं पर भी राजनीति करते हुए आम जनों को गुमराह कर रही है। बहनों को कोई परेशानी न हो इसके लिए हमारी सरकार ने योजना के फार्म को जिला प्रशासन के सहयोग से घर घर तक पहुंचाया है। झामुमो कार्यकर्ताओ ने इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। आज के पीसी का मुख्य उद्देश्य विपक्ष के द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को रोकना है और सभी योग्य माताओं बहनों तक योजना का लाभ पहुंचाना है।

कांवड़ियों की सुविधा के लिए विधायक अंबा प्रसाद द्वारा लगाया गया शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सावन के अंतिम सोमवारी के अवसर पर रजरप्पा मंदिर से बुढ़वा महादेव जलाभिषेक करने जा रहे श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा जरजरा में सेवा शिविर लगाया गया। इस अवसर पर विधायक अंबर प्रसाद में खुद सेवा शिविर में पहुंचकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद, जूस इत्यादि का वितरण किया। इस दौरान विधायक ने पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवारी की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामना पूर्ण करने एवं क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि हेतु कामना किया। कांवड़ियों के बीच विधायक अंबा प्रसाद ने काफी वक्त बिताया एवं बोल बम के नारे से पूरा क्षेत्र गूंजायमान हो गया। मौके पर मुख्य रूप से आनंद मेहता युवा प्रखंड अध्यक्ष, सुनील कुमार, चंदन गुरु,दसरथ प्रसाद किसान मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष, रोहित सिंह गौतम कुशवाहा,संजय ठाकुर, कुलदीप बेदिया, हरिनाथ बेदिया, प्रवीण बेदिया, निखिल चौधरी, पिंटू चौधरी, अमीरलाल बेदिया सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं के लिए है कल्याणकारी, योजना का लाभ उठायें : डॉ आरसी मेहता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कांग्रेस नेता पूर्व सदर विधानसभा के उपविजेता डॉ आरसी मेहता ने कटकमदाग प्रखंड के सुल्ताना कुद रेवाली कटकमदाग बानादाग बेंदी चीची कला इत्यादि गांवों का दौरा किए। इसी दौरान बानादाग के सभा में डॉ मेहता ने कहा की झारखंड के विभाजन के बाद पहली बार सरकार द्वारा झारखंड वासियों के हित के लिए दर्जनों सौगात दिया गया है। जिसमें मैंइया महिला सम्मान योजना महिलाओं के कल्याणकारी योजना है इस योजना का लाभ सभी परिवार के लोग उठावें क्योंकि इस योजना के साथ 21 से 49 वर्ष की महिलाएं हर परिवार में है। जो जिला के लिए एक पासपोर्ट साइज का फोटो आधार कार्ड राशन कार्ड बैंक खाता जरुरी है इसे लेकर आप पंचायत स्तरीय शिविर में जा ऑनलाइन या ऑफलाइन फार्म भरे। किसी कारण राशन कार्ड में नहीं है तो माता पिता के घर का राशन कार्ड का उपयोग कर सकते हैं जो 15 अगस्त के पहले फार्म भर भरेगे उसे रक्षाबंधन के दिन संभवतः खाते में 1000 सरकार द्वारा भेजा जाएगा अबुवा आवास सभी कच्चे मकान घरवाले लोगों मिलेगा उसका लाभ उठाएं 2 लाख तक कृषि कर्ज माफी 200 यूनिट निशुल्क बिजली सोना सोबरण साड़ी धोती 51 से लेकर जीवन पर्यंत सभी वर्ग के महिलाओं को पेंशन संपूर्ण झारखंड में यात्री बस की सुविधा लाखों लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ना बेरोजगारों को बोलोरो गाड़ी सब्सिडी पर पशुधन देना, मुर्गी फॉर्म झारखंड सरकार द्वारा हजारीबाग वासियों को नगवा टोल टैक्स को संपूर्ण जिला वासियों के लिए फ्री किया गया है। हत्यारे पूर्व हजारीबाग डीसी सिंपसन पार्क से सिमसंन शब्द हटाना, होमगार्ड को सहायक पुलिस का दर्जा देना पारा शिक्षकों को सहायक शिक्षक का दर्जा देना कृषकों को सब्सिडी में विज देना झारखंड के गांव को सड़क से जोड़ना नदी तालाब बनाना इत्यादि सैकड़ो सराहनीय कार्य झारखंड सरकार द्वारा किया गया है। उपरोक्त जन कल्याणकारी योजना से सर्वांगीण विकास हो रहा है पुण; डॉ मेहता ने कहा इसी उपरोक्त कल्याणकारी मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव में जाएगी।

एक नजर

छात्र की जुमार नदी में डूबने से मौत

रांची : सदर थाना क्षेत्र के स्थित मनन विद्या स्कूल का छात्र पीयूष कुमार जुमार नदी में रविवार को डूब गया है। वह मनन विद्या स्कूल की दसवीं कक्षा का छात्र था। स्कूल के हॉस्टल से चार से पांच छात्र निकलकर नहाने के लिए जुमार नदी गए थे, जहां ये हादसा हो गया। नदी में डूबने वाला छात्र बिहार के गया जिला का रहने वाला है। छात्र के परिजनों को मामले की जानकारी दी गई है। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया है और छात्र के शव का खोजने का प्रयास किया जा रहा है।

आरपीएफ ने रेलवे ई-टिकट के अवैध कारोबारी को किया गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे ई-टिकट के अवैध कारोबारी को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ पोस्ट रांची के निरीक्षक दिगंजय शर्मा ने रविवार को बताया कि रांची मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर रेलवे ई-टिकट के अवैध कारोबारियों के खिलाफ ऑपरेशन रउपलब्धर के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सुखदेव नगर की सहायता से चंद्रमौली मिश्रा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके विद्यानगर स्थित आवास में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान 16 रेलवे ई-टिकट बरामद किया गया। बरामद टिकट का मूल्य 49 हजार 200 पाया गया। पूछताछ मे उसने बताया कि अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए ग्राहकों को बेचने के लिए अपनी व्यक्तिगत आईडी से टिकट बनाता था। अपना अपराध स्वीकारने पर उक्त व्यक्ति को रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत गिरफ्तार किया गया।

जदयू की बैठक में संताल परगना की तीन विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय

रांची : जनता दल यूनाइटेड की बैठक रविवार को एक होटल के सभागार में जिला अध्यक्ष सतीश दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव श्रवण कुमार उपस्थित थे। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में देवघर जिला सहित संथाल परगना से जदयू दो से तीन सीटों पर चुनाव लडेगी। इसके लिए प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर पार्टी का प्रचार-प्रसार कर माहौल बनाया जाय और राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया जाय। देवघर से कामेश्वरनाथ दास ने दावा पेश किया। जरमुंडी से त्रिवेणी वर्मा एवं बबीता राव पटेल व मधुपुर से जयन्त राव पटेल जन्मजय पांडेय ने लिखित रूप से दावा पेश किया। इस अवसर पर श्रवण कुमार ने कहा कि हम संथाल परगना से तीन सीटें लड़ेंगे। देवघर, जरमुंडी एवं मधुपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार आज से ही शुरू कर दें। प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात कर भाजपा गठबंधन के तहत ये तीनों सीटें जदयू के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व से वार्ता कर दी जाएगी।

चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से प्रदेश कांग्रेस ने मांगा आवेदन

रांची : आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं से प्रदेश कांग्रेस ने उनका आवेदन मांगा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी जिला अध्यक्षों को इस बाबत निर्देश दिया है। कहा गया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने के इच्छुक सभी नेताओं से आवेदन सहित विस्तृत जानकारी एवं बायोडाटा प्राप्त कर सूची प्रदेश कांग्रेस को 15 दिनों के अंदर जमा करें।

बाल कांवड़ियों ने महाकाल बाबा पर किया जलाभिषेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के तत्वावधान में रविवार को भव्य और विशाल बाल कांवड़ यात्रा निकल गया। छोटे छोटे बच्चों ने राजभवन के समीप स्थित हटनिया तालाब से यात्रा शुरू की। बच्चे पैदल, रातू रोड चौक होते हुए पहाड़ी मंदिर, महाकाल बाबा पर जलाभिषेक किया। इस दौरान बाल शिव -पार्वती के जीवंत स्वरूप ने सबका मनमोहन लिया। ताशा पार्टी एवं डीजे के धुन पर सभी लोग झूमते हुए, शिवमय होकर पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक किया। हटनिया तालाब द्वार पर रांची विधायक सी पी सिंह, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू , प्रवक्ता बादल सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से आरती कर बाल कांवड़ को प्रस्थान किया गया। रास्ते मे सबका जगह जगह स्वागत किया गया। सभी बच्चे बहुत ही उत्साहित हो कर कांवड़ लेकर चल रहे थे। पूरा रास्ता छोटे बच्चों के बोल बम के जयकारों से गूंजता रहा। पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार पर पूर्व उपायुक्त जटा शंकर चौधरी , मंदिर के पुजारी मनोज बाबा एवं अन्य लोगो के जरिये आरती कर सबका स्वागत किया गया।

राज्य संग्रहालय में आजादी का उत्सव कार्यक्रम शुरू

रांची : झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की ओर से हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य संग्रहालय होटवार के प्रेक्षागृह में आजादी का उत्सव कार्यक्रम हुआ। एक से 14 अगस्त तक आयोजित चार दिवसीय आजादी का उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत नाट्य, लोकगीत नृत्य एवं शास्त्रीय गीत नृत्य की प्रस्तुति की जानी है। निदेशालय द्वारा आयोजित नाट्य प्रतियोगिता में रविवार को पांच प्रतिभागी नाट्य कला दलों के द्वारा प्रस्तुतियां की गई। सभी ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन के अंतर्गत झारखंड कला मंदिर होटवार में प्रशिक्षणरत शास्त्रीय गीत संगीत, नागपुरी लोकगीत, मांदर वादन और मुंडारी लोकगीत नृत्य के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतियां दी गई।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आधुनिक बीज परीक्षण प्रयोगशाला की होगी स्थापना, कृषि निदेशक ने मांगा प्रस्ताव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि निदेशक डॉ कुमार ताराचंद ने कहा है कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) एक आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त बीज परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए शीघ्र प्रस्ताव लाएं। राज्य सरकार इसके लिए पर्याप्त राशि मुहैया कराएगी। बीज क्रय, वितरण एवं बोआई के पूर्व इस प्रयोगशाला में बीज गुणवत्ता की जांच होने से फसल नुकसान की संभावना न्यूनतम रहेगी।

कृषि महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में रविवार को बीएयू की बीज परिषद की वार्षिक बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड की 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण

क्षेत्रों में रहती है। राज्य की दो तिहाई आबादी कृषि कार्यों पर निर्भर है। इसलिए राज्य के लिए कृषि से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। उन्होंने बीएयू में देश के अग्रणी बीज कंपनियों का एक सम्मेलन आयोजित करने पर बल दिया ताकि राज्य और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के तहत निशुल्क और सब्सिडी पर वितरित किए जाने के लिए गुणवत्तायुक्त बीज की यथासमय उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

निदेशक ने कहा कि बीएयू को आसपास के राज्यों के लिए अनुशंसित फसल प्रभेदों की उपयुक्तता का अपने यहां परीक्षण कर हर छह-आठ महीने पर राज्य सरकार को अनुशंसा उपलब्ध करानी चाहिए। अलग राज्य बनने के 24 वर्षों बाद भी झारखंड अपनी खाद्यान्न आवश्यकताओं के मामले में आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है। राज्य में अवस्थित आईसीएआर के संस्थान, बीएयू, राज्य सरकार तथा यहां कार्यरत अग्रणी स्वयंसेवी संगठन बेहतर तालमेल और समन्वय से कार्य करेंगे, तभी झारखंड में कृषि और किसानों के परिदृश्य में अपेक्षित बदलाव हो पाएगा। बीएयू के कुलपति ने कहा कि राज्य में एक सुदृढ़ बीज नीति लागू करने की आवश्यकता है।

राज्य के सभी डॉक्टर 20 अगस्त से करेंगे बायोमेट्रिक अटेंडेंस का बहिष्कार : आईएमए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, झारखंड चैप्टर (आईएमए) और झासा ने 20 अगस्त से बायोमेट्रिक अटेंडेंस के बहिष्कार का निर्णय लिया है। आईएमए और झासा की संयुक्त और आपात बैठक रविवार को आईएमए भवन में हुई। अलग-अलग जिलों से आए डॉक्टर्स ने सरकार द्वारा हाल में लिए गये बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य किए जाने के मसले पर चिंता जताई और इसे अव्यवहारिक बताया।

आईएमए के सचिव डॉ प्रदीप सिंह ने मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डॉक्टर्स का संगठन बायोमेट्रिक अटेंडेंस पद्धति का विरोध नहीं करता लेकिन वर्तमान में तीन जिलों पलामू, साहिबगंज एवं गढ़वा में इसे वेतन से जोड़ा गया है। यहां तक कि इसी आधार पर वेतनमान में कटौती भी हुई है। विभाग द्वारा इससे संबंधित एक ऑनलाइन पोर्टल लागू किया गया है, जिससे ड्यूटी करने के बाद भी चिकित्सक एवं पाराकर्मियों को बार-बार स्पष्टीकरण एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई, वेतन अवरुद्ध एवं वेतन की कटौती जैसी समस्याएं होंगी। इससे चिकित्सकों में रोष है।

विभाग को इससे पहले संगठन के पदाधिकारी के साथ एक बैठक करनी चाहिए थी। इसी संबंध में आईएमए एवं झासा की संयुक्त आकस्मिक मीटिंग बुलाई गई। इसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि झारखंड के सभी चिकित्सक 20 अगस्त से बायोमैट्रिक अटेंडेंस का बहिष्कार करेंगे। हालांकि, वे निष्ठा पूर्वक एवं ईमानदारी से अपनी ड्यूटी करेंगे।

भाजपा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाने को जनता संकल्पित : मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को विधानसभा विस्तारक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। आठ सत्रों में आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी की सैद्धांतिक विचारधारा, इतिहास विकास, चुनाव प्रबंधन सहित सोशल मीडिया जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा विचारधारा और कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक पार्टी है। इसका उद्देश्य भारत को परम वैभव को शिखर पर पहुंचना। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए लगातार कार्य करते हैं। अंत्योदय और एकात्म मानव दर्शन और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिधि में भाजपा के लिए सत्ता साध्य नहीं बल्कि मां भारती को विश्व गुरु बनाने का साधन है।

मरांडी ने कहा कि भाजपा आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नीतियों एवं कार्यक्रमों को तेजी से धरातल पर उतार रही है। तीसरी बार मोदी सरकार बनाकर जनता ने पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को सराहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भी चुनाव सिर पर है। राज्य में ठगबंधन सरकार के खिलाफ आक्रोश है। जनता भाजपा नेतृत्व की डबल इंजन सरकार बनाने के संकल्पित है। लोकसभा चुनाव परिणाम इसका स्पष्ट संकेत देता है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में अलग झारखंड राज्य का निर्माण कराया। हमें विकसित झारखंड के संकल्प को पूरा करना है।

सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव के लिए लागू होगा स्कूल स्कोर कार्ड

स्कूलों का तीन श्रेणियों में होगा सर्टिफिकेशन, गोल्ड, ब्रॉन्ज और सिल्वर सर्टिफिकेट होगा जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस दिशा में एक और बड़ी परिवर्तनात्मक पहल शुरू की है। राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि और विद्यालयों की व्यवस्था में सुधार के लिए विभाग ने स्कूलों के रिपोर्ट कार्ड को जारी करने का निर्णय लिया है।

राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने बताया कि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा विद्यालयों के लिए रिपोर्ट कार्ड का फाइनल ड्राफ्ट बनकर तैयार है।

प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के अंतर्गत अब राज्य के सभी विद्यालय स्वतः मूल्यांकन कर अपना रिपोर्ट कार्ड भरेंगे। स्कूलों में बच्चों के रिपोर्ट कार्ड की तर्ज पर अब विद्यालय का रिपोर्ट कार्ड भी बनेगा। प्रत्येक विद्यालय को विभिन्न मानकों के आधार पर स्वयं को 2000 अंकों में मूल्यांकित करना होगा।

प्रथम चरण में राज्य के सभी 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों और 325 प्रखंडस्तरीय आदर्श विद्यालयों का स्कोर कार्ड जारी होगा। अगस्त के आखिरी सप्ताह में इन विद्यालयों के स्कोर कार्ड को जारी करने की योजना है। इसके लिए विभाग ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है। सभी विद्यालयों के लिए क्लस्टर बनाकर नोडल पदाधिकारी भी नियुक्त किये गए हैं। इन पदाधिकारियों को संबंधित विद्यालयों के स्कोर कार्ड और मूल्यांकन का जमीनी अनुश्रवण करना है। पदाधिकारी विद्यालय में यह जांचेंगे कि विद्यालय में हुआ मूल्यांकन सटीक है या उसमे कुछ त्रुटियां है। स्कूल स्कोर कार्ड और विद्यालय के अनुश्रवण के बाद थर्ड पार्टी असेसमेंट होगा, जिसमें विद्यालय द्वारा दिए गए अंकों की जांच की जाएगी। यह प्रक्रिया हर माह दोहराई जायेगी।

हर महीने जारी होगा स्कोर कार्ड, बढ़ेगी स्वस्थ एवं पारदर्शी प्रतिस्पर्धा

अगस्त से प्रत्येक माह विद्यालयों का स्कोर कार्ड जारी होगा। इससे विद्यालय अपने प्रदर्शन का आंकलन तो करेंगे ही, साथ ही उन्हें शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का अवसर भी मिलेगा। विद्यालयों का स्कोर कार्ड सार्वजानिक होगा। इससे अभिभावकों और समुदाय को विद्यालयों के प्रदर्शन की स्पष्ट जानकारी मिलेगी। स्कोर कार्ड से विद्यालयों के बीच स्वस्थ एवं पारदर्शी प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे वे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे। स्कोर कार्ड में अधिक अंक पाने के लिए शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों की जिम्मेदारी बढ़ेगी, जिससे वे अपने कार्यों को और अधिक गंभीरता से लेंगे।

संक्षिप्त खबरें

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का रांची में 21 को होगा ट्रायल

रांची : जालंधर (पंजाब) में 9 से 19 सितंबर तक होने वाली 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के के लिए झारखंड टीम के चयन के लिए 21 अगस्त को ट्रायल होगा। बताया गया कि झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21 अगस्त को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। यह चयन ट्रायल 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से होना है। इस चयन ट्रायल में झारखंड के वे हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, उम्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

झारखंड में परीक्षाओं के नाम पर हो रहा भंडारा : बाबूलाल मरांडी

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि हेमंत सरकार में साप्ताहिक परीक्षा के नाम पर मजाक चल रहा है। ऐसा लगता है कि परीक्षाओं के नाम पर भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। कहीं एक ही बेंच पर छह-छह विद्यार्थी बैठकर परीक्षा दे रहे हैं, तो कहीं बरामदे में बिछाई गई दरी में छात्र-छात्राओं का एक झुंड परीक्षा दे रहा है। मरांडी ने कहा कि मूल्यांकन के उद्देश्य से ली जाने वाली इन साप्ताहिक परीक्षाओं से मूल्यांकन छात्रों का तो नहीं लेकिन हेमंत सरकार का जरूर किया जा सकता है कि कैसे हेमंत सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खेल रही है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में न तो बैठने की व्यवस्था है, न तो कक्षाओं को संचालित करने के लिए भवन हैं, न तो पठन-पाठन का वातावरण है और न ही छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार के पास कोई प्लान। ऐसे में झारखंड का भविष्य किधर जाएगा, आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं।

गाजा से प्यार और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं से तकरार : अमर बाउरी

रांची : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने झामुमो-कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि आखिर कब तक दोहरी नीति चलेगी। उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा है कि बांग्लादेशियों के सबसे बड़े हितैषी झामुमो-कांग्रेस-राजद व उनके नेताओं द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर किसी ने क्या एक भी पोस्ट देखा है। गाजा से प्यार और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं से तकरार, यही है झामुमो-कांग्रेस-राजद की नीति। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों के सबसे बड़े हितैषी झामुमो-कांग्रेस-राजद व उनके नेताओं द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर किसी ने क्या एक भी पोस्ट देखा है? राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी ने ट्वीट करके कहा कि मेरे रहते किसी के भी साथ गलत और अन्याय नहीं हो सकता। किसी का भी हक और अधिकार को छीनने नही दूंगा। खासकर एक समाज तो पहले से ही गरीब है और भाजपा की गलत नीतियों का मार झेल रहा है, जिससे भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठ का लांछन और कलंक लग रही है। वह हमारे भाई हैं। अंसारी ने कहा कि अब सबके साथ न्याय होगा। उनको हक मिलेगा। भाजपा ने 18 साल तक इनका हक छीनने का काम किया। इन्हें झूठे केस-मुकदमे में फंसाया गया। मॉब लीचिंग कराई गई।

संस्कार केंद्र के माध्यम से बच्चों को दिखा सकते हैं सही दिशा : संदीप

रांची : जोहार लॉर्ड बुद्धा फाउंडेशन की ओर से आयोजित एवं भारत विकास परिषद के रांची मध्य एवं महानगर शाखा के द्वारा प्रायोजित शहीद जीतराम बाल संस्कार केंद्र का उद्घाटन अनगढा प्रखंड के खक्सी टोली गांव में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि बीआईटी मेसरा के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन के डीन डॉ. संदीप सिंह सोलंकी एवं एसबीआई के ब्रांच मैनेजर सौरव कुमार ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सिंह सोलंकी ने कहा कि ऐसी जगहों पर संस्कार केंद्र की बहुत आवश्यकता है। संस्कार केंद्र के माध्यम से बच्चों को सही दिशा दिखा सकती है। सही दिशा में चलने वाले बच्चे ही सही समय पर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सौरभ कुमार ने कहा कि खासकर गांव के कुछ बच्चे दिशाहीन होने के कारण गलत आदतों का शिकार हो जाते हैं। संस्कार केंद्र की सहायता से बच्चों को भारतीय संस्कार सिखाया जाएगा जो कि उनके उज्जवल भविष्य के लिए जरूरी है। फाउंडेशन के संस्थापक भारत भूषण ने कहा कि परिवार, समाज और देश के प्रति जागरूक करने का संस्कार केंद्र एक अच्छा माध्यम है। उद्घाटन के दौरान 25 बच्चों को पठन-पाठन सामग्री दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जुगल बेदिया ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सावित्री, अंजलि, अनीता, चारवा भगत, प्रदीप, दीपेंद्र, श्रवण एवं वीरेंद्र बेदिया का योगदान रहा।

झारखंड के देवघर और धनबाद सहित आठ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

रांची : राज्य की राजधानी रांची, पलामू, रामगढ़ और चतरा जिले में कुछ ही घंटों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। मौसम विभाग ने अपने पूवार्नुमान में बताया है कि 17 अगस्त तक राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी।सोमवार को कहीं-कहीं गरज के साथ वज्रपात हो सकता है। 13 से 15 अगस्त तक राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों के देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने इस बाबत येलो अलर्ट जारी किया है। वज्रपात की भी आशंका है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने खराब मौसम रहने पर सतर्क रहने की अपील की है। बारिश और वज्रपात के दौरान सुरक्षित स्थान पर रुकने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटे में राज्य में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राज्य में मॉनसून की गतिविधि सामान्य रही।

एक नजर

कल्याणी डायग्नोस्टिक सेंटर का हुआ उद्घाटन

धनबाद : अत्याधुनिक मशीनों के साथ धनबाद में रविवार को कल्याणी डायग्नॉस्टिक सेंटर धनबादवासियों की सेवा में आरंभ हो गया।सेंटर का उद्घाटन आईएमए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ए.के. सिंह और मदन लाल गोयल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। आईएमए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सिंह ने सेंटर की सराहना की और इससे कोयलांचल वासियों को लाभ मिलने की बात कही। वहीं सेंटर संचालक रेडियोलाजिस्ट डॉ. सुमित अग्रवाल ने बताया कि धनबाद में ऐसे कई जांच सेंटर हैं, लेकिन उनके सेंटर में काफी बेहतर व्यवस्था की गई है। यही नहीं गरीब और लाचार मरीजों को शुल्क में भी रियायत मिलेगी। इस अवसर पर गणेश गोयल, अनुप गोयल, डॉ. मेजर चंदन, केशव हड़ोदिया, रुपेश अग्रवाल पंकज गोयल रमेश गोयल समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नये जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

धनबाद : धनबाद जिला भाजपा अल्पसंख्यक मौर्चा के जिला अध्यक्ष बनने की खुशी में धनबाद सांसद प्रतिनिधि शरद महतो ने मो जलाल अंसारी को गुलदस्ता देकर बधाई दिया, मो जलाल अंसारी को बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनने से पार्टी में मजबूती प्रदान होगी। मौके पर भाजपा लोयाबाद मंडल अध्यक्ष पप्पू सिंह, डब्लू आलम,राम सिंह सहित अन्य ने भी मो जलाल को बुके देकर स्वागत किया।

दर्जनों कर्मचारियों ने इंटक छोड़ भारतीए मजदूर संघ का थामा दामन

बोकारो: भारतीय मजदूर संघ से संबंध बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ। की बैठक यूनियन कार्यालय 3डी 175 में हुई जिसकी अध्यक्षता हसनैन बाबू ने किया। एसएमएस 2 सीसीएस के दर्जनों कर्मचारियों ने इंटक यूनियन को छोड़कर बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की सदस्यता ग्रहण किया। सभी को सदस्यता देते हुए महामंत्री विनोद कुमार ने कहा कि जिस विश्वास के साथ सभी ने बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ की सदस्यता ली है उसमें खड़े उतरने का काम करेंगे तथा मजदूरों के हक और सम्मान के लिए सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन करने से पिछे नहीं हटेंगे। इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित स्टील फेडरेशन के महामंत्री सह एनजेसीएस सदस्य रंजय कुमार ने सभी को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। तथा भारतीय मजदूर संघ के रीति नीति को बताते हुए राष्ट्र हित,उद्योग हित तथा मजदूर हित में काम करने का संकल्प दिलाया। यूनियन की सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से सुमन कुमार, रमेश कुमार, दिगु दादा, वी के नायक, प्रवीण कुमार, डी के महतो, अर्जुन कुमार, सी के बाउरी, पी के दास, ए के राघर, एन अंसारी, एस के सिंह, नरेंद्र कुमार, लालदेव मुंडा, दिगू कर्मकार, निसार अंसारी, उपेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार, अनीश, विकाश शर्मा आदि थे।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के चिलगड्डा पंचायत स्थित गोपालपुर के कुकुरतोपा में रविवार सुबह फसल लगे खेत में बारिश का पानी बहाव किए, जाने को लेकर दो गुटों में जबरदस्त मार-पीट की घटना हुई। मार-पीट की घटना में लगभग सत्ररह लोग घायल हो गए। इनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना पर जरीडीह थाना प्रभारी कुमार विक्रम सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच। सभी घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल जैनामोड़ भेजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। इनमें से दो व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए, बीजीएच रेफर कर दिया गया। घायलों में लक्ष्मण महतो, योगेंद्र महतो, सत्यजीत महतो, रोशन महतो, श्रवण महतो, गोविंद महतो, गोतम महतो, चंचला देवी, प्रयाग महतो, विनोती देवी, महेंद्र महतो, परिक्षित महतो, देव कुमार, सुशील महतो, अखिलेश्वर महतो, धीरन महतो आदि शामिल है। फिलहाल घटना को लेकर थाना में दोनों पक्षों की और से प्राथमिकी दर्ज करने की कवायद चल रही है।

क्या है घटना–

चिलगड्डा के गोपालपुर के कुकुरतोपा में दो पक्षों के बीच वर्षों से जमीन विवाद चल रहा था। इस बीच इस वर्ष खेत की जुताई की गई थी। बारिश से खेत में पानी भर गया। इस बीच खेत एक पक्ष का खेत का किनारा टूट गया। बारिश के पानी को खेत से निकलने की जगह मिलते ही दूसरे पक्ष के खेत में पानी के साथ मिट्टी भी पसर गई। धान की बुआई खराब हो गई। रविवार को दूसरा पक्ष खेत के किनारा को बांधने जुटा। इस बीच दूसरा पक्ष पहुंचते ही तू-तू-मैं-मैं शुरू हो गई। विवाद बढ़ता गया. इसके साथ ही दोनों पक्ष धारदार हथियारों से एक दूसरे पर हमलावर हो गया। इस घटना में धारदार हथियारों का वार अधिकांश के सर पर लगी।

महिला सहित 17 चोटिल–

कुदाल, टांगी, फरसा से हुए हमले मे महिला सूचि देवी, धनुराम महतो, योगेंद्र महतो, गोविन्द कुमार, शत्रुधन महतो, सर्वेश्वर महतो, लक्ष्मण महतो, रौशन महतो घायल हुए है। सभी एक ही परिवार के है। जख्मी के मुताबिक रात मे बारिश हुई थी, जिसके बाद खेत मे पानी जमा हो गया था। जिसके बाद खेत का मेढ़ टूटकर पानी दूसरे प्लॉट मे चला गया। इसी को लेकर गांव के सुशील महतो ने पानी काटने का आरोप लगाया। जिसको लेकर कहासूनी होने लगी, जो मारपीट में तब्दील हो गई। दोनों पक्ष जमीन पर दावेदारी कर रहा है। एक पक्ष जमीन भूदान में मिलने की बात कह रहा है। साथ ही एसडीओ कोर्ट में जीत मिलने का दावा कर रहा है.। वही दूसरा पक्ष इसे अपना पैतृक संपत्ति बता रहा है।

संक्षिप्त खबरें

झानिवी संघ ने पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती मनाई

धनबाद : झारखंड निषाद विकास संघ बरही के होटल मधुलिका पैलेस में वीरांगना पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी की जयंती तथा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गिरिडीह लोकसभा पूर्व सांसद प्रत्याशी सह समाजसेवी पप्पू निषाद को झारखंड निषाद विकास संघ का केंद्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर संघ के केन्द्रीय अध्यक्ष किशोर कुमार निषाद, केन्द्रीय प्रधान महासचिव रितेश निषाद, केन्द्रीय सचिव राजा निषाद, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष पप्पू निषाद,अनिल केवट, अशोक निषाद, नागेश्वर केवट, हजारीबाग जिला से गुड्डू उर्फ प्रदीप निषाद, संतोष निषाद, चतरा से हीरा निषाद,राजु निषाद, पलामू से अनुज चौधरी,गढ़वा से बीरेंद्र चौधरी, संजय चौधरी,अजय चौधरी, मनदीप चौधरी, बोकारो से टिंकू सहानी ने उन्हें माला पहनाकर तथा बुके देकर सम्मानित किया एवं बधाई दी। पप्पू निषाद ने संघ के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं इमानदारी पूर्वक निर्वहन करने का प्रयास करूंगा।

बच्चा सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति : पूर्णिमा नीरज सिंह

धनबाद : रविवार को झरिया के पूर्व विधायक और झारखण्ड सरकार में पूर्व नगर विकास मंत्री बच्चा सिंह के देहावसन पर श्रद्धांजलि-सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर जननेता व समाजसेवक बच्चा सिंह को याद करते हुए वर्तमान विधायक झरिया ने कहा कि जिन्होंने झरिया ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड के मजदूर,किसान,आदिवासी व गरीब बहनों और भाइयों की सेवा में स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर दिया था।उन्होंने कहा उनका निधन मेरे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है, क्योंकि उन्होंने ही राजनीति में मेरा मार्गदर्शन किया। उनका प्यार,अभिभावकत्व और स्नेह ने ही मेरे लिए प्रेरणा पुंज की तरह काम किया है। उनकी कार्य-शैली ने मुझे जनता की आवाज बुलंद करने को प्रेरित किया। उन्होंने मुझे यह सिखाया कि कैसे गरीबों और कमजोरों की आवाज उठाकर उनके अधिकारों के लिए लड़ना है और उन्हें न्याय दिलाना है।झारखंड राज्य की स्थापना और विकास के लिए बच्चा सिंह के समर्पण और उनकी विरासत पर उन्होंने कहा कि बच्चा सिंह का जीवन एक मिसाल था। मैं उनकी परंपरा को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।उनकी अनुपस्थिति को किसी और माध्यम से नहीं बल्कि जनसेवा और जन-अधिकार की बात करके ही की जा सकती है। बच्चा सिंह जनता की समस्या को अपनी समस्या समझकर उसका निवारण करते थे।उन्होंने कहा मैंने हमेशा से बच्चा सिंह के दिखाए हुए रास्ते पर चलने का प्रयास किया है और आगे भी उन्हीं रास्तों पर चलकर झरिया के लोगों की सेवा करती रहूँगी। मौके पर पूर्व उपमहापौर एकलव्य सिंह और अभिषेक सिंह के साथ समस्त सिंह परिवार मौजूद थे।, पलामू से अनुज चौधरी,गढ़वा से बीरेंद्र चौधरी, संजय चौधरी,अजय चौधरी, मनदीप चौधरी, बोकारो से टिंकू सहानी ने उन्हें माला पहनाकर तथा बुके देकर सम्मानित किया एवं बधाई दी। पप्पू निषाद ने संघ के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं इमानदारी पूर्वक निर्वहन करने का प्रयास करूंगा।

बियाडा अफसर कॉलोनी में मनी तुलसी जयंती

बोकारो : गवर्मेन्ट औफिसर कालोनी, बियाडा, सेक्टर 12 के सामुदायिक भवन में तुलसी जयंती पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ मनायी गयी। इस आयोजन के अंतर्गत सुंदरकांड का सामुहिक पाठ, हरि कीर्तन, हनुमानजी का पूजन और तुलसीदास के चित्र पर श्रद्धा सुमन और माल्यार्पण आदि कार्यक्रम हुए। अन्त में प्रसाद वितरण के बाद सहभोज संपन्न हुआ। आज कलिपावना अवतार, कवि-कुल चक्र चूडामणि मानस रचयिता, रामभक्ता-अग्रण्य, जगतगुरु, परम पाद गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज का जन्म महाउत्सव के अवसर में यह भव्य पाठ गवर्न्मेंट अफसर कालोनी के सामुहिक भवन में गत ग्यारह वर्षों से सभी मानस-प्रेमी सज्जनों व देवियों द्वारा सुंदरकाण्ड के पाठ का आयोजन नियमित होता आया है। रामचरितमानस व विनय पत्रिका जैसे अमृत ग्रंथों के रचनाकार ने संसार को ऐसा कल्पवृक्ष दिया, जिससे धरम का द्वार खुला और विपदा का पलायन हुआ।

जिलास्तरीय योग आधारित क्रीड़ा प्रतियोगिता में डीपीएस बोकारो बना ओवरआल चैम्पियन

बोकारो : डीपीएस बोकारो की मेजबानी में बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन की ओर से आयोजित दो-दिवसीय द्वितीय जिलास्तरीय योग-आधारित क्रीड़ा प्रतियोगिता रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इन बाल योगियों ने प्रतियोगिता के तहत आयोजित योग की विभिन्न स्पधाओं में जमकर अपने दमखम दिखाए। आयुवार छह समूहों में पारंपरिक एवं कलात्मक योग की एकल, युगल तथा सामूहिक स्पधाओं में प्रतिभागियों ने शारीरिक स्फूर्ति और संतुलन का शानदार परिचय दिया। खास तौर से संगीत की धुन पर छोटे-छोटे बच्चों के लचकते हाथ-पैर और उनकी मुद्राएं अपने-आप में सराहनीय रही। सभी स्पधाओं में समेकित प्रदर्शन के आधार पर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की टीम लगातार दूसरे वर्ष इस प्रतियोगिता में ओवरआल चैम्पियनशिप का खिताब पाने में कामयाब रही।

21 अगस्त को साजफ 2 अप्रैल 2018 का इतिहास दोहराएगी : रामाकांत राम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : संयुक्त अनुसूचित जाति -अनुसूचित जनजाति फोरम ने केन्द्रीय अध्यक्ष रामाकान्त राम के अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 01 अगस्त को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण का बीस साल पुराना अपना ही फैसला पलटने के मुद्दे पर जयपाल नगर, बोकारो में अपने पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। संचालन बाली राजवर प्रधान महासचिव ने किया। रामाकान्त राम ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने वर्ष 2004 में ईवी चिनैया मामले में दी गई व्यवस्था को गलत ठहरा दिया है और कहा कि एससी, एसटी वर्ग के ही ज्यादा जरूरतमंदो को आरक्षण का लाभ देने के लिए राज्य एससी एवं एसटी वर्ग में उपवर्गीकरण कर सकते हैं। संरक्षक समिति सदस्य राजकुमार राम, केन्द्रीय उपाध्यक्ष अशोक रजवार, केन्द्रीय उपाध्यक्ष शम्भु कुमार, सुभाष बाउरी, केन्द्रीय महासचिव देवानंद राम, झरिलाल पात्रा, सुरेश बैठा और प्रमोद रजक ने भी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा कोटे में कोटा यानी आरक्षण के भीतर आरक्षण देने की बात पर मुहर लगाना एससी एवं एसटी समुदाय को आपस में लड़ाने जैसा है। यह ठीक वैसा है जैसे कि पहले अंग्रेज फुट डालो और राज करो की नीति पर हमारे देश को गुलाम बनाए थें। यह फैसला केंद्र सरकार की सहमति उजागर करती है क्यूंकि सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान एटॉर्नी जरनल ने एससी एवं एसटी वर्ग के आरक्षण में उपवर्गीकरण के पक्ष में अपना विचार दिया था।

जगत महतो के खिलाफ लिखित शिकायत मिली है, जांचोपरांत कार्रवाई होगी : थाना प्रभारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास : सरकारी अधिकारियों की लीला अपरंपार है। जिसमें आम लोग उलझ कर रह जाते हैं। क्या सही और क्या गलत यह तो जाँच पड़ताल के बाद पता चल सकेगा। मामला ग्राम स्वराज के जगत महतो को लेकर है, जिसमें दो अधिकारियों के बयान ने सभी को कंफ्यूज करके रख दिया है। एक बयान बाघमारा अंचल अधिकारी का है जिसमें वह साफ-साफ कह रहे हैं कि उन्होंने जगत महतो के विरुद्ध थाने में कोई लिखित शिकायत नहीं की है। जबकि वहीं बाघमारा थानेदार चिरंजीत कुमार का कहना है कि जगत महतो के खिलाफ बाघमारा सीओ ने लिखित शिकायत देकर कहा है कि जगत महतो बार-बार धरना आदि में बैठकर हो हंगामा करते हैं। अब कौन सही बोल रहा है और कौन गलत ये तो जांच का विषय है। लेकिन जो भी हो यह मामला फिलहाल तूल पकड़ता दिख रहा है दरअसल जमीन संबंधित मामले और आरटीआई एक्ट के तहत सूचना उपलब्ध नहीं करने को लेकर ग्राम स्वराज अभियान का धरना लगातार दूसरे दिन अंचल कार्यालय में जारी रहा। धरने में बैठे लौहपिट्टी के शिवकुमार महतो ने बताया कि उन्होंने डेढ़ वर्ष पहले आपकी सरकार आपके द्वार योजना में जमीन का ऑनलाइन प्रविष्टीकरण के लिए आवेदन दिया था लेकिन अब तक उनका आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं किया गया। हरिना बस्ती निवासी विकास रजवार ने कहा कि वर्ष 2022 में सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम में अपने जमीन का ऑनलाइन रसीद कटवाने के लिए आवेदन दिए थे जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं किया गया है। जमीन का नया पुराना खतियान भी है। इन्फॉर्मेशन भी है। पंजी-2 में भी चढ़ा हुआ है। 2012-13 तक ऑफलाइन रसीद भी कटा हुआ है। उसके बावजूद भी मेरा जमीन का ऑनलाइन रशीद निर्गत नही किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीओ से कई बार मिलने का कोशिश किये लेकिन सीओ का सुरक्षाकर्मी सीओ से मिलने नही देता है।

मजदूर समाज ने मनाया हेमंत सोरेन का जन्मदिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे झारखंड राज्य के चहुंमुखी बिकाश करने बाला बिकाश पुरूष, युवा यशस्वी एवं आम जनमानस मे लोकप्रिय, सरल स्वभाव मुख्यमंत्री परम आदरणीय हेमन्त सोरेन जी का 49 वां जन्मदिन बड़े हीं हर्षोल्लास के साथ केक काटकर मनाया गया जहां उपस्थित इस्पातकमीर्यों एवं ठेकाकमीर्यों ने एक दुसरे को केक और मिठाई खिलाकर उनके दाघार्यु होने का कामना किया।इस अबसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चो केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महमंत्री बि के चौधरी ने कहा कि मात्र साढ़े चार साल के अल्प अबधि मे हेमन्त सोरेन जी के नेतृत्व बाली सरकार ने झारखण्ड मे चहुंओर बिकाश की गति पकड़ ली है जो आम जनता को दिखाई दे रही है। उनके लोकप्रियता को देखते हुए मोदी सरकार ने उनके उपर उल्टा पुल्टा गलत आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया लेकिन उच्चतम न्यायालय से मोदी सरकार के गुर्गो को झुठे आरोप लगाकर जेल भेजने पर कड़ा फटकार लगाते हुए जेल से निकालने का आदेश दिया।कार्यक्रम मे मुख्य रूप से केन्द्रीय सदस्य हसन इमाम अंन्सारी, युनियन के उपाध्यक्ष यू सी कुम्भकार, संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, एस के सिंह, आई अहमद, रौशन कुमार, रमा रबानी,आशिक अन्सारी ,बादल कोयरी,अभिमन्यु मांझी, सुरेश प्रसाद, ओ पी चौहान, जितेन्द्र कुमार सिंह, हरेंद्र पासवान, दिलीप कुमार, पुरन चन्द्र महतो,राजू लहरी,मुन्ना कुमार, माघा राम,अमर राम,अमित कुमार, कृष्णा कालन्दी के साथ अन्य ने भाग लिया । यह जानकारी कार्यालय मंत्री आर बी चौधरी ने दी।

बीएसएल प्लांट की धमन भट्टी की समस्याओं को दूर करे प्रबंधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने धमन भट्टी मुख्य महाप्रबंधक को पत्र लिखकर धमनभट्टी में स्थानीय समस्याओं का निराकरण कराने के लिए पत्र भेजा है । विगत कुछ दिन पहले यूनियन पदाधिकारियों और धमन भट्टी में कार्यरत गैर कार्यपालक कार्मिकों के साथ एक बैठक आयोजित हुई थी । जिसमें कर्मचारियों ने अपनी स्थानिय समस्याओं को यूनियन के साथ साझा किया था । धमन भट्टी विभाग में व्याप्त समस्याओं की सूची कार्यस्थल पर वायरलेस नेटवर्क की समस्या तथा मोबाईल नेटवर्क की समस्या । हीट , डस्ट तथा उच्च ध्वनी भत्ता को शूरु करना । आश्रित नियोजन नीति के तहत नियोजित कर्मियों का सेवा काल में प्रशिक्षण अवधि को जोड़ना। इंसेंटीव , रिवार्ड को संशोधित करना । 2014 से बंद डेली रिवार्ड को पुनः शुरू करना। पर्सनल प्रोटेक्टिव ईक्युपमेंट जैसे, गैस मॉस्क, ईयर प्लग, रेन कोट, सुरक्षा जुता, हैण्ड गलव्स को समयबद्ध उपलब्ध कराना। सीडीआई में एसी की सुविधा को दुरुस्त कराना। चार्जिंग क्षेत्र में डिडस्टींग सुविधा का सुचारी रुप से कार्य नही करना। वाईब्रेटर एरिया में वर्षा जल का निकासी नही होना । मसीन हॉल मे बैठने हेतु कुर्सी का प्रबंध नही होना तथा रेस्ट रुम की सुविधा नही होना। धमन भट्टी के सभी अनुभागो में वाताकुलन यंत्र तथा शौचालय सफाई एवं अनुरक्षण की समस्या होना।

बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आप अपने हुनर को जान चुके हैं, उस हुनर को निखारने में जुट गए है, तो यकीन मानिए सफलता आपके कदमों तले होगी. अक्सर लोग अपने हुनर को निखारने के बजाय दूसरे की कॉपी करते है। ऐसे में कई प्रतिभाएं दफन हो जाती है। ये कहानी बोकारो के एक प्रतिभाशाली युवा का है, जिसे ग्रेजुएशन (बी.कॉम) करने के दौरान अपने हुनर का बोध हुआ. फिर क्या था, उस युवक ने अपने जीवन को संवारने के इस मार्ग पर चलने का निश्चय कर लिया। आज वो युवक टीवी के स्क्रीन पर अपने हुनर को घर-घर में जी रहा है। बात हो रही है सुशांत पांडेय की। बोकारो की गलियों में बचपन से नवयौवना अवस्था तक अपनी शिक्षा के लिए घूमने वाला सुशांत इन दिनों & ळश के एक सीरियल में अपना जलवा बिखेर रहा है। डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर बनी सीरियल भीमा में सुशांत पांडेय मास्टर साहब का किरदार निभा रहा है. जो हर सोमवार से शुक्रवार रात्रि 8:30 बजे प्रसारित होता है।

सेक्टर 5 से टीवी स्क्रीन तक का सफरनामा–

प्रतिभाशाली युवा कलाकार सुशांत ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई बोकारो के गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 5 से तथा 12वीं की पढ़ाई पैंटीकोस्टल असेंबली स्कूल से की। स्कूल के दिनों में इक्का-दुक्का कार्यक्रम में अभिनय किया। इसके बाद ग्रेजुएशन करने के लिए कोलकाता रवाना हो गए। वहां बी । कॉम के दौरान उनकी पहचान रंगमंच के कलाकारों से हुई. फिर क्या था, सुशांत के अंदर छुपी प्रतिभा ललकार मारने लगी और सुशांत ने रंगमंच ज्वाइन कर लिया। अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलते ही सुशांत अपने लक्ष्य तय कर साधने में जुट गया।

पापा और परिवार का मिला साथ, थियेटर के साथी बने प्रेरणास्रोत–

सुशांत ने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक के जीवंत थिएटर परिदृश्य में कई शानदार नाटकों के माध्यम से अपने हुनर को निखारा है. स्थानीय मंचों से लेकर राष्ट्रीय टेलीविजन तक का उनका सफर, इस क्षेत्र के महत्वाकांक्षी कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कड़ी मेहनत और जुनून के साथ, सुशांत दर्शकों को लुभाने और अपनी अनूठी प्रतिभा को देश भर की स्क्रीन पर लाने के लिए तैयार हैं. इस उपलब्धि का श्रेय वे अपने पिता सोमनाथ पांडेय को तथा अपने परिवार के सदस्यों को देते हैं। वहीं, रंगमंच के अपने वरिष्ठ रंगकर्मियों को अपना प्रेरणास्रोत बताते नहीं थकते।

सुशांत पांडेय ने बताया की बोकारो में प्रतिभाशाली बच्चों की कोई कमी नहीं है। लेकिन उसे निखारने के लिए उचित मंच उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि बीएसएल प्रबंधन, अन्य संस्थाएं तथा स्कूल/कॉलेज प्रबंधन सामूहिक पहल करे, मंच उपलब्ध करायें, तो बोकारो में दम तोड़ती कई प्रतिभाएं निखर कर दुनिया के सामने आयेंगी। कहा कि पश्चिम बंगाल में हर घर, गली-मोहल्लों में गीत-संगीत, वाद्ययंत्र, रंगमंच के कलाकार भरे पड़े हैं। वहां से रंगमंच की दूरी कुछ कदम है. जबकि बोकारो जैसे शहर में यह दूर की कोड़ी प्रतीत होता है।

एक नजर

हाथी ने किसान के घर को किया क्षतिग्रस्त

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित भरनो प्रखण्ड में जंगली हाथी ने किसान के घर को किया क्षतिग्रस्त। करंज थाना अंतर्गत तेतरबिरा कुसुम टोली में बीते रात एक जंगली हाथी ने किसान पूना उरांव के मिट्टी के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया ।हाथी आने की भनक लगने पर परिजन पिछले दरवाजे से भागकर बाहर आ गए । सुबह सूचना मिलने पर करंज थानेदार आशीष केशरी ने घटना स्थल जाकर जायजा लिया । और प्रभावित परिवार को वन विभाग से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया ।

बसिया प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बैठक

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित बसिया प्रखंड के कई वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं कि एक आवश्यक बैठक कोनबीर नीचे चौक के समक्ष आयोजीत कि गई। उक्त बैठक में पूरे प्रखंड से आए भाजपा के कई वरिष्ठ कार्यकर्त्ता शामिल हुए। कार्यकताओं ने बसिया प्रखंड में भाजपा कि वर्तमान स्थिती पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा के पूर्व अध्यक्ष द्वारा हम वरिष्ठ कार्यकताओं कि अनदेखी कि गई जिसके कारण पिछले पांच वर्षो से बसिया प्रखंड में पार्टी कि स्थिती काफी कमजोर हो गई हैं। पूर्व अध्यक्ष द्वारा सिर्फ गिने चुने 2-4 लोगों को साथ लेकर चलने के कारण सिर्फ पार्टी कार्यकर्त्ता ही नहीं बल्कि आम लोगों के बीच भी यह चर्चा का बिषय बना हुआ था। वहीं बैठक में ये भी कहा गया कि पूर्व अध्यक्ष द्वारा वर्तमान में नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्ष को भी अपने अंडर में रखने का काम किया गया हैं। जिससे हम वरिष्ठ कार्यकताओं कि उपेक्षा कि जा रही हैं। वरिष्ठ कार्यकताओं कि उपेक्षा का ही परिणाम हैं कि यहाँ पिछले कई चुनाओं में बसिया प्रखंड से भाजपा को हार का सामना करना पड़ा हैं। लोगों ने कहा कि अगर हमारे संगठन में प्रखंडस्तरीय कार्यकत्ताओं में ही आपसी सामंजस्य मजबूत नहीं रहेगा तो हम पंचायत स्तरीय कार्यकताओं को कैसे संगठित कर पाएंगे और पार्टी को आगे कैसे ले जायेंगे। वरिष्ठ कार्यकताओं ने इसपर जिला संगठन को विचार कर सगठन में मजबूती लाने कि अपील कि हैं वहीं बसिया प्रखंड भाजपा जो कि गिने चुने लोगों तक सिमट कर रह गई हैं ओर इन गिने चुने लोगों के कारण क्षेत्र के लोगों का भाजपा से दुरी बढ़ने एवं पार्टी कि पकड़ कमजोर होने के मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इसपर विचार करने कि अपील कि हैं।

विकास भारती बिशनपुर के द्वारा प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित कृषि विज्ञान केंद्र गुमला विकास भारती बिशनपुर के द्वारा प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के द्वारा विकसित 109 किस्मो के महत्व को किसानों तक पहुंचना है ' इस कार्यक्रम के अध्यक्षता विकास भारती बिशनपुर के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने की। उन्होंने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि इन नई किस्म से बदलते हुए मौसम से लड़ने की क्षमता ज्यादा है जो की आने वाले दिनों में किसानों को ज्यादा लाभ देने में सक्षम हो सकेगी। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के इंजीनियर एनओ राई ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लगातार शोध एवं अनुसंधान के माध्यम से देश को आज के दिन 109 फसल कि किसानों को मिल पाई है ।

कोडरमा में दिखेगा देवघर का रूप, एक लाख से अधिक कांवड़िये 15 किलोमीटर की पदयात्रा में होंगे शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सावन में कांवड़ पद यात्रा कर शिवलिंग पर जलाभिषेक करने का विशेष महत्व है। कोडरमा में 24 वर्ष पहले धार्मिक संगठन श्री राम संकीर्तन मंडल के द्वारा महज 65 कांवड़ियों के साथ 15 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा की शुरूआत की गई थी। इस वर्ष 25वां कांवर पदयात्रा आयोजित कर आयोजन की रजत जयंती मना रही है। वर्तमान समय में इस कांवर पदयात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावे पड़ोसी जिलों से भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिसकी तादाद एक लाख से अधिक होती है। श्री राम संकीर्तन मंडल के द्वारा आयोजित कांवड़ पद यात्रा के संयोजक बबलू सिंह ने बताया कि कांवर पदयात्रा की

रजत जयंती को लेकर जिले में काफी उत्साह का माहौल है। शहर एवं कांवड़ यात्रा मार्ग को केसरिया झंडे से सजाया गया है। शहर के साथ झरनाकुंड धाम से ध्वजाधारी पहाड़ तक विभिन्न सामाजिक संगठन के द्वारा कावड़ यात्रियों के स्वागत के लिए कई आकर्षक तोरण द्वार बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 25वें वर्ष पर कांवर पदयात्रा में 25 फीट की आकर्षक कांवर निकाली जाएगी। सावन के चौथे सोमवार 12 अगस्त की प्रातः 7 बजे से भव्य कांवर पद यात्रा की शुरूआत होगी, जिसमें श्रद्धालु कलश में झरना कुंड से जल उठाएंगे और 15 किलोमीटर पैदल चलते हुए ध्वजधारी धाम में शिव मंदिर में एवं ध्वजाधारी धाम पहाड़ के शिखर पर 777 सीढ़ी चढ़कर भोलेनाथ पर जलाभिषेक करेंगे। कोडरमा जिले के दूर-दराज इलाके एवं जिले के बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पंजाबी धर्मशाला में रात्रि विश्राम और इंदरवा स्कूल के परिसर में रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई है। कांवड़ पदयात्रा के दौरान अखाड़ा समिति और जिम से जुड़े शिव भक्त 51, 71, 101 एवं 151 लीटर जल उठाकर 15 किलोमीटर की कांवर पदयात्रा में शामिल होंगे। संयोजक ने बताया कि रजत जयंती के अवसर पर इस वर्ष कांवर पदयात्रा में कई आकर्षक झांकियां भी शामिल रहेगी। पटना और बनारस की टीम के द्वारा सुसज्जित वाहन पर भस्म आरती की झांकी, होली खेले मसाने में की झांकी, 7 फीट ऊंचा महाकाल की शिवलिंग, शिव परिवार की जीवंत झांकी, श्री राम दरबार झांकी श्रद्धालुओं को काफी आकर्षित करेगी।

हेसल पंचायत सचिववालय में नशा मुक्ति को लेकर बुद्धिजीवी मंच की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : हेसल पंचायत में पंचायत भवन में बुद्धिजिवी मंच की बैठक नाश मुक्ति को लेकर किया गया बैठक की अध्यक्षता अंगड़ा थाना प्रभारी चमरा मिंज संचालन आतिश महतो ने किया अतिथि के रूप में सिल्ली डी एस पी शामिल हुए । बैठक में प्रखंड के सभी समाज सेवी जनप्रतिनिधि भारी संख्या में सामिल हुए। सभी लोगो ने बारी बारी से समाज में हो रही बुराइयों को लोगो ने बतायो और गंभीर चिंतन मंथन हुआ और सभी लोगो ने नसा पान को कैसे जड़ से मुक्त किया जाय मौके पर डी एस पी ने कहा कि समाज को सुधारने के लिए आम जनता के सहयोग से ही हो सकता है अगर गांव घर समाज में कुरीतियां होती तो इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को तुरंत सूचना दे इस अवसर पर पूर्व विधायक राम कुमार पहान जिला परिषद अनुराधा मुंडा हेसल पंचायत मुखिया कविता देवी पंचायत समिति सदस्य शीला देवी मदरा मुंडा समाज सेवी मुस्तफा अंसारी विष्णु महतो राम शाय मुंडा जल नाथ चौधरी कारीनाथ महतो रामनाथ महतो रामेश्वर महतो दुर्गा महतो अब्बास अंसारी कृष्ण भगत धनेस्वर महतो राजेन्द्र महतो सुनील महतो अमेरुल अंसारी रंजन महतो आदि शामिल थे।

सरकारी टीम मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का निरीक्षण करने पहुंची चैनपुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड के बेंन्दोरा व मालम पंचायत का केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि डायरेक्टर व टीम लीडर पवन कुमार एवं प्रोजेक्ट ऑफिसर मनरेगा नवनीत दास के साथ राज्य समन्यवक राजीव कुमार डीसीसी दिलेश्वर महतो एडिशनल डायरेक्टर विद्याभूषण के द्वारा मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की योजनाओं के निरीक्षण हेतु क्षेत्र भर्मण किया गया। इस दौरान केंद्रीय टीम ने तालाब, मनरेगा कूप, प्रधानमंत्री आवास, बागवानी एवं बिरसा आवास योजनाओं की जांच की इस दौरान जांच टीम योजनाओं की बारीकी से जांच की वही कई योजनाओं को देखकर संतुष्ट नजर आए। वही कई योजनाओं में असंतुष्टता जाहिर करते हुए संबंधित पदाधिकारी को कई दिशा निर्देश दिए। वही मालम पंचायत में

योजनाओं का निरीक्षण के दौरान योजना स्थल तक जांच टीम का वाहन नहीं पहुंच सका जांच टीम कुछ दूर पैदल तो कुछ दूर मोटरसाइकिल का सहारा लेकर कार्य स्थल पर पहुंचकर संचाललित योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीण विकास मंत्रालय के डायरेक्टर पवन कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक मिलना चाहिए। संचालित योजनाओं का समय-समय पर जांच होगा। विभागीय अधिकारी योजनाओं को गुणवत्ता पूर्ण कराने का काम करें। इस दौरान जांच टीम में पहुंचे अधिकारियों ने गुणवत्ता पूर्वक कार्य करने का भी निर्देश दिया।

15 अगस्त को हमारा देश अपनी आजादी का 77वां वषगाँठ मनायेगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी के एक -एक कार्यकर्ता को हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना है। और इसी कार्यक्रम के अंतर्गत गुमला जिला के तीनों विधानसभा में विशाल तिरंगा यात्रा निकालने का कार्यक्रम सुनिश्चित है। इस निमित कल 12/08/24 दिन सोमवार को गुमला विधानसभा के अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा के अगुवाई मे विशाल तिरंगा यात्रा गुमला मुख्यालय में निकालना है, जिसमें भाजपा के वैसे सभी सम्मानित पूर्व और वर्तमान पदाधिकारी, सभी मोर्चों के पदाधिकारी, कार्यसमिति के सदस्य जो नगर में निवास करते हैं और भारत माता का हर वो सपूत जो तिरंगे से प्यार करता है। इस कार्यक्रम में आपसभी सादर आमंत्रित हैं। अतः अधिक से अधिक लोग इस कार्यक्रम में शामिल हों और तिरंगे की आन , बान, शान और सम्मान को बढ़ाने में सहयोग करें।

पंचायत में सावन महोत्सव सह महिला सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : सावन महीने के उपलक्ष में सावन महोत्सव सह महिला सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में-टाटीसिलवे थाना महिला सहायक पदाधिकारी स्वेता सिंह ने अपने संबोधन में सावन महोत्सव के उपलब्ध पर सभी महिलाओं को अपने हक अधिकार 50% आरक्षण के संदर्भ जानकारी साझा की और सभी बहनों को बोली की किन्ही बहनों के साथ घरेलू या समाजिक प्रताड़ना व अप्रिय घटना घटती है तो मैं टाटीसिलवे थाना में कार्यरत हूँ आप लोगों को हर संभव सहयोग मिलेगा। साथ हीं सावन महोत्सव पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में क्षेत्र की सभी गणमान्य सम्मानीय महिलाएं भाग लिए।और बाबा भोलेनाथ जी का पूजा अर्चना कर झारखण्ड प्रदेश के खुशहाली की भी कामना की। और अपनी-अपनी विस्तार पूर्वक विचार एवं नृत्य गान भी प्रस्तुत किये,साथ हीं सभी महिलाओं के सम्मान में वीणा कुमारी एवं संध्या वाण्डो जी के द्वारा चूडियां प्रदान कर पुरस्कृत भी किया गया। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व जिला परिषद सदस्य फुलकुमारी देवी,अनगड़ा पूर्व प्रमुख अनिता गाड़ी, पूर्व मुखिया टाटी पूर्वी किरण पहान, टाटी पश्चिमी मुखिया सुनीता देवी,टाटी पश्चिमी पंचायत समिति सदस्य इन्दु देवी, जयन्ती देवी, किरण देवी, निर्मला देवी, वीणा देवी, सरस्वती देवी सावित्री देवी, कमला कुमारी, सरिता देवी, पिन्की देवी, मंजू देवी,लिना रानी आदि सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थीं।

भारतीय जनता पार्टी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर निकला शांति मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : भारतीय जनता पार्टी गुमला जिला के नेतृत्व में आज बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे उत्पीड़न अत्याचार और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की निर्मम हत्या जैसी घटनाओं के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए शांति मार्च निकला गया जिसमें सुषमा गुप्ता गुमला जिला भाजपा IT सेल सहसंयोजक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की भारत सरकार , झारखंड सरकार और विपक्ष से कहूंगी की इस पर कोई राजनीतिक ना करें। इतिहास गवाह है कि हिंदू का

हमेशा से दूसरे देशों में निर्मम हत्या और शोषण होते आरहा है और आज भी हो रहा है हमने तो कश्मीर के बारे सिर्फ सुना था पर आज बंगाल देश में जो हो रहा है वह देख रही हूं हिंदुओं के रहने के लिए दुनिया के किसी भी देश में जगह नहीं है तो भारत देश में भी अवैध रूप से रह रहे होंगे बांग्ला देशियों रोहिंग्या को रहने का कोई हक नहीं है इन्हें तत्काल भारत देश के हर कोने से निकल जाए उन्हें भी रहने का यहां कोई हक नहीं है। कब तक हिंदू बर्दाश्त करेगा बर्दाश्त करने की भी एक सीमा होती है बांग्लादेश में हिंदू भाईयो की निर्मम हत्या की जा रही है बच्चों को मारा जा रहा है औरतों का रेप किया जा रहा है जिंदा लोगों को रोड पर घसीटा जा रहा है हमारे मंदिर तोड़े जा रहे हैं और हम हाथ पैर हाथ धरे बैठे हैं अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं अभी नहीं तो कभी नहीं सभी सनातनियों से हाथ जोड़कर विनती है कि एक हो जाइए संगठन में ही मजबूती है जाति में मत बटिये हिंदू बनिए। आज के सनातन मंच गुमला द्वारा आयोजित मौन जुलूस का भारतीय जनता पार्टी गुमला जिला समर्थन करती है। भाजपा नेताओं ने जुलूस में शामिल होकर अपना समर्थन दिया है। जिसमें पूर्व विधायक कमलेश उरांव पूर्व जिला अध्यक्ष सविंद्र सिंह ,अनूप चंद्र अधिकारी, विकास सिंह नगर अध्यक्ष बबलू वर्मा,सोना मनी उराव, सत्यनारायण पटेल, अजीत कुमार, दीपक साहू, रूपक साहू, दिनेश साहू, राजेश सिंह, गुड्डी नंदा, रामेश्वरी उरांव, शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

फर्जी कागजात बनाकर जमीन हड़पने को लेकर उपायुक्त को दिया आवेदन, कार्रवाई की मांग

रांची : राजधानी रांची के कांके प्रखंड सह अंचल के अन्तर्गत मौजा सुकुरहुटु के सोनी देवी पति स्व दशरथ पहान खाता न.432, प्लॉट न.8034 कूल रकबा 16 डी., जमीन जो कि खतियान में सुखनाथ पहान वगैरह के नाम से दर्ज है। जयनाथ पहान पिता स्व.लहरू पहान ने डीड न. 1935 के द्वारा जमीन को फर्जी तरीके से बिक्री अनिमा किंडो को कर दिया गया है । अनिमा किण्डो कांके प्रखण्ड के अनीता गर्ल हाईस्कूल कांके में कार्यरत है। और पति सुधीर लकड़ा. बिरसा कृषि विश्विवविद्यालय के प्रसार निदेर्शालय में कंम्प्यूटर ऑपरेटर पद पर कार्यरत हैं। जो दिनांक 9/03/2018 को कॉके अंचल से फर्जी जाति प्रमाण पत्र निगर्त करवाकर उक्त जमीन की खरिंदी है। कांके अंचल के तात्कालिन अंचल अधिकारी प्रभात भुसन सिंह एवं अनील कुमार रुपए लेकर फर्जी जाति प्रमाण प्रत्र एवं न्यायालय लगानवाद उप समाहर्ता सदर, रांची परमीशन वाद संख्या-4161 आर 8 II/2020-2021 में फर्जी जांच प्रतिवेदन देकर मेरे पुस्तैनी जमीन को लुटवाने अथवा हडपवाने में अनिमा किण्डो का पुरा सहयोग किये हैं। अनिमा किण्डो पति सुधिर लकडा द्वारा जो जमीन खरिदने में जाति प्रमाण व स्थनीय निवास प्रमाण पत्र बनवाने में जिस खतियान का प्रयोग कर वंसज बनी है वह फर्जी है। फ्रांनशीश लकडा मौजा कॉके खाता न0-111 के वंसजो ने साफ तौर पर कहा कि अनिमा किण्डो मेरे घर की नही है, हम लोग नही जानते है। इस खतियान से अनीमा किण्डो या उसके पति सुधीर लकडा का हमलोगो के वंसज से कोई संबंध नहीं है। जबकि अनिमा किण्डो रेंट में सुधीर एक्का पता सुकुरहुटु सुंदर नगर के मकान में रहती है। सुधीर लकडा पिता जेम्स लकडा जमीन का एक एकरारनामा में पता भलमण्डा नवागढ, जिला गुमला झारखण्ड दर्ज है। जबकी इनकी पत्नी अनीमा किण्डो ने जो जमीन ली है। उस डीड में पता ग्राम सेमरटोली, थाना कांके, जिला रांची, झारखण्ड दर्ज है। दोनो का पता अलग-अलग है। जिससे अस्पष्ट होता है कि सुधीर लकडा की पत्नी अनिमा किण्डो फर्जी कागजात तैयार कर व फर्जी पते पर जमीन ली है। सोनी देवी रांची डीसी को आवेदन देकर अनिमा किण्डो एंव इनके पति सुधीर लकडा का सही निवास स्थान का पता दोनो का सर्विस बुक में दर्ज निवास स्थान का पता जांच कराने से स्पष्ट होगा।

बेटे ने टांगी से काटकर मां को मार डाला

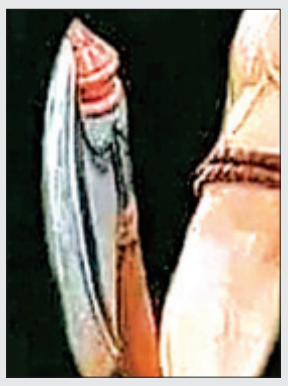

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित डुमरी थाना क्षेत्र के नावाडीह ग्राम निवासी 55 वर्षीय मोनुवेल कुजूर नामक खूंखार प्रवृत्ति के कलयुगी पुत्र ने अपने ही जन्मदात्री 80 वर्षीय मां सेलिना कुजूर को टांगी से काट काटकर निर्मम हत्याकर दिया और मां बेटे के पवित्र रिस्ते को शर्मसार कर दिया हैं। मृतक की पुत्री एवं हत्यारे की बहन कंचन कुजूर ने बताया की मां के हत्यारे पुत्र मोनुवेल कुजूर , अपने घर में अपनी मां से दो - तीन दिनों से लगातार लड़ाई झगड़ा कर रहा था और घर में बन रहे खाना को भी फेंक दें रहा था। जिसका मां सोलिना कुजूर द्वारा विरोध करने पर मोनुवेल कुजूर ने एकाएक आक्रोशित होकर वह घर में रखा हुआ। टांगी उठाकर लाया और अपनी मां सेलिना कुजूर पर टांगी से लगाकर कई वर कर दिया। फलस्वरूप सेलिना कुजूर की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जिसकी सूचना डुमरी थाना पुलिस को दी गई, उक्त सूचना मिलते ही डुमरी थाना प्रभारी अनुज कुमार अपने दलबल के साथ उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू करते हुए। सेलिना कुजूर के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु , गुमला सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेजवाया गया। जहां पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया हैं, और डुमरी थाना प्रभारी ने बताया की हत्यारे बेटे को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया हैं। डुमरी थाना प्रभारी ने बताया की उक्त हत्यारे बेटे ने इससे पूर्व भी वह अपनी पत्नी के हत्या के आरोप में जेल से सजा काट कर आया ह। बाद में उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए गुमला जेल भेज दिया गया हैं।

वन पदाधिकारी से मिली गुमला चेंबर की टीम

गुमला : गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स का प्रतिनिधि मंडल चेंबर के अध्यक्ष दामोदर कसेरा के नेतृत्व में गुमला जिला वन पदाधिकारी अहमद बेलाल से मुलाकात कर शहर के व्यापारियों एवं आम लोगों को हो रही परेशानी से अवगत कराया। कसेरा ने बताया की शहर में सड़कों के किनारे जो पेड़ काफी पुराने हो गए हैं उनकी डाली बराबर हवा पानी से टूटकर गिरती है , जिससे आम लोगों को हमेशा जान माल की क्षति का सामना करना पड़ता है आम लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए। चेंबर अध्यक्ष ने वन पदाधिकारी से मांग किया कि पुराने हो चुके पेड़ की डालियों का छटनी कराया जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार का दुर्घटना ना हो। इस पर वन पदाधिकारी ने कहा कि आप इसके लिए गुमला नगर परिषद को एक आवेदन दें और उसकी प्रतिलिपि मुझे दें। नगर परिषद उसके लिए वन विभाग से एनओसी की मांग करेंगे। हमारे विभाग के द्वारा उन्हें एनओसी दी जाएगी। उसके पश्चात नगर परिषद डाली काटने का कार्य करेगी। चेंबर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं पर्यावरण सुरक्षा के दृष्टिकोण से गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा पौधारोपण कार्य को लेकर एक सौ पौधों की मांग की। जिस पर वन पदाधिकारी ने अपनी सहमति प्रदान करते हुए आवेदन देने को कहा। आवेदन के दो दिनों के बाद 100 पौधे गुमला चैंबर को उपलब्ध करा दिए जाएंगे। प्रतिनिधि मंडल में दामोदर कसेरा के साथ ही साथ पूर्व अध्यक्ष शशि प्रिय बंटी, उपाध्यक्ष राजेश सिंह, सचिव बबलू वर्मा, प्रणय कुमार, रविंद्र सिंह, राजेश गुप्ता, अनिकेत कुमार शामिल थे।

भाजपा ने तमाड़ और सिल्ली विधानसभा में निकाली तिरंगा यात्रा

सिल्ली : भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर हर घर तिरंगा अभियान के निमित्त भाजपा युवा मोर्चा ,रांची ग्रामीण जिला द्वारा जिला अध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा मोटरसाइकिल रैली के रूप में बुंडू राधारानी मंदिर ,बुंडू नगर से राहे गोमदा चौक, राहे तक निकाली गई,यह तिरंगा यात्रा तमाड़ विधानसभा और सिल्ली विधानसभा के संयुक्त तत्वाधान में निकाली गई। सैकड़ों की संख्या में लगभग 100 मोटरसाइकिल से भाजपा कार्यकर्ता अपने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् का नारा लगाते हुए इस यात्रा में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनय कुमार महतो,लक्ष्मण सिंह मुंडा,भाजपा प्रदेश के नेता रंजित लाहिरी,जिला मीडिया प्रभारी भास्कर मुखर्जी,मंडल अध्यक्ष आलोक दास,धीरेन महतो,दिलेश्वर कोईरी,चितरंजन महतो, सृष्टिधार प्रजापति,मनोज महतो, भगीरथ महतो,कैलाश हलवाई,युवा मोर्चा अध्यक्ष अपुल राज,विवेक गुप्ता,जीतू महतो,मनोज महतोअरुण पाल समेत तमाड़ और सिल्ली विधानसभा के सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया।

शिवजी का डमरू और तीनों लोक

हृदयनारायण दीक्षित

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी।

भारत में सावन का महीना शिव उपासना का जलरस भरा मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। मैंने समूची वाराणसी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास।

शिव भोले शंकर हैं। औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। शर शैय्या पर लेटे भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। वे प्रकृति से परे और पुरुष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता" फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है" यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। मैं भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए महादेव को नमस्कार करता हूं।

ऋग्वेद वाले रूद्र शिव "सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं" हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। शिव महाकाल हैं। ऋग्वेद में "जो रूद्र है, वही शिव भी है" त्रिशूल उनका हथियार। ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। मैं मन ही मन यजुर्वेद के शिव संकल्प मंत्र दोहराता हूं-'हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।' मैं राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर तक धंसा हुआ है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था त्र्यम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं स्वयं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं।

संसार क्षर से क्षर की यात्रा है। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव रूपक का सोम प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं।

सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी आकर्षक है। इस त्रयी में सत्य महत्वपूर्ण है लेकिन सत्य को शिव भी होना चाहिए। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। लेकिन यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। कांवड़िये लम्बी पदयात्रा करते हैं। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया 'पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गईं। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?' शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा, "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकृतेर्खाधार्यति वपु।' शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले, 'अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।' मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बायीं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती-शिव जगत के माता -पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकत्र्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद्चन्द्र की पूनो शिव रस सोम की ही वर्षा करती है। सोम और चन्द्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है 'वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।' शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण-कण में व्याप्त चेतना हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

चेतावनी को समझें

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के जल स्तर में हो रही वृद्धि के कारण 2040 मुंबई में 10 फीसद से ज्यादा भूमि व पणजी और चेन्नई में 10 फीसद तक भूमि के जलमग्न होने का खतरा वाकई चिंता की बात है। बेंगलुरू स्थिति थिंक टैंक सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नॉलाजी एंड़ पॉलसी के अध्ययन में यह दावा किया गया है। समुद्र का जल स्तर की वजह से कोच्चि, मंगलुरू, विशाखापत्तनम, उडुपी, और पुरी में 5 फीसद भूमि जलमग्न हो सकती है। समुद्र के जलस्तर में वृद्धि परिदृश्य और चुनिंदा भारतीय तटीय शहरों के लिए जलमग्नता मानचित्र इसका शीर्षक है, जिसमें देश के पंद्रह तटीय शहरों व कस्बों के जल स्तर के बदलाव का अध्ययन किया गया है। इन सभी जगहों पर सदी के अंत तक समुद्र के जल स्तर में वृद्धि जारी रहेगी, जिसमें मुंबई के लिए सबसे ज्यादा वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। जहां अध्ययनानुसार 1987 से 2021 तक समुद्रस्तर में अधिकतम 4.440 सेमी की वृद्धि पाई गई। इससे प्रभावित क्षेत्रों जल, कृषि, वन, जैव विविधता तथा स्वास्थ भी शामिल है। खासकर कृषि भूमि व जल निकाय बढ़ते समुद्र स्तर के कारण जलमग्न होने से आम जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। समुद्र तट, बैकवॉटर, मैंग्रोव वन जोखिम में होने के कारण पर्यटन भी सामान्य नहीं रह पाता। नासा ने कुछ समय पहले यह बताते की कोशिश की थी कि तीस सालों में समुद्री जल स्तर 10 सेमी बढ़ गया है। जो खतरनाक स्थिति है। लगातार बदल रहे जलवायु व तापमान का असर ग्लेसियरों पर पड़.रहा है। पहाड़ों पिघलने वाली बरफ नदियों के जरिए समुद्र में ही जाती है। दुनिया भर में समुद्री स्तर दोगुनी तेजी से बढ़ता जा रहा है। जो वैज्ञानिकों के लिए चिंता व शोध का विषय है। समुद्र इंसानों द्वारा पैदा होने वाले गर्म तापमान का 90 फीसद हिस्सा सोख लेता है। तटीय इलाकों में रहने के लोभ में समुद्र को ढ़केलने की भी कोशिशें होती हैं। खासकर मुंबई में विकास के नाम पर सुमद्र तटों को भारी नुकसान पहुंचाया जाता रहा है। इस खतरे को भांपकर सुरक्षात्मक कदम उठाने जल्द न चालू किए तो भयंकर आपदा से बचना मुश्किल हो सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

जाति जनगणना: सामाजिक न्याय की ओर कदम

राम पुनियानी

हालिया लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया। अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया। हालाँकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालाँकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गाँधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने काफी जोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई। उन्होंने हलवा (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं।

राहुल गाँधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर (गोली मारो.... वाले) ने राहुल गाँधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है। इस मामले में राहुल गाँधी अनूठे व्यक्ति हैं - हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा। एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दकियानूसी तत्वों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है। ठाकुर की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया मगर प्रधानमंत्री ने उनके भाषण को ट्वीट कर उसका अनुमोदन किया।

जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी में हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। अनुराग ठाकुर और नरेन्द्र मोदी जिस विचारधारा के हैं, वह विचारधारा सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है।

भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है। इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास जोतिराव फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा, हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है। चूँकि दलितों को पढने-लिखने नहीं दिया जाता था इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाये रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है। अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे।

अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी - जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है - उनकी सबसे बड़ी पीड़क है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के स्वर्णिम अतीत के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीर-धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को सरकारी दामाद कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा भड़क गयी। अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैंः शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आन्दोलन शुरू कर दिया।

सन 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई। इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद् ने राममंदिर आन्दोलन के बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण अडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की।

वी.पी. सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ऊंची जातियां, मंडल आयोग के खिलाफ थीं। मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी। उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया। इस यात्रा को मंडल-विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ। मंडल का विरोध करने के लिए यूथ फॉर इक्वालिटी जैसी संस्थाएं उभर आईं।

मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे। भाजपा के शीर्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा, वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए। भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम-विरोध का जामा पहनाया। एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गया। भाजपा का उद्देश्य है जातिगत उंच-नीच को बनाये रखते हुए हिन्दुओं को एक करना। मंडल पार्टियाँ कई मामलों में सफल रहीं मगर उनमें से कुछ ने अपने संकीर्ण हितों की खातिर मनु की राजनीति से समझौता कर लिया।

इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं। मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गाँधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं। विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है। जो जातियां आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाईं हैं, उन्हें इसका लाभ दिलवाना सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक है।

जहाँ इंडिया गठबंधन जाति जनगणना की मांग का खुल कर समर्थन कर रहा है वहीं एनडीए की मुख्य घटक दल भाजपा इस मांग की पूर्ति की राह में हर संभव रोड़ा अटकाएगी। इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन, सभाएं आदि कर इस मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है।

वैश्विकी: बांग्लादेश में भारत को धक्का

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश के घटनाक्रम से भारत को राजनीतिक और रणनीतिक रूप से बहुत धक्का लगा है। इस नुकसान की निकट भविष्य में भरपाई हो पाएगी ऐसी संभावना नहीं लगती। भारत के लिए यह भी अफसोस की बात है कि जिस देश के निर्माण में उसने निर्णायक भूमिका निभाई थी वह फिर गुलामी की सुरंग में प्रवेश कर रहा है। यह विड़म्बना है कि बांग्लादेश के नये हुक्मरान इसे दूसरी आजादी की संज्ञा दे रहे हैं। बांग्लादेश में राष्ट्रपिता शेख मुजिबुर रहमान की प्रतिमाओं को तोडक्षे जाने का दृश्य भारत के लोगों के लिए भी ह्रदयविदारक है। यह विचारणीय है कि बांग्लादेश का युवा वर्ग इतना गुमराह कैसे हो गया कि वह 1971 की आजादी की विरासत भी भूल गया। कहने के लिए युवा वर्ग के आंदोलन का नेतृत्व स्वतंत्रता प्रेमी और प्रगतिशील छात्र नेता कर रहे थे। वे शेख हसीना के कथित निरंकुश शासन से छुटकारा पाने और वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना के लिए सड़कों पर उतरे थे। लेकिन हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों से इस आंदोलन का भयावह चेहरा उजागर हुआ है।

बांग्लादेश की चर्चित लेखिका और भारत में निर्वासन का जीवन जी रही तसलीमा नसरीन ने घटनाक्रम का विश्लेषण किया है। तसलीमा को शेख हसीना के शासनकाल में देश छोड़ने पर मजबूर किया गया था। तस्लीमा शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद दिल्ली आने को नियती का न्याय मान रही हैं। लेकिन इस व्यक्तिगत नाराजगी से अलग होकर वह लोकतंत्र और मजहबी विचारधारा के अंतर्विरोधों का भी जिक्र करती हैं। उनके अनुसार 'मुस्लिम समाज जब अल्पसंख्यक होता है तो वह लोकतंत्र चाहता है, लेकिन बहुसंख्यक होता है तो वह इस्लामी राज्य की मांग करता है।' शेख हसीना ने अपने शासनकाल में इसी अंतर्विरोध को दूर करने की कोशिश की थी। वह एक लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष रूप में देश को विकास के रास्ते पर ले जा रही थीं। इतना ही नहीं विदेश मामलों में वह स्वतंत्र विदेश नीति को अनुसरण करने की कोशिश कर रही थीं। अपनी इन नीतियों के समर्थन में घरेलू स्तर पर वह जनसमर्थन को संगठित करने में कामयब नहीं हो सकीं। बांग्लादेश में विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी का गठजोड़. कायम रहा। इन्हीं हालात में अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की मुहिम को हवा दी। मुखौटे के रूप में छात्रों और नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को सामने लाया गया। बांग्लादेश में अमेरिका के रणनीतिक हित स्पष्ट हैं।

वह हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में चीन की नाकाबंदी करना चाहता है। उसने इसी क्रम में भारत को शामिल करने के लिए क्वाड़ की स्थापना की थी, लेकिन हाल के वर्षों में स्पष्ट हो गया कि भारत दादागिरी के इस खेल में एक पक्ष बनने के लिए तैयार नहीं है। नये हालात में अमेरिका ने वैकल्पिक उपाय के रूप में ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ सैन्य गुट 'ऑक्स' की स्थापना की। साथ ही जापान, द. कोरिया और फिलिपींस के साथ गठजोड़. को मजबूत बनाया। केवल बंगाल की खाड़ी का विस्तृत इलाका खाली पड़ा था। इस क्षेत्र में अपनी रणनीतिक दखल को बढ़ाने के लिए अमेरिका ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन में भूमिका निभाई।

सवाल यह है कि शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग का क्या भविष्य है। फिलहाल अमेरिका की कोशिश यह होगी कि बांग्लादेश में लोकतंत्र का स्वांग रचाया जाए। साथ ही शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी को हर हाल में रोका जाए। अवामी लीग में वैकल्पिक नेतृत्व कायम किया जाए जो अमेरिकी हितों का ध्यान रखे।

भारत ने 1971 में अमेरिका के 7वें नौसैनिक बेड़े.को धता बताते हुए बांग्लादेश को आजाद कराया था। आधी सदी बाद क्या भारत फिर ऐसी भूमिका निभाएगा? भारत अपने बलबूते शायद ऐसा करने की स्थिति में नहीं है। उसे इस चुनौती का सामना करने के लिए रूस, चीन और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों का सहयोग हासिल करना होगा। केवल ऐसा व्यापक गठजोड़.ही बंगाल की खाड़ी और हिन्द महासागर को सुरक्षित रख सकता है। केवल इससे पूर्वोत्तर में शांति, स्थिरता तथा भारत के रणनीतिक हितों की सुरक्षा भी संभव है।

एक नजर

भाजपा महिला मोर्चा की आक्रोश रैली 13 अगस्त को

खूंटी : भाजपा महिला मोर्चा द्वारा 13 अगसत को अहूत आक्रोश रैली की समीक्षा बैठक रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने की। भाजपा की विज्ञप्ति में बताया गया कि बैठक का मुख्य विषय प्रदेश सरकार की महिलाओं के साथ की गई वादा खिलाफी के विरोध में 13 अगस्त को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा रैली जिला समाहरनालय के समक्ष आक्रोश रैली निकाली जायेगी। बैठक में जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह ने कहा कि चुनावी घोषणा पत्र का एक भी वादा सरकार ने पूरा नहीं करके महिलाओं के साथ छल किया है। महिलाओं के साथ अत्याचार, अनाचार, हत्या, लूट अन्य प्रकार के जघन्य अपराध की घटनाएं घटित हो रही हैं। जिला प्रभारी ने आक्रोश प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कार्य योजना की समीक्षा की। बैठक में हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा को लेकर चर्चा हुई। बूथ के साथ जिला स्तर पर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को दिशा निर्देश दिए गये। जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान तभी सफल होगा, जब आम जन की भागीदारी सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संजय साहू और धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष कृपा सिंधु बेहरा, जगन्नाथ मुण्डा, जिला कोषाध्यक्ष प्रियांक भगत, जिला मंत्री गोपाल स्वर्णकार, सुधीर सिंह, कार्यालय मंत्री राजेश कुमार महतो, सुलोचना देवी, सुदर्शन भोगता, बासमती देवी, सुदन मुण्डा आदि उपस्थित थे।

पलामू में सर्पदंश से एक की मौत

पलामू : जिले के रामगढ़ प्रखंड की उलडंडा पंचायत के डेनडुबा गांव के 40 वर्षीय राजेंद्र उरांव की सर्पदंश से मौत हो गई। वह खेत में हल चला रहा था। इसी दौरान बहीराजाड़ा सांप ने उसे डंस लिया। परिजन उसका समय पर इलाज नहीं कराकर आनन-फानन में चोरहट पंचायत के कुंडपानी के नीमटोली के वैद्य अमरदेव मिंज के पास ले गए। वैद्य ने झाड़-फूंक से युवक को ठीक करने की कोशिश की। इसी क्रम में राजेंद्र उरांव की मौत हो गई।

आम्रेश्वर धाम में दिन भर उमड़ती रही बाबा के भक्तों की भीड़

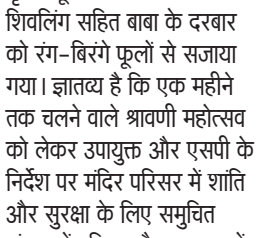

खूंटी : पवित्र सावन महीने में क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में जलाभिषेक के लिए दूर दराज क्षेत्रों से भक्तों का पहुंचना लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को अवकाश के दिन अहले सुबह से ही बाबा आम्रेश्वर धाम में जलार्पण के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। रविवार को पूरे दिन यहां जलार्पण और पूजा-अर्चना करनेवाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पूरे दिन यहां हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक किया। वहीं देर शाम बाबा आम्रेश्वर धाम के पवित्र स्वयंभू शिवलिंग का श्रृंगार पूजन विधिवत संपन्न हुआ। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति द्वारा आयोजित परंपरागत श्रृंगार पूजन कार्यक्रम में प्रबंध समिति के लोग शामिल हुए। विधि विधान से संपन्न श्रृंगार पूजन के दौरान पवित्र शिवलिंग सहित बाबा के दरबार को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया। ज्ञातव्य है कि एक महीने तक चलने वाले श्रावणी महोत्सव को लेकर उपायुक्त और एसपी के निर्देश पर मंदिर परिसर में शांति और सुरक्षा के लिए समुचित संख्या में पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

डीसी के निर्देश के आलोक में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ छतरपुर में हुई छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- अवैध रूप से चिप्स पत्थर ले जा रहे चार हाइवा जब्त
- अवैध कारोबारियों के खिलाफ दर्ज होगी प्राथमिकी
- थाना प्रभारी एवं खान निरीक्षक के नेतृत्व में हुई छापेमारी

मेदिनीनगर (पलामू) : अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण के रोकथाम को लेकर उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश के आलोक में छतरपुर में शनिवार की रात्रि 8:00 बजे थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद,खान निरीक्षक हरेंद्र गुप्ता एवं शुभम कुमार के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया।छापेमारी अभियान के दौरान अवैध रूप से चिप्स पत्थर ले जा रहे चार हाइवा को जप्त किया गया एवं अवैध कारोबार में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई आरंभ कर दी गयी।

क्या है मामला

उपायुक्त शशि रंजन के द्वारा पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन,परिवहन एवं भंडारण नहीं हो जिसको लेकर छतरपुर में थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद एवं खान निरीक्षक हरेंद्र गुप्ता एवं शुभम कुमार के नेतृत्व में शनिवार को रात्रि 8:00 बजे छापेमारी अभियान चलाया गया,छापेमारी अभियान के दौरान छतरपुर मैं चार हाइवा को चिप्स एवं पत्थर ले जाते पाया गया। इसके बाद थाना प्रभारी एवं खान निरीक्षक के द्वारा चालक से कागजात की मांग की गई परंतु चालक द्वारा किसी भी प्रकार की कागजात उपलब्ध नहीं कराया गया जिसके बाद चिप्स पत्थर समेत हाइवा को जप्त कर लिया गया एवं जांचोंपरांत वाहन चालक वाहन मालिक एवं संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करने को लेकर कार्रवाई आरंभ की गई।

एकता अधिकार के माध्यम से ओबीसी का हक व न्याय लेकर रहेंगे : ब्रह्मदेव प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पिछड़ा वर्ग ओ.बी.सी. एकता अधिकार मंच का न्याय रथ यात्रा गढ़वा जिला के कांडी प्रखंड के कांडी पंचायत में ढबरिया में पंचायत सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद उपस्थित थे। जिसमें प्रसाद ने कहा कि एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा के माध्यम से ओ.बी.सी. समाज के लोगों को जागरूक कर हक अधिकार लेने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है। जिसमें लोगों को अपार जन समर्थन प्राप्त हो रहा है मात्र एक पंचायत का जो उपस्थिति है। यह दशार्ता है कि ओबीसी समाज जागरूक हो चुका है और अपना हक अधिकार जनसंख्या के अनुपात में शैक्षणिक क्षेत्र में, राजनैतिक क्षेत्र में, सरकारी नौकरियों में, विभिन्न प्रकार के बहालियों में सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों में बेरोजगार युवा - युवतियों के लिए ओबीसी वित्त आयोग के माध्यम से अनुदान के लिए जमीन जायदादो के विवादों के निपटारा के लिए जाति आधारित जनगणना करा कर जनसंख्या के अनुपात में पंचायत, निकाय विधानसभा, लोकसभा, राज्यसभा में सीटों का आरक्षण ओ.बी.सी. समाज के लिए संवैधानिक अधिकार है जिसे सभी राजनैतिक पार्टियां छलने का काम करती है और हमारा हक अधिकार में कटौती करती जा रही। हम इस आंदोलन माध्यम से सरकार को यह बताना चाहते हैं कि हम पूरे देश में 65% के आबादी निवास करते हैं कोई भी राजनैतिक पार्टी अनदेखा करेगा तो हम उसे उखाड़ फेंकने का काम करेंगे और जो हमारा हक अधिकार देगा उसे सत्ता में बैठाने का कार्य करेंगे चाहे वह राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार हो। यह आगाज पलामू प्रमंडल के धरती से चला है और यह पूरे देश में होते हुए केंद्र की सरकार दिल्ली तक पहुंचाने का कार्य करेगी। मौके पर आनंद विश्वकर्मा , धर्मेंद्र चंद्रवंशी, नारद प्रसाद गुप्ता व अन्य गण्यमान्य उपस्थित थे।

अफीम की खेती के कुछ पैसों के लालच में भावी पीढ़ी को बर्बाद न करें : पीआर पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : तोरपा थाना की पुलिस के सौजन्य से रविवार को तोरपा प्रखंड के ग्राम सुंदारी के उरलुटोली, नंदा टोली में ग्रामीणों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले दुष्परिणाम, डायन बिसाही कुप्रथा ,नशे के दुष्परिणाम और सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित विषयों पर जागरूक किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय ने कहा कि अफीम की खेती की खेती है। इसके लिए कानून में कड़े दंड का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अफीम की खेती से कुछ पैसों के लालच में भावी पीढ़ी को आप बर्बाद न करें। डायन बिसाही की चर्चा करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि यह पूरी तरह अंधविश्वास है। उन्होंने कहा कि किसी महिला को डायन कहने या प्रताड़ित करने पर कड़ी सजा मिल सकती है। उन्होंने लोगों का आहवान किया कि बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन न चलायें और यातायात नियमों का पालन करें। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे नशापान का हर हाल में त्याग करें। नशाापान से किसी का भला नहीं हो सकता।

हर घर तिरंगा अभियान को ले कर भाजपा ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : रविवार को भाजपा जिला कार्यालय पलामू में हर घर तिरंगा आभियान एवं आगामी कार्यक्रम को ले कर भाजपा पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री ज्योति पांडे ने किया। बैठक में तय किया गया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत 11 से 14 अगस्त तक सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराएंगे विधानसभा स्तर पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाला जाएगा। स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए 12 से 14 अगस्त तक महापुरुषों की प्रतिमाओं और स्मारकों के आसपास स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल सफाई को बढ़ावा देना है, बल्कि हमारे महान नेताओं के प्रति सम्मान प्रकट करना भी है। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें विभाजन के समय की त्रासदी और लाखों लोगों की शहादत को याद किया जाएगा। इस मौके पर संगोष्ठी और सम्मेलन आयोजित कर, विभाजन के काले अध्याय को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि जल्द ही भाजपा महिला मोर्चा की ओर से राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोश पदर्शन निकालकर समाहरणालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा की राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार आने के बाद महिलाओं और युवाओं को किए गए वादों पर तो खरा नहीं उतरी। उसके उलट महिलाओं पर अत्याचार हुआ। महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के सबसे अधिक मामले इस राज्य में अभी तक दर्ज किए गए हैं। इसमें बलात्कार, हत्या सहित अन्य मामले शामिल हैं। भाजपा की युवा इकाई भारतीय जनता युवा मोर्चा भी युवाओं की समस्याओं को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन करने जा रहा है। 23 अगस्त को रांची में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान भाजपा के प्रमुख नेता रहेंगे उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की नहीं घुसपैठियों की सरकार चल रही है राज में आम जनता परेशान है कानून व्यवस्था ध्वस्त है हेमंत सरकार ने राज्य के युवाओं किसानों को ठगा बहन बेटियों की इज्जत लुटवाई जल जंगल जमीन को लूट और लुटवाया ऐसी सरकार को राज्यहित में एक क्षण भी बने रहने का अधिकार नहीं है झारखंड के युवा शक्ति राज्य को लुटेरे भ्रष्टाचार्यों से बचने के लिए नए उलगुलान करने के लिए तैयार है। बैठक का धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री विजय ठाकुर ने किया। इस बैठक में मुख्य रूप से अरविंद सिंह, अभिमन्यु तिवारी, अरविंद गुप्ता, मधुलता रानी, सुनील पासवान, सोमेश सिंह, चंद्रमा कुमारी, रेणु देवी, ओमप्रकाश प्रसाद, कल्याणी पांडे, सीटू गुप्ता, रामेश्वर राम, अजीत सिंह, आले हसन गुप्ता, धर्मेंद्र उपाध्याय, श्वेता गर्ग, शिवकुमार मिश्र, प्रेमजीत कुमार सिंह, आशीष भारद्वाज, नंदलाल प्रसाद, राकेश कुमार पांडे, मनोरंजन गुप्ता, चंद्रशेखर गुप्ता, मधुसूदन पाठक, जवाहर चंद्रवंशी, विजय शर्मा, सिकंदर चौधरी, संजय मेहता, संजय सिंह, रोहित शर्मा, शिव मिश्रा, अनिमेष सिंह, सौरभ पांडे, गुड्डू बर्मन, दीपक सिंह, अंकित सिंह एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्पाद विभाग की छापेमारी में 14000 किलो ग्राम जावा महुआ व 520 लीटर चुलाई शराब जब्त

मेदिनीनगर (पलामू) : उपायुक्त के निर्देश पर रविवार को सशस्त्र बल तथा पथरा पिकेट के सहयोग से हरिहरगंज थाना अंतर्गत भाँवर और मंगरदहा ग्राम में संचालित अवैध शराब निर्माण स्थलों पर छापामारी की गयी। छापामारी के क्रम में संचालित अवैध चुलाई शराब भट्टी, जावा महुआ, उपकरण को विनष्ट किया गया। अवैध शराब बनाने के आरोप मे संलिप्त अवैध चुलाई शराब कारोबारियों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापामारी दल में अवर निरीक्षक उत्पाद हुसैनाबाद,अमित कुमार सिंह, पथरा पिकेट प्रभारी,सशस्त्र गृह रक्षक बल शामिल थे।

कार्यकर्ताओं और माटी की पार्टी है झामुमो : राजेंद्र सिन्हा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सतबरवा (पलामू) : सतबरवा के बलवंत सिंह नामधारी कॉलेज में झामुमो के सतबरवा कमिटी ने कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया। झामुमो विधानसभा चुनाव की तैयारी में जोर शोर से लगी है, सभी प्रखंडों में कार्यकर्ता सम्मलेन आयोजित किए जा रहे हैं। पलामू में झामुमो के प्रति लोगों के प्रति बढ़ते रुझान बढ़ा है जिससे झामुमो काफी मजबूत हुई है। झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा के नेतृत्व में पलामू में कार्यकर्ता सम्मेलन में लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। सतबरवा प्रखंड में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष श्रवण गुप्ता ने की और इस कार्यक्रम का संचालन प्रखंड उपाध्यक्ष मेघनाद प्रसाद ने किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता विनय सिंह, भाजपा नेता विकास गुप्ता और विनोद गुप्ता अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए जिन्हें सिन्हा ने पार्टी का अंगवस्त्र और माला पहना कर झामुमो परिवार में शामिल किया। झामुमो अध्यक्ष और कार्यकर्ता सम्मेलन के मुख्य अतिथि राजेंद्र प्रसाद सिन्हा का झामुमो कार्यकर्ताओं ने भव्य तरीके से सैकड़ों मोटरसाइकिल के साथ स्वागत कर कार्यक्रम स्थल तक गए। मुख्य अतिथि राजेंद्र सिन्हा ने स्व सुरेश प्रसाद जी और उर्मिला देवी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप में केंद्रीय समिति सदस्य सुनील तिवारी, सचिव सन्नू सिद्धिकी, युवा मोर्चा अध्यक्ष सन्नी शुक्ला पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष लल्लन चौधरी शामिल हुए। सतबरवा प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने प्रमुखता में मांग किया कि डाल्टनगंज विधानसभा से झामुमो चुनाव लड़े और उम्मीदवार राजेंद्र प्रसाद सिन्हा हों। सिन्हा की लोकप्रियता पलामू में तेजी से बढ़ी है, उनके कार्य करने के शैली और मदद के लिए चौबीस घंटे तत्पर रहने के सौभाग्य ने उन्हें लोकप्रिय बनाया है। मुख्य अतिथि सिन्हा ने कार्यकर्ताओं को झामुमो की सभी योजनाओं से अवगत कराते हुए कहा हेमन्त सोरेन जी ने मईया योजना की सौगात माताओं और बहनों को दी हैं, सबों से आग्रह है कि इसका लाभ लें। 200 यूनिट फ्री योजना भी हेमंत सोरेन जी ने दिया है। भाजपा ने तो सतबरवा पिछड़ने पर मजबूर किया है, इनके विधायक सांसद हैं लेकिन वो लोग अपना पांच काम भी नहीं बता पा रहे हैं। झामुमो कार्यकर्ताओं और माटी की पार्टी है, आप सभी कार्यकर्ता सभी पंचायत के एक एक घर में जाए और सबों को झामुमो सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताएं और लाभ दिलाएं सबको। ईमानदारी पूर्वक कार्य करते हुए पार्टी को मजबूत करें, झामुमो डाल्टनगंज सहित पलामू के अन्य सीटों पर भी चुनाव लड़ेगी। पार्टी में शामिल होने वाले नेता विनय सिंह और अन्य ने कहा झारखंड का विकास सिर्फ झामुमो से हु संभव है, हेमंत सोरेन जी ने झारखंड का मान सम्मान बढ़ाया है। गरीबों के हक के लिए कार्य किया है। इस कार्यक्रम में झामुमो मोर्चा के कोषाध्यक्ष देवानंद भारद्वाज, संगठन सचिव अरविंद चौधरी, प्रखंड उपाध्यक्ष जमिल अहमद खान, मुस्ताक खान, करीम अंसारी, निवास चौधरी, बिहारी मेहता, मो फैजल, मो निजाम, अनिल राम, अजय राम, राम बाबू, राम अवतार सिंह, अनिल सिंह, सोल्जर सिंह, अजीत यादव, अरविंद भुइया गोविंद कुमार समेत सैकड़ों झामुमो के कार्यकर्ता शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

टास्क फोर्स की कार्रवाई, अवैध रूप से संचालित तीन क्रशर सील

पांकी (पलामू) : जिले में अवैध खनन,परिवहन व भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में शनिवार रात्रि में पांकी के ताल गांव में अवैध रूप से संचालित हो रहे तीन क्रशर को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई पांकी अंचलाधिकारी के नेतृत्व में थाना प्रभारी के सहयोग से की गयी। यह कार्रवाई अंचलाधिकारी को मिले गुप्त सूचना के आधार पर की गयी, सूचना मिलने के पश्चात जब सीओ जांच के लिये ताल गांव पहुंचे तो पाया कि तीनों क्रशर पूर्ण रूप से अवैध रूप से संचालित की जा रही है। अवैध क्रशर का संचालन करने के आरोप में डोमन यादव, योगेंद्र यादव एवं कमलेश यादव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। ज्ञातव्य है कि इसके पूर्व भी उपरोक्त क्रशर को सील किया गया था बावजूद अवैध रूप से दोबारा संचालन किया जा रहा था।

हरिहरगंज और पिपरा में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड समिति का हुआ पुनर्गठन

हरिहरगंज (पलामू) : हरिहरगंज और निकटवर्ती पिपरा प्रखंड के विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के प्रखंड समिती का संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला प्रवेक्षक के रूप में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री दामोदर मिश्र, सह मंत्री पप्पू सिंह, बजरंग दल के जिला संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता, धर्म प्रसार प्रमुख विनय कुमार शौंडिक और बजरंग दल जिला सह संयोजक सोनू सिंह उपस्थित थे। हरिहर गंज प्रखंड समिती में विहिप अध्यक्ष राजेश सौंदिक, मंत्री रिशु गुप्ता, बजरंग दल संयोजक दीपक कुमार सोनी, सह संयोजक मनोज कुमार सोनी और संतोष कुमार, सुरक्षा प्रमुख पियूष सिंह, सह प्रमुख गोलू सौंडिक, प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश बर्मा, गौ रक्षा प्रमुख लव सिंह, सह प्रमुख नव्य कुमार, साप्ताहिक मिलन प्रमुख सौरभ पाठक, विद्यार्थी प्रमुख पंकज पासवान, सह प्रमुख छोटू कुमार, बालोपासना बिट्टू कुमार, विकाश गुप्ता और पवन कुमार को मनोनीत किया गया। संरक्षक रवि जायसवाल, जे पी गुप्ता, दिलीप स्वर्णकार, अजय स्वर्णकार, चंदन प्रजापति, विक्की पटेल इत्यादि को मनोनीत किया गया। छतरपुर से विहिप संरक्षक रितेश चंद्रा, समरसता प्रमुख टोन वर्मा, बजरंगी सोनू गुप्ता, शशि कांत आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

क्रीमी लेयर का मामला सामने आने के बाद अनुसूचित जाति और जनजातियों का विरोध शुरू

मेदिनीनगर (पलामू) : अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर का मामला सामने आने के बाद से विरोध शुरू हो गया है। पलामू में रविवार को अनुसूचित जाति के अलग-अलग संगठनों की बैठक हुई। इस दौरान सभी संगठनों ने एकजुट होकर 21 अगस्त को भारत बंद का एलान किया। दरअसल, झारखंड में चौकीदार बहाली में अनुसूचित जाति के आरक्षण को शून्य कर दिया गया। चौकीदार के बहाली में आरक्षण शून्य किए जाने के बाद से इस मामले ने तूल पकड़ लिया। पलामू इलाके में अनुसूचित जाति के सभी संगठन एकजुट हुए और एक नए संगठन का गठन किया। इस संगठन का नाम अनुसूचित जाति आरक्षण बचाओ संघर्ष समितिर दिया गया। इसी संगठन ने 21 अगस्त को भारत बंद का एलान किया है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष संदीप पासवान ने बताया कि अनुसूचित जाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सभी संगठन एकजुट हुए हैं और इसके विरोध में 21 अगस्त को भारत बंद का एलान किया है। पूरे देश में अलग-अलग जिलों में एक साथ बैठक हो रही है और इस बंद का समर्थन अनुसूचित जनजाति भी कर रही है। संदीप पासवान ने बताया कि पिछली बार की तरह ही इस बार बंद का आह्वान किया गया है, जो ऐतिहासिक होगा। बता दें कि पलामू में हुई बैठक में विभिन्न संगठनों के सदस्य शामिल हुए थे। इस दौरान सभी ने सर्वसम्मति से 21 अगस्त को भारत बंद करने पर सहमति जताई। बैठक के संयोजक आरडी राम रहे एवं अध्यक्षता संदीप कुमार पासवान ने की। जबकि बैठक का संचालन अशोक पासवान ने किया।

भाई-बहन को लूटने वाला अपराधी दो महीने बाद गिरफ्तार

पलामू : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के विस्फुटा पुल चौक के पास बाइक सवार भाई-बहन को लूटने वाले लुटेरे मोहम्मद इरफान उर्फ सोनू (25) को रविवार को गिरफ्तार किया गया। दो महीने बाद आरोपित की गिरफ्तारी हुई। उसके पास से लूट गया मोबाइल फोन बरामद हुआ है, लेकिन मोटरसाइकिल का अता-पता नहीं चल पाया है। मोहम्मद इरफान ने 5 जून की रात 10.45 बजे अपने तीन अन्य साथियों रिशु पांडेय (22), शशि रंजन उर्फ पंचम (19) और अखिलेश भुइयां (19) के साथ उपरोक्त लूट कांड को अंजाम दिया था। चारों अपराधी लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के गोपालगंज गांव के रहने वाले हैं। पांच जून की रात बिसफुट्टा चौक के पास पाटन थाना क्षेत्र के सिक्की कला निवासी आकाश कुमार सिंह और उसकी बहन से लूटपाट की गई थी। इरफान को लेसलीगंज के इलाके से ही शहर थाना पुलिस ने पकड़ा। लुटेरों ने बंदूक के दम पर अपाची मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और चांदी के जेवर लूटे थे। आकाश सिंह अपने पड़ोसी की मोटरसाइकिल से था। बहन को लेकर गढ़वा से अपने घर सिक्की कला जा रहा था। पूछताछ में मोहम्मद इरफान ने पुलिस को बताया कि घटना वाली रात दो बाईक पर सवार होकर चारों दोस्त बिसफुट्टा से चेड़ाबार जाने वाली सड़क से जा रहे थे। तभी एक बाइक आते हुए दिखा। बाइक को ओवरटेक कर बंदूक दिखा कर मोटरसाइकिल व अन्य सामान लूट लिए। इरफान के तीनों साथी 26 जून से जेल में हैं। सतबरवा थाना पुलिस ने आर्म्स के साथ इन्हें पकड़ा था। बाइक को बरामद करने के लिए जेल में बंद आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

विधायक नवीन जायसवाल ने रक्षाबंधन की दी बधाई

रांची : गोखुलधाम कॉलोनी कमड़े रातु रोड रांची के मुहल्लावासी आज हटिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक नवीन जायसवाल जी से उनके अरगोड़ा स्थित आवासीय कार्यालय में मिलकर उन्हें रक्षाबंधन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही गोकुलधाम कॉलोनी कमड़े मे सत्यनारायण प्रसाद के मकान से राजकिशोर राणा के मकान तक रोड एवं नाली बनवाने के लिए आवेदन दिया। मौके पर विधायक नवीन जायसवाल ने रोड एवं नाली बनवा देने के लिए आश्वासन दिए।इसके पुर्व आई.टी.एवं कंप्यूटर के विशेषज्ञ मनोज कुमार को कंप्यूटर के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए विधायक नवीन जायसवाल ने अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर छात्र क्लब पर्यावरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, संरक्षक पूनम जायसवाल सहित मुहल्ले के राजकिशोर राणा, रूपक मिश्रा, सुबोध कुमार शर्मा, अर्जुन राम, सौरभ कुमार, सुमित गुप्ता, सुरज उरांव, प्रमिला कुमारी, दीपक शर्मा, राजकिशोर महतो, अनुप कुमार यादव, जय किशोर पटेल,शेखर सिन्हा आदि मौजूद थे।

एक नजर

सांप काटने से युवक हुआ मूर्छित

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के सकरीगली निवासी युवक अरुणजय कुमार उम्र 39 वर्ष पिता स्व. रामजी प्रसाद को जहरीले सांप ने काट कर मूर्छित कर दिया जिसके बाद युवक को अन्य लोगों की मदद से बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. तबरेज आलम ने फौरन युवक का इलाज किया। इसको लेकर युवक ने बताया कि वो सकरीगली में भाड़े के मकान पर रहता है जहां वो अपने घर के बाहर टहल रहा था इसी दौरान एक सांप ने उछलकर उसे काट लिया जिससे वो मूर्छित होकर जमीन पर गिर पड़ा। फिलहाल मूर्छित हुए युवक का सदर अस्पताल में इलाज जारी है।

जामिनीटांड़ में माल लदा ट्रक पलटा कोई हताहत नहीं

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत जामीनीटांड़ के समीप गोला मुरी मुख्य पथ पर चिप्स और सेवई लदा ट्रक जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच10सीयू/3276 अनियंत्रित होकर पलट गया। परंतु किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ट्रक के ड्राइवर और खलासी को हल्की-फुल्की चोटे लगी है। जानकारी के अनुसार ट्रक पटना से बनता माल लेकर जा रहा था।

ठनका गिरने से एक युवक घायल

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के लोसेरा निवासी शिबू मांझी उम्र 25 वर्ष ठनका के चपेट में आने से घायल हो गए जिसका इलाज सिंगपुर नर्सिंग होम में किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शिबू मांझी के पिता नंदलाल मांझी ने बताया कि सुबह हमलोग अपने खेत में काम कर रहे थे तभी बारिश शुरू हो गई बारिश से बचने के लिए छाता खोले अचानक ठनका छाता के उपर गिरा जिससे मेरा बेटा शिबू मांझी को सिर, बाये पैर एवं छाती में चोट आई है आनन फानन में सिंगपुर नर्सिंग होम लाये जहां डॉक्टर रमनेश प्रसाद के द्वारा ईलाज किया जा रहा है।

ग्रिल तोड़ ज्वेलरी दुकान से लाखों की चोरी

बोकारो : पुलिस लाइन व आईटीआई मोड़ के बीच एनएच में तेलीडीह मोड़ के पास स्थित श्री गोल्ड जवेलरी दुकान से शनिवार रात चोरों ने दुकान की ग्रिल तोड़ लाखों रुपये के गहनों पर हाथ साफ कर लिया।

पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। जिसके आधार पर पुलिस चोरों को शिनाख्त करने में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात दुकानदार अपनी दुकान बंद कर घर चला गया। चोरों ने खराब मौसम का फायदा उठाते हुए दुकान का ग्रील तोड़कर लाखों रुपयों के ज्वेलरी लेकर चलते बने लेकिन चोर लॉकर को तोड़ नहीं पाए जिससे उसके अंदर का सामान बच गया। चोरी किये गए सामानों का अभी मिलान नहीं किया जा सका है। दुकानदार के मुताबिक ढाई से तीन किलो चांदी की चोरी हुई है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

चुनावी योजनाओं से जनता को फिर छल रही सरकार : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची/पाकुड़ : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि पाकुड़ में राजनीतिक परिवर्तन जरूरी है। इस परिवर्तन के वाहक बनेंगे पाकुड़ के युवा। 50 साल में जो विकास नहीं हुआ वो हम पांच साल में करके दिखाएंगे। पाकुड़ ने जिन्हें लंबे समय तक चुना वही यहां की जनता की सुविधा और सम्मान को दांव पर लगाते रहे। एक बार फिर सरकार चुनावी योजनाओं से जनता को छलने का प्रयास कर रही है। सरकार की नीति एवं नियत दोनों संदेह के घेरे में है। झारखंड और झारखंडियों के अस्मिता को धूमिल किया है। वर्तमान सरकार ने जनमत का अनादर किया। सुदेश कुमार महतो ने यह बातें पाकुड़ स्थित हरिणडांगा हाई स्कूल मैदान में रविवार को आयोजित मिलन समारोह में कही। इस दौरान समाजसेवी अजहर इस्लाम समेत कई जनप्रतिनिधियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि सरकार में नम्बर दो की हैसियत वाले मंत्री दो नम्बरी बन गए। उनके यहां काम करने वालों के यहां से करोड़ों रुपये मिले हैं। भला यह कैसी व्यवस्था है? यह लोग जनता के हक को छीनकर अपनी विरासत बनाने में लगे हैं। जनता योजनाओं का लाभ लेने के लिए लाइन में खड़ी परेशान है। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार, अपराध, बेरोजगारी और अराजकता से जनता त्रस्त है। सत्ता पर बैठे लोगों ने जनता के विश्वास को तोड़ा है। जनता के साथ और विश्वास को एकत्रित कर वर्तमान राजनीतिक हालात को बदलने के लिए तैयार रहें कार्यकर्ता। विकास का वादा कर सत्ता में आई इस सरकार ने राज्य को विकास से कोसों दूर कर दिया है। सरकार ने झारखंड का बहुत नुकसान किया है, इन्हें इसका जवाब देना होगा। पार्टी में शामिल हुए अजहर इस्लाम का स्वागत करते हुए सुदेश ने कहा कि पाकुड़ के युवा अजहर के साथ हैं। युवा शक्ति ही पाकुड़ को विकास के उजियारे की ओर ले जा सकती है। अजहर लोगों के बीच रहकर उनके दुःख सुख के साथी रहे हैं। उनके आने से पार्टी को मजबूती और पाकुड़ को नई उम्मीद मिलेगी। अजहर इस्लाम ने कहा कि आजसू ने हमेशा विकास को महत्व दिया है। तुष्टिकरण की राजनीति की जगह गरीबों, वंचितों और शोषितों के हक और अधिकार की लड़ाई आजसू ने लड़ी। हर मुद्दे पर राज्य के युवाओं की आवाज बने हैं सुदेश महतो। झारखंड के विकास को लेकर उनके स्पष्ट विजन से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हो रहा हूं।

फायरिंग मामले में वाहन स्वामी सहित दो को भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जिले के उलीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत आजाद बस्ती, मुस्लिम कब्रिस्तान रोड नंबर 14 में फायरिंग मामले का खुलासा हुआ है। शिकायत कर्ता के खुद की ही गाड़ी पर गोली चलाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मामले में संलिप्त दोनों आरोपितों को गिरफ़्तार कर लिया है। इनके पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक देसी पिस्टल, दो जिन्दा कारतूस एवं घटना में प्रयुक्त कार को जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जमशेदपुर नगर पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने रविवार को बताया कि शिकायत कर्ता मोहम्मद भादाब ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की सूचना दर्ज करवाई थी। पुलिस ने अनुसन्धान में पाया कि मोहम्मद भादाब जमीन खरीद-बिक्री का काम किया करता था और उसने कई लोगों से जमीन दिलवाने के नाम पर पैसे लिए हुए थे। जब लोगों ने उसपर पैसे वापस करने का दबाव बनाया तो मोहम्मद भादाब ने साथी अली हुसैन अंसारी से अवैध देसी पिस्टल लेकर खुद की ही गाड़ी में फायरिंग कर ली।

बजरंगबली की मूर्ति चोरी करने वाले 5 आरोपी हुए गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सोतीचौकी खुटहरी के ठाकुरबाड़ी मंदिर से शनिवार की सुबह अष्टधातु से बनी बजरंगबली की मूर्ति की चोरी कर भाग रहे 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जहां इस मामले को लेकर सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस वार्ता करते हुए इस बात की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से अष्टधातु से बनी बजरंगबली की मूर्ति को भी बरामद कर लिया गया है। वही गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से 2 बाईक को भी जब्त किया गया है। जहां गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों की पहचान समर अली , सौरभ कुमार सोनू, बल्ली कुमार मंडल उर्फ बल्ली, भूपेंद्र ठाकुर उर्फ भूप नारायण ठाकुर एवँ रणवीर ठाकुर के रुप में हुई है जहाँ सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इस प्रेसकांफ्रेन्स के मौके पर नगर पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय सहित अन्य पुलिस जवान मौजूद थे।

खुदीराम बोस चौक पर मनाया गया अमर खुदीराम बोस का 117वां शहादत दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला जिला के चांडिल गोल चक्कर स्थित खुदीराम बोस चौक में शहीद खुदीराम बोस स्मारक समिति के बैनर तले देश के अमर शहीद खुदीराम बोस का 117 वा शहादत दिवस के अवसर पर माल्यार्पण तथा सांस्कृतिक सभा का आयोजन हुआ। सबसे पहले शहीद खुदीराम बोस की तस्वीर पर स्मारक समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा जी ने माल्यार्पण किया, फिर स्मारक समिति के सचिव आशु देव महतो, रूदिया पंचायत के मुखिया सुबोधनी माहली, समाज सेवी नील रत्न खा, ने तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। उसके बाद बारी-बारी से शहीद खुदीराम बोस स्मारक समिति के सदस्य बारी बारी से पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम मे सभा को संबोधित करते हुए शहीद खुदीराम बोस स्मारक समिति के संरक्षक ज्योति लाल महाली ने कहा आज खुदीराम बोस के विचारों को गांव शहर में सभी छात्र नौजवानों के बीच पहुंचाना जरूरी है। खुदीराम जैसे महान मनीषी जो मात्र 17 साल के उम्र में अंग्रेजों ने फांसी दिया। हमारे देश के वीर शहीद सभी महापुरुष चाहते थे की आजाद भारत में शोषण जुल्म न हो शिक्षा स्वस्थ सभी को मुफ्त में मिले, यही हम देख रहे हैं की देश के आजाद सिपाहियो का सपना आज भी अधूरा है। साथ ही 5 साल पहले खुदीराम बोस के शहादत दिवस 11 अगस्त 2019 को खुदीराम बोस चौक पर स्मारक समिति की ओर से प्रशासन व अनुमंडल पदाधिकारी से अनुमति लेकर मूर्ति स्थापना व उदघाटन किया गया था।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर लोगों में भारी उत्साह : बाल्मिकी कुमार

लोहरदगा (हि.स.): भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा लोहरदगा जिला में रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा को ललित नारायण स्टेडियम लोहरदगा से भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उरांव ने हरी झंडी दिखाकर आरम्भ करवाया। इसके उपरान्त यह बरवाटोली, मिशन चौक, गुदरी बाजार, अपर बाजार, बड़ा तालाब, पॉवरगंज, मैना बगीचा, नदिया, जुरिया होते हुए सोबरन टोली में कार्तिक उरांव की प्रतिमा के समक्ष सभा में परिवर्तित हो कर समाप्त हुई। इस यात्रा को सम्बोधित करते हुए भाजयुमो जिला अध्यक्ष बाल्मिकी कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। यह तिरंगा यात्रा घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा

अभियान की ही एक कड़ी है। यह रैली केवल रैली मात्र नहीं है अपितु यह हमें इस बात का स्मरण करवाती है कि इसी तिरंगे के लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और एक समय ऐसा था कि तिरंगा लहराने का अर्थ अपने प्राणों को गंवाना हुआ करता था। इसके बाद एक दिन यह भी आया कि इसी तिरंगे के नीचे पूरा भारतवर्ष एकत्रित होकर अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंकने का कार्य किया।

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष ने गोशाला का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जुगसलाई गोशाला में बीते दिनों तीन गायों की मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है। मरने वाली गायों में एक-दो गर्भवती भी थी। इसकी जानकारी गो-सेवा आयोग को मिली। इसके बाद रविवार को आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन व उपाध्यक्ष राजू गिरि ने गोशाला परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों ने गायों के रखने के लिए बने शेड, भवन निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे, वहां बने भवनों का इस्तेमाल समेत कई जगहों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान कई खामियां पायी गईं. आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि जुगसलाई स्थित टाटानगर गोशाला का संचालन नियम विरूद्ध किया जा रहा है। गो माता की सेवा की बजाय वहां रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोशाला प्रबंधन की ओर से घटना की जानकारी आयोग को नहीं दी गई। किसी माध्यम से सूचना मिलने पर आयोग के उपाध्यक्ष ने घटना के बाद मौके का मुआयना किया। वहां की वस्तुस्थिति को देखते हुए केवल मलवा हटाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन प्रबंधन की ओर से मलवा के साथ-साथ भवन निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे का कुछ हिस्सा भरकर बैरिकेडिंग कर दिया गया। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन नियमावली में किसी तरह का निर्माण कार्य अथवा परिवर्तन आयोग अथवा सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना नहीं कराया जा सकता है, लेकिन यहां नियमों की अनदेखी कर भवन निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया। इसके लिए ठेकेदार भी बराबर का दोषी है। गोशाला प्रबंधन एवं ठेकेदार के बीच हुए एग्रीमेंट की कॉपी मांगी गई है। साथ ही नोटिस भेजकर सात दिनों में जवाब देने के लिए कहा गया है। नियम संगत जवाब नहीं मिलने पर गो हत्या निषेध कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आयोग ने प्रबंधन का स्वागत सत्कार नकारा

रविवार को गौ सेवा आयोग की टीम जब टाटानगर गौशाला पहुंची तो वहां गौशाला प्रबंधन समिति के कई लोग मौजूद थे। इस दौरान प्रबंधन के लोगों ने आयोग के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का स्वागत-सत्कार करना चाहा। लेकिन आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन ने साफ इंकार कर दिया। पुछताछ करने पर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर प्रबंधन को फटकार भी लगायी। कहा कि इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी आयोग को अंधेरे में रखा गया। उन्होंने गायों के रख रखाव व व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया। प्रबंधन से पुछताछ के दौरान आयोग के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष वीआईपी कुर्सी की वजाय प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठे।

तीन गायों की हो गई थी मौत

ज्ञातव्य हो कि 6 अगस्त को गौशाला के बगल निमार्णाधीन मार्केट कंपलेक्स के लिए खोदे गड्ढे की वजह गायों के रहने के लिए बना सेड गिर गया। जिसके कारण उसमें दबकर तीन गायों की मौत हो गई और कुछ गाय घायल हो गई। इस सम्बंध में गौशाला प्रबंधन के सचिव ने कहा था कि लगातार बारिश होने की वजह से ऐसी घटना घटी है, जिसके विजह से मवेशियों की मौत हुई है।

आयोग के दिशा-निर्देश का होगा पालन

टाटानगर गौशाला के अध्यक्ष कैलाश सरायवाला ने बताया कि आयोग के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के साथ प्रबंधन की वार्ता हुई। जिसमें आयोग ने कई कमियों की ओर ध्यान आकृष्ठ कराया। घटना प्राकृतिक है।

संक्षिप्त खबरें

दुष्कर्म के आरोपी के घर पर चिपकाया इश्तेहार

तालझारी : थाना क्षेत्र अंतर्गत दुष्कर्म का आरोपी छोटी भगिमारी गांव निवासी फरार युवक गुड्डू चौधरी के घर पर रविवार को तालझारी थाना के पुलिस एस आई कन्हैया प्रसाद साह ने इश्तेहार चिपका कर कोर्ट में अविलम्ब हाजिर होने का फरमान जारी किया है। छोटी भगिमारी गांव निवासी जगरनाथ चौधरी के पुत्र गुड्डू चौधरी के ऊपर एक महिला के साथ बलात्कार करने का आरोप है। इस संबंध में तालझारी थाना में पीड़िता के आवेदन पर कांड संख्या 101/23 धारा 376/ 504/506 आईपीसी 4/5 डीपी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी मामला दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहा है।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ इस्कॉन ने निकाली रैली

साहिबगंज : जिला के बोरियो थाना क्षेत्र में रविवार के दिन पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के खिलाफ हो रहे अत्याचार और जुल्म के खिलाफ इस्कॉन ने रैली निकाल कर विरोध जताया। प्रदर्शन करते हुए इस्कॉन के अनुनायियों ने बांग्लादेश सरकार पर जुल्म को रोकने का आह्वान किया। वहां के मंदिरों, घरों और लोगों के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म कर शांति स्थापित करने का भरोसा मांगा। इस दौरान इस्कॉन के अनुनायी बोरियो बाजार के मैन रोड, थाना रोड, नमस्ते रोड, बंगाली टोला, तेली टोला सहित कई मोहल्लों से रैली निकाल कर घूमते रहे। रैली का नेतृत्व इस्कॉन के चंदन प्रभु कर रहे थे, मौके पर कृष्ण कृपा सिंधु, कृष्ण चंद्र प्रभु , अरबिन्दम प्रभु , नबो किशोर दास , चंद्रबेसरा सहित दर्जनों शामिल थे।

ठेकेदार मनमानी कर डस्ट डालकर कर रहा है करोड़ों की सड़क का निर्माण

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड अंतर्गत ग्राम-डाटापड़ा भाया पथरिया होते हुए अंगूठीया असीला आग्लोय तक सड़क निर्माण कार्य चल रहा है जिसका पैकेज संख्या-जेएच-पी3 22-23 एसएचबी-03-एफआरडी ठेकेदार का नाम- मेसस भगवान स्टोन वर्कर्स बरहरवा, साहिबगंज है लेकिन ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में मनमानी कर रहे हैं जैसे की सड़क में डालने वाले जीएसबी मटेरियल 150 एमएम से कम डाला जा रहा है और घटिया किस्म के बालू और मात्र से काम का सीमेंट मे जोड़ाई कर पुल/पुल निर्माण कर रहा है। निर्माणधीन सड़क से संबंधित अधिकारी भी इस और ध्यान नहीं दे रहा है जबकि ठेकेदार द्वारा एस्टीमेट में जो है उस अनुसार सड़क का निर्माण कार्य नहीं हो रहा है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि ठेकेदार मनमानी तरीके से सड़क निर्माण कर रहे हैं। जबकि सड़क के साइड में मोरम मिट्टी डालना चाहिए लेकिन खेत से मिट्टी उठाकर डाला जा रहा है। कहने पर कर्मी कोई जवाब नहीं दे रहा इस तरह से गुणवत्ता विहीन सड़क निर्माण हो रहा है जबकि ठेकेदार अपने मनमानी कर इस तरह का कार्य कर रहे हैं। अब देखने वाली बात होगी कि विभाग इस पर संज्ञान लेता है या इसी तरह ठेकेदार की मनमानी से सड़क निर्माण चलता रहेगा।

मुस्लिम टोला में रास्ते में पानी गिराने के विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, एक घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के महादेवगंज मुस्लिम टोला में रास्ते में पानी गिराने के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई जहां इस मारपीट की घटना में एक शख्स मो. कुद्दूस उम्र 28 वर्ष पिता शेख जब्बार गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर परिजनों की मदद से गंभीर शख्स को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा ने फौरन घायल का इलाज किया। उधर मारपीट मामले को लेकर पीड़ित शख्स ने थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देने की बात कही है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य : उपायुक्त

कोडरमा : पायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि आवेदिका को झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए शिविर में उपस्थित होकर फोटो खिंचवाने एवं आधार वेरिफिकेशन करवाने की कोई आवश्यकता नहीं है। पूर्ण रुप से भरा हुआ आवेदन वे अपने आंगनबाड़ी केन्द्र या पंचायत, हल्का में जमा करा सकती हैं, जिसे प्रखण्ड, अंचल द्वारा ऑनलाइन कराकर उन्हें योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए सिर्फ 04 दस्तावेजों की आवश्यकता है। एक पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, राशन कार्ड की छायाप्रति। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए जिस बहन का राशन कार्ड में नाम नहीं है, उनके लिए उनके पिता, पति का राशन कार्ड मान्य होगा। उपायुक्त ने बताया कि पूर्ण रुप से भरा हुआ आवेदन आँगनबाड़ी केन्द्र, पंचायत सचिवालय, हल्का, अंचल कार्यालय, प्रखण्ड कार्यालय में जमा कराया जा सकता है। जिला में सभी शिविरों तथा प्रखण्ड अंचल व जिला कार्यालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से प्राप्त आवेदनों को युद्ध स्तर पर ऑनलाइन कराने का कार्य किया जा रहा है एवं योजना के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की जा रही है।

850 करोड़ के कैलिफोर्नियम की जांच करने आई टीम

गोपालगंज। पुलिस ने दुनिया के दूसरे सबसे महंगे रेडियोएक्टिव कैलिफोर्नियम को जब्त किया था। इसकी एक ग्राम की कीमत 17 करोड़ रुपए बताई गई थी। पुलिस ने 50 ग्राम कैलिफोर्नियम बरामद किया था। इसकी कीमत 850 करोड़ रुपए बताई जा रही है। कैलिफोर्नियम मिलने के बाद मुंबई से भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की टीम शनिवार देर रात गोपालगंज पहुंची। जिसके बाद टीम में शामिल सदस्यों ने कैलिफोर्नियम की जांच शुरू कर दी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि टीम जल्द ही कैलिफोर्नियम की जांच कर मामले का खुलासा करेगी कि बरामद कैलिफोर्नियम असली है या नकली। शुक्रवार को संदिग्ध कैलिफोर्नियम के साथ गिरफ्तार तस्करों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि रेडियोएक्टिव मटेरियल को यूपी के कुशीनगर से सीवान ले जाया जा रहा था। जहां सीवान जेल में बंद एक अपराधी के माध्यम से इसकी बिक्री की जानी थी। साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पहला आरोपी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर तमकुही राज जिले के परसौनी थाना क्षेत्र के बुजुर्ग गांव का निवासी छोटेलाल प्रसाद है। दूसरा गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 22 थावे रोड कौशल्या चौक का निवासी चंदन गुप्ता है। तीसरा महम्मदपुर थाना क्षेत्र के कुशहर मठिया गांव का रहने वाला चंदन राम है। इस मामले में पुलिस ने कुल चार लोगों को नामजद आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। हालांकि, चौथा आरोपी अभी गिरफ्त में नहीं आया है। पुलिस उसे गिरफ्तारी के लिए गुजरात गई है। पुलिस उसकी लोकेशन भी ट्रेस कर रही है। बताया जा रहा है कि छोटे लाल प्रसाद दो अन्य युवकों के साथ इस रेडियोएक्टिव पदार्थ को बेचने के लिए सीवान जा रहा था। इस दौरान बलथरी चेकपोस्ट पर पुलिस की टीम ने तीनों को दबोच लिया। इस मामले पुलिस खजांची प्रसाद को भी नामजद आरोपी बनाते हुए छानबीन कर रही है। इस मामले में गोपालगंज पुलिस गुजरात पुलिस के अलावा उत्तर प्रदेश की पुलिस के भी संपर्क में है। बताया जाता है छोटेलाल प्रसाद राजमिस्त्री का काम करता है। चंदन गुप्ता के पिता कौशल्या चौके के पास भोजनालय चलाते हैं। चंदन के ऊपर शराब तस्करी का केस पहले से है। जबकि चंदन राम के पिता बैंड में काम करते है। तस्करों का दावा असली है कैलिफोर्नियम तस्करों ने पुलिस को बताया है कि यह पदार्थ कैलिफोर्नियम है। तस्करों के पास से इससे जुड़ा सर्टिफिकेट भी बरामद हुआ था।

जिसे आधार बनाकर पुलिस उसे कैलिफोर्नियम मान कर ही जांच में जुट गई थी। हालांकि IIT मद्रास सेजारी सर्टिफिकेट में जिस प्रोफेसर का नाम है, उनसे पुलिस ने संपर्क किया तो प्रोफेसर ने इसे फेक बताया था। गोपालगंज में दुनिया के दूसरे सबसे महंगे रेडियोएक्टिव कैलिफोर्नियम को जब्त किया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि हमने गूगल सर्च किया तो पता चला कि इसकी एक ग्राम की कीमत 17 करोड़ रुपए है।

संक्षिप्त डायरी

ट्रिपल मर्डर, जमीन विवाद-अनसुलझे रिश्तों में उलझी पुलिस

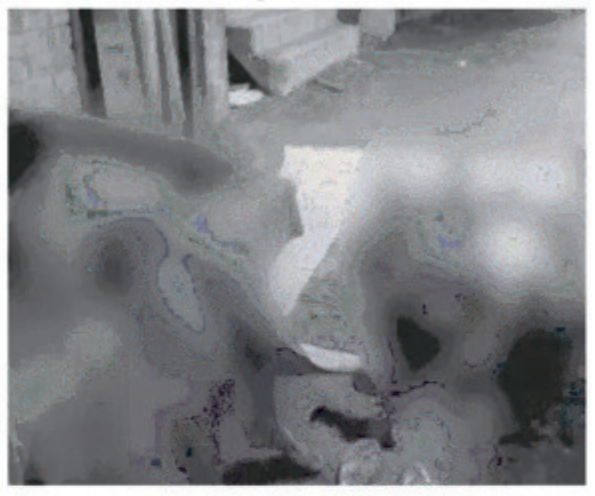

व्यवसाय। ट्रिपल क्रिएटर्स से लोगों को आकर्षित किया जाता है। मछलीघर ने घर में सो रहे एक ही परिवार के चार लोगों का गला काट दिया। यहां पति संजीवन महतो (40), पत्नी संजीता देवी (33) और बेटी शंका कुमारी (10) की मौत हो गई। वहीं 7 साल का बेटा अभी भी जिंदा है और मौत के मुंह में समा रहा है। उसका इलाज पटना के पीएमसीएच में चल रहा है। इस हत्याकांड में मारे गए संजीवन ने दो शादियां की थी। पहली पत्नी के बेटे ने शनिवार को तीनों का अंतिम संस्कार किया। ट्रिपल मर्डर के पीछे की कहानी अब तक साफ नहीं हो पाई है। ना ही पुलिस के हाथ कोई क्लू लगा है। पुलिस जमीन विवाद और परिवार के उलझे रिश्तों में हत्या के कारणों को तलाश रही है। भोला दास ने संजीवन, उसकी पत्नी संजीता और अन्य के खिलाफ बछवाड़ा थाना में केस दर्ज करवाया था, जिसकी जांच चल रही है।' लोगों ने बताया कि भोला दास ने संजीवन के पूरे परिवार को मारने की साजिश रची है। ताकि, कोई लड़ने वाला ही नहीं बचे। इसलिए किसी प्रोफेशनल किलर को हायर किया, जिसने इस घटना को अंजाम दिया। शनिवार सुबह में लाश मिली तो गांव के लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन भोला दास के घर से कोई नहीं पहुंचा। दूसरी वजह- पहली पत्नी के बेटे से दुश्मनी ग्रामीणों ने हत्या की दूसरी वजह पहली पत्नी के बेटे से दुश्मनी बताया गया। संजीवन की शादी करीब 16 साल पहले बेगूसराय के नागदह निवासी संजीता देवी से हुई थी। उस समय संजीवन दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। शादी के 5-6 महीने बाद ही वह पत्नी संजीता को लेकर दिल्ली चला गया, जहां दोनों का एक बेटा अश्विन उर्फ भोलू हुआ। शादी के एक साल के बाद ही संजीवन की पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई। संजीवन ने बहुत खोजा, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद वह अपने बेटे को लेकर गांव आ गया। संजीवन ने पिता और परिवार के बाकी लोगों से बात करने के बाद बेटे के पालन-पोषण के लिए गढ़सिसई गांव की एक लड़की से शादी कर ली। उसने अपनी दूसरी पत्नी का नाम भी संजीता रख दिया। शादी के बाद उसे दो बच्चे हुए सपना कुमारी और अंशु कुमार। इन दोनों बच्चों के जन्म लेते ही सजीवन और उसकी पत्नी पहले बेटे भोलू से दूरी बनाने लगे।

8 साल पहले बना पुल एप्रोच पथ का निर्माण नहीं

बिहार। में ग्रामीण कार्य विभाग के एक और पुल की तस्वीर सामने आयी है। इससे पहले रानीगंज में एक पुल की तस्वीर सामने आई थी, जहां खेत के बीचो-बीच पुल का निर्माण कर दिया गया था। अब जोकिहाट में बिना सड़क और एप्रोच पथ के ही आरसीसी पुल का निर्माण देखा गया है। ग्रामीण पुल पर सीढ़ी लगाकर इस पार से उस पार जाने को विवश है। ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामला जोकहाट प्रखंड क्षेत्र के मजगामा की है। जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत आरसीसी पुल समेत करीब 3 करोड़ 43 लाख रुपए की राशि से परमान नदी पर पुल और सड़क निर्माण करवाया जाना था। लेकिन, बिना एप्रोच पथ और बिना सड़क के ही पुल का निर्माण कर दिया गया। एप्रोच पथ के लिए नहीं हुई निजी जमीन की खरीद बता दें कि इस पुल का निर्माण साल 2016 में ही कर दिया गया था। पुल को 8 साल पहले बना दिया गया, लेकिन एप्रोच पथ के लिए निजी जमीन की खरीद नहीं की जा सकी। इसके कारण एप्रोच नहीं बना है, जिसकी वजह से ग्रामीण परेशान हैं। योजना के कार्य प्रारम्भ की तिथि 12 जनवरी 2015 थी और कार्य पूर्ण करने की तिथि 11 जनवरी 2016 थी। लेकिन, अब-तक इस पुल के दोनों साइड न तो सड़क बन सकी है और ना हीं एप्रोच पथ का निर्माण हो सका है। इस पुल निर्माण की कार्यकारी एजेंसी खुद ग्रामीण कार्य विभाग है। पुल के चालू होने से बड़ी आबादी को होगा फायदा ग्रामीणों ने बताया कि एप्रोच पथ के लिए निजी जमीन की खरीदारी के लिए 2 साल पहले कागजात दिए गए हैं। लेकिन, सभी कागजात अभी तक कार्यालय में ही चक्कर लगा रहे हैं।

पुल बने हुए लगभग 8 साल हो चुके हैं। प्रशासन और विभाग की अनदेखी के कारण यह पुल अभी तक चालू नहीं हो सका है। इस पुल के चालू हो जाने से बड़ी आबादी को फायदा होगा।

पटना में रातभर बारिश के बाद कई इलाके में जलजमाव

बिहार। में मानसून अब पूरी तरह से एक्टिव हो गया है। कई जिलों में पिछले एक हफ्ते से बारिश हो रही है। मोतिहारी, बेतिया, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर समेत कई शहरों में शनिवार से लगातार बारिश हो रही है। पटना में भी देर रात तेज बारिश हुई। रातभर हुई बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया है। राजीव नगर, इंद्रपुरी, एसके पुरी, खेतान मार्केट, राजधानी मार्केट और सिटी के कुछ इलाके में जलजमाव है। घुटने तक पानी भरा है। दीघा ब्रिज के पास भी पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। दूसरी ओर उत्तर बिहार की पांच बड़ी नदियां लाल निशान से ऊपर हैं। इसमें गंडक, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक और परमार शामिल हैं। लगातार बारिश से गंगा भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पटना से लेकर कहलगांव तक गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। वहीं, बेगूसराय में गंगा का पानी सड़क पर आ गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 28 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 4 जिलों में भारी और 24 जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। इसके साथ कुछ शहरों में आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। रविवार सुबह बक्सर और सासाराम में बारिश शुरू हो गई है।

विवाहिता की गला दबाकर हत्या मायके वालों ने कहा- दहेज के लिए बेटी को मार डाला

औरंगाबाद। में गला दबा विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका दधपा निवासी अनुज मेहता उर्फ राहुल कुमार की 27 वर्षीय पत्नी सरिता कुमारी है। मायके वालों को घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने फोन पर दी। जिसके बाद वे लोग पुलिस के साथ बेटी के ससुराल पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि पति राहुल कुमार, ससुर श्रीकांत मेहता, सास बिंदु देवी, ननद नेहा कुमारी, देवर सनोज कुमार दहेज के लिए मारपीट करते थे। शनिवार को बेटी की हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि पति दूसरी लड़की से बात करता था। मना करने पर मारपीट करता था। जिसको लेकर पंचायत स्तर की बैठक भी हुई थी। घटना कुटुंबा थाना क्षेत्र दधपा गांव की है। कुटुंबा थाना अध्यक्ष अक्षयवर सिंह ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतिका के गर्दन पर निशान पाया गया है।

प्रथम दृष्टि में कपड़े से गला घोंटकर हत्या प्रतीत होता है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट रूप से कहा जाएगा। घटना के बाद से ही ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हो गए।

मार्च 2015 में ऋषभ थाना क्षेत्र के दो महान गौरा गांव निवासी रूपनारायण मेहता के बेटी सरिता कुमारी का कुटुंबा थाना क्षेत्र के अध्यापक निवासी अनुज कुमार मेहता उर्फ राहुल के साथ विवाह हुआ था।

दोनों के दांपत्य जीवन से 8 वर्षीय पुत्री अंजली कुमारी और 4 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार है।

13 की उम्र में लापता, 28 में लौटा, फिर गायब

समस्तीपुर। में 15 साल बाद 3 अगस्त को एक युवक अपने घर वापस लौट आया। राम उदेश महतो 13 साल की उम्र में गायब हो गया था, लेकिन 28 की उम्र में वापस आया। राम उदेश को उसकी मां राजकुमारी देवी ने पहचान लिया, लेकिन पिता गणेश महतो और छोटा भाई चंदन उसे पहचान नहीं पाए। वापसी के महज 5 दिनों बाद ही राम उदेश 8 अगस्त को फिर से लापता हो गया। जिसके बाद मां ने इस मामले में अपने छोटे बेटे, पति और दो रिश्तेदार पर शक जताते हुए थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। मां ने कहा, 'संपत्ति बंटवारे के डर से छोटे बेटे और पति ने बड़े बेटे को गायब कर दिया है।' राम उदेश की चाची जानकी देवी ने बताया कि '13 साल की उम्र में वो अचानक गायब हो गया था। उनकी पहचान की सिटी देवी ने उसे बेच दिया था। काफी ढूंढ़ने के बाद भी उसके बारे में कुछ पता नहीं चला था।'पिता और भाई ने जब राम उदेश को अपना मानने से इनकार किया तो मां और ग्रामीण विरोध करने लगे।

हंगामा शुरू हो गया। इसकी सूचना के बाद रोसरा थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा कर हंगामा शांत कराया। पुलिस ने कहा,

सहमति बनने तक राम उदेश अपनी मां के साथ ही रहेगा। इसी बीच 8 अगस्त को राम उदेश फिर से गायब हो गया।

सरकारी स्कूल की हालत जर्जर टूटकर गिर रहे हैं प्लास्टर

औरंगाबाद। जिला के रफीगंज प्रखंड के लट्टा गांव में राजयकीय कृत मध्य विद्यालय लट्टा की स्थिति काफी जर्जर हो गई है। भवन की स्थिति यह है कि कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। लट्टा के ग्रामीण श्याम किशोर शर्मा, वार्ड सदस्य धीरज कुमार उर्फ मोदी सहित अन्य लोगों ने बताया कि 80 के दशक में इस भवन का निर्माण कराया गया था, जो अब बिल्कुल जर्जर स्थिति में है। कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। विद्यालय के पांचवी क्लास के छात्र सलोनी कुमारी, अंशु कुमारी सोनी कुमारी सहित अन्य छात्राओं ने बताया कि बारिश के दिनों में पूरे छत क्लास में पानी चुता है। आए दिन भवन से टूटकर बड़े-बड़े रोड़े गिरते रहते हैं। कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। विद्यालय के सहायक शिक्षिका बिंदु कुमारी ने बताई की विद्यालय में आने जाने वाली सड़क भी खराब है, जिससे बरसात के दिनों में बच्चे गिर भी जाते हैं। प्रभारी प्रधानाध्यापक बवन प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे विद्यालय में 525 विद्यार्थियों का नामांकन है।

12 शिक्षक है। अपने स्तर से इस समस्या को लेकर संबंधित पदाधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। जानकारी दे दें कि 4 नवंबर 2023 को गोह विधानसभा विधायक भीम सिंह यादव ने इस समस्याओं को लेकर विधानसभा के दौरान शिक्षा विभाग पर सवाल खड़े किए थे। क्या बोले जिला शिक्षा पदाधिकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र प्रसाद ने बताया कि हम हाल ही में औरंगाबाद आए हैं। इस समस्या के बारे में मुझे किसी द्वारा अवगत नहीं कराया गया है।

सड़क हादसे में दो दोस्त हुए घायल

बिहिया।-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के धरहरा गांव के समीप शनिवार को अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने बाइक सवार 2 दोस्तों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन ने उन्हें इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद एक की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है जबकि दूसरे का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जख्मियों में बिहिया थाना क्षेत्र के बढ़हल टोला गांव निवासी स्व. मुंद्रिका राम के 45 वर्षीय पुत्र लाला राम और उत्तर प्रदेश के बलिया जिला के बलिया थाना क्षेत्र के विशुनपुरा गांव निवासी ललन पांडेय के 50 वर्षीय पुत्र अजय पांडेय हैं। जख्मी अजय पांडेय डुमरांव बीएमपी में प्राइवेट बावर्ची का काम करते थे।

4 दंपती जाएंगे 15 अगस्त को दिल्ली पीएम मोदी के ध्वजारोहण में होंगे शामिल

मेरी शादी जबरदस्ती कराई गई,तुम मेरे लायक नहीं

जमुई। की शांति देवी और बृहस्पति मांझी सहित चार दंपती को विशेष अतिथि के तौर पर 15 अगस्त 2024 को पीएम मोदी के ध्वजारोहण में शामिल होने का बुलावा आया है। 12 अगस्त को सभी देवघर एयरपोर्ट से हवाई जहाज से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। भास्कर ने दंपती शांति देवी और बृहस्पति मांझी के घर पहुंचकर उनकी तैयारियों का जायजा लिया। शांति देवी एक आंगनबाड़ी सेविका है। अपनी साड़ी धोकर सुखा रही थी। वहीं, पति बृहस्पति मांझी एक थैले में अपने कपड़े रख रहे थे। अब बस उन्हें हवाई जहाज पर बैठना है और दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाना है। खैरा प्रखंड के चंद्रपुरा इलाके के रहने वाले दोनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले पर होने वाले आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेहमान बनेंगे। पति-पत्नी दिल्ली जाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। जमुई का यह महादलित परिवार मोहल्ले से दिल्ली जाने वाला पहला परिवार है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में बिहार के 61 परिवारों में से एक दंपती यह भी है। जो इस बार लाल किला पर होने वाले आयोजन में शामिल होंगे। बृहस्पति मांझी मनरेगा कार्यालय में प्राइवेट चपरासी का काम करता है जिसके बदले हर दिन एक सौ रुपए मजदूरी मिलती है। जबकि पत्नी शांति देवी आंगनबाड़ी में खाना बनाती है।

बिहार। शादी के तीन साल बीत गए पर कभी पति का प्यार नहीं मिला। अब तो वो कहते हैं कि मैं उनके लायक ही नहीं हूं। क्योंकि मैं सुंदर नहीं हूं। तुम बड़े भइया से शादी कर लो। जब मैं इसके लिए तैयार नहीं हुई तो मुझे और मेरे दो साल के बेटे को घर से बाहर निकाल दिया। अब मैं दर-दर की ठोकरें खा रही हूं। यह दर्द है भोजपुर निवासी रजनी कुमारी का। रजनी बताती है कि कोर्ट में दिसंबर 2022 को पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना का केस किया था। इसके बाद पति, सास-ससुर समेत ससुराल के छह लोगों ने बारी बारी से जमानत करा लिया। उसके बाद ससुराल वालों की तरफ से घर में घुसकर समान लेकर चले जाने और धमकी के डर से रजनी ने शनिवार को एसपी के पास न्याय की गुहार लगाया।पति ने मुझे कभी पसंद नहीं कियाः रजनी रजनी कहती है कि नारायणपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के विनोद कुमार सिंह से उसकी शादी 2 मई 2021 को हुई थी। पति सीआईएसएफ में जॉब करते हैं। शादी तो हो गई पर विनोद ने मुझे कभी पसंद नहीं किया। वो हमेशा मुझसे मारपीट किया करते थे। शादी के शुरूआती दिन तो ठीक थे। लेकिन जैसे जैसे समय बीता, जुल्म बढ़ता गया। अक्टूबर 2021 में ससुराल के सभी लोगों ने मिलकर मारपीट की। उसके बाद मां के पास हजारीबाग पहुंचा दिया। रजनी ने बताया कि शादी में उन लोगों ने जो कुछ भी मांगा था, हम लोगों ने दिया था। शादी के बाद पता चला कि जिस घर को उन लोगों ने दिखाया था, वो भी उनका नहीं था। उसके बाद ससुराल वालों ने मुझे और मेरे बेटे को घर से 28 जुलाई 2022 निकाल दिया। इसके बाद पति विनोद ने सितंबर 2022 को तलाक के लिए पेपर भेजा था। इसके बाद पुलिस की मदद से मैं घर (विनोद का पैतृक आवास) आ गई। कुछ दिनों बाद मुझे और मेरे बेटे को उसी घर में छोड़ पूरा परिवार आरा शहर में चला गया। वो लोग मुझे अपने साथ नहीं रखना चाहते हैं। अब रजनी ने एसपी से इस मामले की शिकायत की है। रजनी का बेटा ब्रजेश कुमार अब दो साल का हो गया है। रजनी के पिता अजय कुमार सिंह अब इस दुनिया में नहीं है। रजनी अपनी मां के साथ ही रह रही है। उसका भाई रोहित इनकम टैक्स में है। वहीं, रजनी की बहन मनीषा बीएसएफ में हैं। रजनी कुमारी ने स्नातक से इतिहास की डिग्री ली है। रजनी अपनी आपबीती बताते हुए भावुक हो गई। वो अपने पति के सारे दुखों को भूलाकर एक साथ रहना चाहती है ताकि उसके बेटे को अपने पिता का प्यार मिल सके। इधर, रजनी के पति विनोद ने कहा कि वो मेंटल थी। शादी होने के बाद घर आकर अजब गजब हरकत करती थी। कभी किरोसिन तेल लेकर खुद पर डालना तो कभी चाकू लेकर जानलेवा हमला करना। कई बार मेरे परिजनों ने समझाने की कोशिश की।

लेकिन उसके बावजूद भी वो नहीं समझी। यहां तक कि रजनी को जहां उसकी मां इलाज कराती थी, वहां उसका इलाज करवाया। इसके बाद भी मेरी मां पर चाकू से हमला कर देती थी। मुझे गलत ठहराने की बराबर कोशिश की। मामला कोर्ट में है, जो फैसला आएगा वो सही होगा। लेकिन हम रजनी को कभी नहीं अपनाएंगे। वहीं, एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि महिला द्वारा आवेदन दिया गया है। मामला कोर्ट में है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जो इस मामले में दोषी होंगे, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

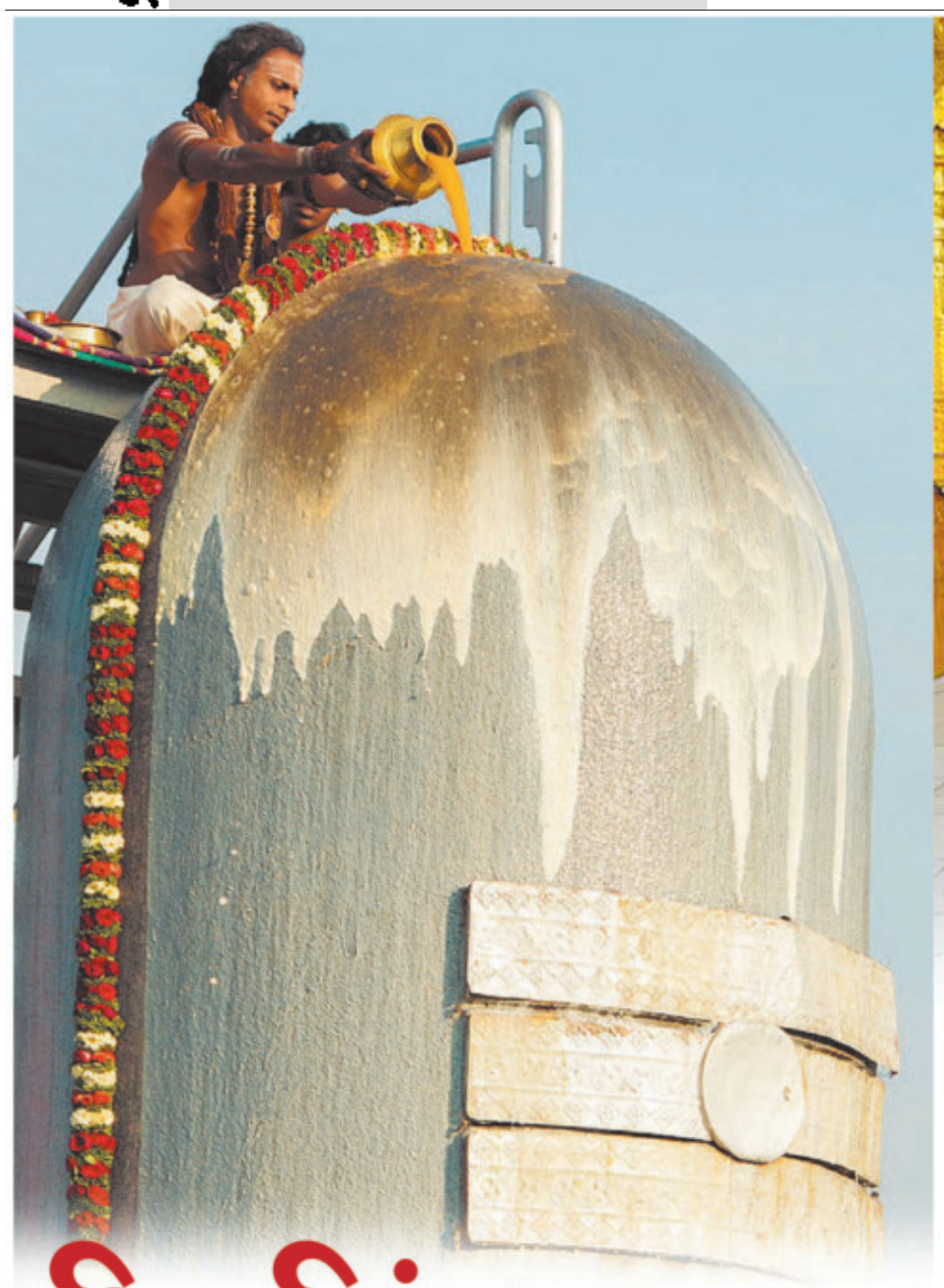

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीर्त तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत- अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ

भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन- प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गार्ड के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय

हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है।

सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

गरुड़ पुराण से जानें

कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जुड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत- जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने कर अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है। इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है। ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है।

भारत ओर बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट- चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला , दिल्ली और हैदराबाद में 6 , 9 और12 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा।

इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेहां में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी।

इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर , चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा।) ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

अब सर्जरी कराएंगे नीरज

पेरिस (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फैंक खिलाड़ी स्टार नीरज चोपड़ा अब मांसपेशियों से संबंधित समस्या की सर्जरी करायेंगे। नीरज को ओलंपिक से पहले ही जांघ की मांसपेशियों में दर्द उठा था पर तब उन्हें सर्जरी टालनी पड़ी थी। अब ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज के पास सर्जरी के लिए समय है। नीरज में पैर की मांसपेशियों में दर्द के बाद भी 89.45 मीटर का थ्रो किया था। वह 2 ओलिम्पिक पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा कि अभी मेरे दिमाग में बहुत कुछ है। जब मैं थ्रो करता हूं तो मेरा 60-70 फीसदी ध्यान चोट पर रहता है। मैं घायल नहीं होना चाहता। जब भी मैं थ्रो करने जाता हूं तो कि मेरी गति कम होती है। डॉक्टर ने भी मुझे सर्जरी के लिए जाने के लिए कहा था पर मेरे पास विश्व चैम्पियनशिप से पहले या विश्व चैम्पियनशिप के बाद यह निर्णय लेने के लिए इतना समय नहीं था क्योंकि ओलंपिक की तैयारी करनी थी।

उन्होंने कहा कि मैं अभी भी इस परेशानी के साथ खेल को आगे बढ़ा रहा हूं पर ये सही नहीं है। यदि आप एक लंबा करियर चलाना चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। अब ओलंपिक समाप्त होने के बाद हम इस पर काम करेंगे और तकनीक पर काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले 7 साल उनके लिए मुश्किल रहे। उन्होंने कहा कि मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। तब मैंने इसका बहुत इलाज करवाया पर अब मुझे इसको लेकर सर्जरी के लिए जाना ही होगा।

वह सिल्वर की हकदार है- विनेश फोगाट के समर्थन में आए सौरव गांगुली

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी) । भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल में विनेश फोगट की अयोग्यता पर खुलकर बात की और कहा कि वह रजत पदक की हकदार हैं। पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने गुरुवार को कुश्ती से संन्यास की घोषणा की। फोगाट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुज़मैन लोपेज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया था। वह स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार थीं, लेकिन वजन सीमा का उल्लंघन करने के कारण बुधवार को उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

अपनी अयोग्यता के बाद, फोगट ने सीएएस से उन्हें रजत पदक देने का अनुरोध किया। बहरहाल पत्रकारों से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि उन्हें सटीक नियमों की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने ÷उचित रूप से योग्यता प्राप्त की होगी÷। गांगुली ने कहा कि मुझे नहीं पता कि सटीक नियम क्या है, लेकिन मुझे यकीन है कि जब वह फाइनल में गई थी, तो उसने ठीक से क्वालिफाई किया होगा। इसलिए जब आप फाइनल में जाते हैं, तो यह या तो रजत या स्वर्ण होगा। वह सही या गलत तरीके से अयोग्य घोषित हुई, मैं पता नहीं, लेकिन वह कम से कम रजत की हकदार है।

इससे पहले, कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित विनेश फोगट को रजत पदक देने या न देने पर अपना फैसला सुनाने की समय सीमा मंगलवार, 13 अगस्त तक बढ़ा दी थी। आईओए ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि सीएएस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट के लिए 13 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे तक निर्णय देने का समय बढ़ा दिया है।

संजू सैमसन ने तोड़ी चुप्पी, श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में हुई अनदेखी पर संजू सैमसन ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का इंटरनेशनल करियर काफी उतार-चढ़ाव भार रहा है। लगभग एक दशक पहले डेब्यू करने वाले सैमसन ने अभी तक 30 टी20 और 16 वनडे खेले हैं। वह घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में परफॉर्म कर भारतीय टीम में तो जगह बनाने में कामयाब रहते हैं, लेकिन जब मौका मिलता है तो अधिकतर समय वह इसका फायदा नहीं उठा पाते। हालांकि, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले अपने आखिरी वनडे में सैमसन ने पहला इंटरनेशनल शतक जड़ा था, मगल इसके बावजूद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह नहीं मिली।

उनके टीम इंडिया में सिलेक्शन को लेकर एक बात नोटिस की गई है कि उन्हें कम तवज्जों वाले फॉर्मेट में ही अकसर जगह मिलती है। अगर आगामी टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट का है तो उन्हें टी20 सीरीज के लिए चुना जाता है और इसके उल्ट अगर टूर्नामेंट टी20 का है तो उन्हें वनडे टीम में जगह मिलती है। हालांकि, आईपीएल 2024 की उनकी धाकड़ परफॉर्मेंस के बाद उन्हें टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में चुना गया था लेकिन ऋषभ पंत के कारण उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा रहे संजू सैमसन ने हाल ही में केसीए द्वारा आयोजित केरल क्रिकेट लीग के शुभारंभ के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा बने। इस दौरान उन्होंने चयनकर्ताओं द्वारा उनकी अनदेखी के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने चनय न होने की शिकायत करने या मूर्खतापूर्ण कारण बताने के बजाय, संजू सैमसन ने चनय समिति के फैसले को स्वीकार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि टीम का प्रदर्शन उनके लिए ज्यादा मायने रखता है और उन्होंने कहा कि वह केवल अपने जीवन में नियंत्रणीय चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सैमसन ने आगे कहा कि, जब भी वे मुझे चुनेंगे, मैं खेलने जाऊंगा। बस इनता ही है। आखिरकार, हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो उच्च उद्देश्य में विश्वास करता हूं। मैं बस नियंत्रणीय परिस्थितियों में चीजों को सकारात्मक रूप से लेने और प्रयास करने की कोशिश करता हूं।

अमेरिकी खिलाड़ी बोला , अभी से खराब होने लगे हैं पदक

पेरिस । अमेरिकी खिलाड़ी निजाह हुडसन ने पेरिस ओलंपिक में मिले पदकों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। हुडसन के अनुसार ओलंपिक पदक जीतना सभी खिलाड़ियों का सपना रहता है। जो खिलाड़ी इसमें शामिल होते हैं वह अपने पदक को हमेशा के लिए सुरक्षित बनाये रखना चाहते हैं। हुडसन के अनुसार इसबार मिले पदकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। ऐसे में इसे जीवन भर संजो कर रखना संभव नहीं होगा। इस एक अमेरिकी खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि उन्हें मिला कांस्य पदक बेरंग होने के साथ ही खराब भी होने लगा है। इस खिलाड़ी ने पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग में तीसरे स्थान पर रहते हुए ही कांस्य पदक जीता था। यहां जापान के युटो होरिगोम ने स्वर्ण पदक जीता था। हुडसन ने खराब हो रहे पदक की तस्वीर भी साझा करते हुए कहा है कि आप देख सकते हैं कि पदक का रंग भी उतरने लगा है। इस खिलाड़ी ने पदक को लेकर कहा, ये ओलंपिक पदक तब अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं पर इसे थोड़ी देर के लिए पसीने के साथ अपनी त्वचा पर रखने और फिर सप्ताह के अंत में अपने दोस्तों दिखाने के बाद इसकी खराब गुणवत्ता नजर आने लगती है। इस खिलाड़ी ने कहा कि हमें पदक जीते एक सप्ताह हुआ है पर पदक का रंग खराब होने लगा है। मेरा मतलब है कि ये खराब होना शुरु हो गया है। यहां तक कि सामने का हिस्सा भी थोड़ा-थोड़ा उखड़ने लगा है। इसलिए पदकों की गुणवत्ता बेहतर बनानी होगी।

अब युवा खिलाड़ियों को कोचिंग देते दिखेंगे श्रीजेश

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही संन्यास लेने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश अब जूनियर टीम को कोचिंग देते हुए दिखेंगे। माना जा रहा है कि हॉकी इंडिया ने श्रीजेश से बात कर ली है और शीघ्र ही उन्हें जूनियर खिलाड़ियों को निखारते हुए देखा जा सकता है। इस मामले में हॉकी इंडिया आने वाले दिनों में घोषणा करेगा। हॉकी इंडिया इसलिए श्रीजेश को कोच बनाना चाहती है क्योंकि उनका दो दशक का करियर विवादों से रहित रहा है। श्रीजेश कोच के साथ ही कप्तान भी रहे हैं और उन्होंने अपने करियर में अपने ही बल पर कई मैच जीते हैं। ओलंपिक में भी इस बार श्रीजेश ने कई गोल रोककर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा ,' श्रीजेश को कुछ दिन के अंदर ही पुरुष जूनियर टीम का कोच बनाएंगे। हमने इस बारे में उनसे बात कर ली है। हमारा मानना है कि युवाओं को उनसे बेहतर कोई मार्गदर्शन नहीं दे सकता। उसमें असाधारण क्षमता है जो उसने ब्रिटेन के खिलाफ मुकाबले में दिखायी। वह आने वाली पीढ़ी के गोलकीपरों को भी अमूल्य मार्गदर्शन देगा। 'टिर्की ने कहा,'हम चाहते हैं कि श्रीजेश कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा जैसे युवा गोलकीपरों को मार्गदर्शन दें जो उनकी जगह लेने जा रहे हैं।'अगले साल भारत में जूनियर विश्व कप होने वाला है। टिर्की ने कहा ,' श्रीजेश अगले साल जूनियर विश्व कप के लिए टीम को तैयार कर सकता है।'

बांग्लादेश क्रिकेट के लिए बनेगी एडहॉक कमिटी ! खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने बीसीबी अधिकारियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी) । बांग्लादेश में पिछले कुछ दिन से हालात ठीक नहीं है। अंतरिम सराकर के युवा और खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने रविवार को कहा कि उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से मुलाकात की। उनसे पूरा है कि क्या आईसीसी ढ्रांचे के तहत अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया जा सकता है। सलाहकार का पद संभालने के बाद पहली बार कार्यालय आए आसिफ ने सार्वजनिक रूप से घोषणा करने से पहले बीसीबी के साथ अधिकारियों के साथ बैठक की।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार 5 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन और कुछ अन्य बोर्ड निदेशक गायब हैं। अंतरिम सरकार क्रिकेट बोर्ड को चलाने के लिए एख एडहॉक समिति नियुक्त कर सकती है। जानकारी के अनुसार अगर चुनाव बाद में होता है और प्रत्यक्ष रूप से सरकारी हस्तक्षेप नहीं होता है तो आईसीसी ऐसी समिति को स्वीकार करेगा।

नजमुल की बोर्ड पर 14 साल से पकड़

आईसीसी ने पहले श्रीलंका क्रिकेट को उसके कामकाज में सरकारी हस्तक्षेप के कारण नवंबर 2023 से जनवरी 2024 तक निलंबित कर दिया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का संचालन अभी भी नजमुल के नेतृत्व वाले पैनल द्वारा किया जा रहा है। वे पिछले लगभग 14 वर्षों से बोर्ड चला रहे हैं। उन्होंने अभी तक अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। हालांकि, आने वाली दिनों में उनका इस्तीफा तय माने जा रह हैं क्योंकि कई निदेशक अपनी राजनीति में होने के कारण देश छोड़ चुके हैं।

आईसीसी से दंडित होने से बचना चाहेगा बोर्ड

ये देखना दिलचस्प होगा कि बीसीबी अगले चुनाव तक के लिए एडहॉक कमिटी का विकल्प चुनता है या मौजूदा बोर्ड केसाथ जाता है। इसके अतिरिक्त, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के जाने के बाद खाली हुए पदों को चुनाव के माध्यम से नए लोगों को लाकर भरा जाएगा या नहीं, इस पर अभी विचार किया जा रहा है। हालांकि, कोई भी कदम उठाने से पहले ये सुनिश्चित किया जाएगा कि बोर्ड में सरकारी हस्तक्षेप के लिए आईसीसी से दंडित न किया जाए।

बिंद्रा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित

पेरिस । भारत के महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को शनिवार को प्रतिष्ठित ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद (आईओसी) ने बिंद्रा को ये सम्मान ओलंपिक मूवमेंट (आंदोलन) में उनके योगदान को देखते हुए दिया है। ओलंपिक ऑर्डर आईओसी की ओर से दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। इस सम्मान को पाकर उत्साहित बिंद्रा ने कहा कि कहा कि ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा बच्चा था, तो ये ओलंपिक रिंग ही थीं, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया। ऐसे में दो दशकों से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। अपने एथलेटिक करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन को आगे ले जाने का प्रयस करना और अपनी ओर से उसमें योगदान देना मेरे लिए जुनून और खुशी की बात रही है। यह पुरस्कार आने वाले समय में उस जुनून को और अधिक बढ़ावा देता है और मुझे उम्मीद है कि मैं और भी अधिक मेहनत करना जारी रखूंगा और जीवन भर ओलंपिक आंदोलन में सहयोग देता रहूंगा। बिंद्रा को ये सम्मान मिलने पर बधाइयां भी मिल रही हैं।

शाकिब के अड़ियल रवैये से टी20 कनाडा लीग से बाहर हुई बांग्ला टाइगर्स

टोरंटो । बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का विवादों से पुराना नाता रहा है। इसी कारण उनपर आरोप भी लगते रहे हैं। अब ग्लोबल टी20 कनाडा लीग के दौरान भी उनकी जिद के कारण ही उनकी टीम बाहर हो गयी। इस टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा और टोरंटो नेशनल्स के बीच खेला जाना था पर मगर खराब मौसम के चलते मैच होना संभव नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में अंपायरों ने 1-1 ओवर का मैच रखा पर टीम के कप्तान शाकिब इसमें उतरने को तैयार नहीं हुए। एक रिपोर्ट के अनुसार शाकिब ने 1-1 ओवर का मैच खेलने से मना दिया। उनका कहना था कि यह नियमों का उल्लंघन है। नियम यह है कि 1-1 ओवर का मैच तभी होता है जब मैच टाई हो। इसके अलावा किसी भी मैच का परिणाम निकालने के लिए 5-5 ओवर का खेल होना जरूरी है। अगर बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा वर्सेस टोरंटो नेशनल्स एलिमिनेटर बारिश के चलते नहीं हो पाता तो नियमों के तहत शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा को क्वालिफायर-2 के तौर पर प्रवेश मिल जाता क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में तीसरे पायदान पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची थी। मैच अधिकारी शाकिब को खेल के लिए समझाते रहे पर उन्होंने उपनी जिद नहीं छोड़ी। अंत में जब शाकिब टॉस के लिए मैदान पर नहीं उतरे तो अंपायों ने मैच को रद्द करते हुए अंक तालिका में नंबर-4 पर होने के बाद भी टोरंटो नेशनल्स को अगले दौर मे में भेज दिया।

पेरिस ओलंपिक में इस बार छह भारतीय खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे

पेरिस (एजेंसी) । पेरिस (ईएमएस)। भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ी केवल छ पदक ही जीत पाये जबकि पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में उसने 7 पदक जीते थे जिसमें एक स्वर्ण भी शामिल था। इस बार भारतीय दल के पास और भी पदक जीतने का अवसर था पर क्वार्टर फाइनल में हार से वह निकल गया। 6 खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे जिससे हाथ आये पदक निकल गये। इस बार केवल निशानेबाज ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। वहीं अन्य खेलों में निर्णायक क्षणों में हार से भारतीय खिलाड़ियों के हाथ से पदक निकल गये। निशानेबाजी में दो पदक जीतकर, मनु भाकर ने प्रभावित किया। मुन ने एकल के बाद मिश्रित इवेंट में निशानेबाज सरबजोत सिंह के साथ कांस्य जीता। इसके अलावा व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य जीता। भाला फेंक में पिछले बार के स्वर्ण विजेता नीरज इस बार रजत पदक ही जीत पाये। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने एक मात्र पदक जीता। कुश्ती में विनेश फोगाफ के सेमीफाइनल में वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने से भी भारत के हाथ से एक पदक निकल गया। मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रही ओर उनके हाथ से तीसरा पदक निकल गया। इसके अलावा निशानेबाज अर्जुन बबूता भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चौथे नंबर पर रह गए। इसके अलावा महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नरूका भी निशानेबाजी के स्कीट टीम इवेंट में चौथे नंबर पर रहे। बैडमिंटन में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार ओलंपिक पदक जीतने से रह गयीं। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी सेमीफाइनल में पहुंच पर वहां हार से पदक नहीं जीत पाये। वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई चानू भी पदक जीतने में विफल रहीं। . उन्होंने वेटलिफ्टिंग की अपनी कैटेगरी में कुल 199 किलो का वजन उठाया और चौथे नंबर पर रहीं. 200 किलो वजन उठाने वाली वेटलिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह मीराबाई चानू एक किलो वजन से मेडल चूक गईं. तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवड़ा की जोड़ी भी चौथे स्थान पर रही और पदक हासिल नहीं कर पायी।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने सचखंड श्री हरिमंदर साहिब में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी) । पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतकर देश लौटी भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी रविवार को सचखंड श्री हरिमंदर साहिब में माथा टेकने पहुंचे। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने हॉकी खिलाड़ियों को श्री दरबार साहिब के सूचना केंद्र में सचखंड श्री हरमंदिर साहिब का स्वर्ण मॉडल, धार्मिक पुस्तकें और सिरोपा देकर सम्मानित किया। एडवोकेट धामी ने कहा कि यह हमारे लिए सम्मान और गर्व की बात है कि जब भी भारतीय हॉकी टीम में पंजाब के खिलाड़ियों की पूरी भागीदारी हुई है, टीम ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना भी उनमें से एक है। उन्होंने हॉकी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में और बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि टीम में शामिल पंजाब के खिलाड़ियों ने लंबे समय के बाद पंजाब की हॉकी से जुड़े इतिहास को दोहराया है। एडवोकेट धामी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें देश की हॉकी टीम में बड़ी संख्या में पंजाबी खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और खेलों में आगे आना चाहिए।

एडवोकेट धामी ने कहा कि सिख संगठन शिरोमणि कमेटी हमेशा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती रही है और भविष्य में भी पंजाब और सिखों का गौरव बढ़ाने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय हॉकी टीम के लिए खेलने वाले सिद्ध गुरु सिख खिलाड़ी जर्मनप्रीत सिंह का उल्लेख किया और सिख परिवारों से संबंधित खिलाड़ियों को अपनी सिख छवि बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि वह आज टीम के खिलाड़ियों के साथ सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में नतमस्तक होकर धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम को यह उपलब्धि गुरु साहिब के आशीर्वाद से ही मिल पाई है और उन्होंने भविष्य में टीम के बेहतर प्रदर्शन की प्रार्थना की। उन्होंने शिरोमणि कमेटी द्वारा मिले मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री हरिमंदर साहिब में धन्यवाद के लिए पहुंचे भारतीय हॉकी टीम के 9 खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, शमशेर सिंह, जुगराज सिंह शामिल थे। इसके अलावा टीम के कोच और खिलाड़ियों के परिवार वाले भी उनके साथ थे।

स्वर्ण विजेता जापानी पहलवान हिगुची ने बढ़ाया विनेश का हौंसला , बोला , मैं भी इस दौर से गुजरा हूं

पेरिस । जापानी पहलवान रेई हिगुची अब भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के पक्ष में उतरे हैं। हिगुची के अनुसार विनेश को जिस प्रकार खिताबी मुकाबले से पहले अयोग्य घोषित कर बाहर कर दिया गया उससे होने वाले दुख को वह समझते हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले ही निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

वहीं हिगुची को टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में क्वालीफायर से ठीक पहले 50 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। वहीं इस बार पेरिस ओलंपिक में हिगुची ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में भारत के अमन सेहरावत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने विनेश की संन्यास की घोषणा पर कहा कि मैं आपका दर्द अच्छी तरह समझता हूं क्योंकि मैं भी इस दौर से गुजरा हूं। साथ ही कहा कि दूसरों की बातों की चिंता मत करो। जिंदगी चलती रहती है। असफलताओं से उबरना सबसे बेहतर चीज है। अच्छी तरह आराम करो। हिगुची ने साल 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक अपने नाम किया था।

एक नजर

लखनऊ एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

लखनऊ : लखनऊ के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक शिमुल बरुवा को टर्मिनल थ्री के इमिग्रेशन काउंटर से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल से फर्जी दस्तावेज बनाकर बरुवा लखनऊ से बैंकॉक जाने की तैयारी में था। बैंकॉक जाने के लिए उसने आशीष राय के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था। एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार करने के बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे सरोजिनी नगर पुलिस के हवाले कर दिया। सरोजनी नगर पुलिस ने उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। उसके पास से अलग-अलग नाम से बने दो जाली पासपोर्ट, दो आधार कार्ड और एक बैंकाक का टूरिस्ट वीजा बरामद हुआ है।

भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

जम्मू : रामबन में विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग रविवार को अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात से हो रही बारिश हो रही है, जिसके चलते रामबन जिले के मेहद, कैफेटेरिया में पहाड़ियों से मलबा व पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग पर दोनों तरफ से यातायात बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश का मौसम है। उन्होंने कहा कि वह अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यातायात कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

20 वर्षीय युवती का नहर से शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

अबोहर : 20 वर्षीय युवती का शव आज मलूकपुरा माइनर से एक बरामद हुआ है। युवती की पहचान गांव केराखेड़ा निवासी राधा पुत्री रविंदर कुमार के रूप में हुई है। युवती के चाचा रामेश्वर लाल ने बताया कि राधा शनिवार को सुबह 11 बजे लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए गई थी लेकिन शाम तक वापिस नहीं पहुंची। उसकी तलाश शुरू की गई लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला जिसको देखते हुए उन्होंने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि आज दोपहर उन्हें युवती का शव मलूकपुरा माइनर से मिलने की सूचना मिली तो उन्होंने मौके पर जाकर पहचान की। उन्होंने बताया कि युवती के माता पिता की मौत हो चुकी है और वह उनके पास ही रहती थी। उन्होंने बताया कि उसके पिता की मौत पिछले वर्ष हुई थी जिसके बाद से वह परेशान रहने लगी थी व इसी कारण उसने यह कदम उठाया। फिलहाल युवती के शव को नगर थाना नं 2 की पुलिस ने सरकारी अस्पताल के शव गृह में रखवाया है व पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान में मूसलधार बारिश, बाणगंगा नदी में सात युवकों की डूबने से मौत

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून सक्रिय है। इसके चलते कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। राजधानी जयपुर में सुबह से रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश हो रही है। बाणगंगा नदी में डूबने से सात युवकों की मौत हो गई। बारिश के कारण कई निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए। भरतपुर जिले के बयाना थाना इलाके में बाणगंगा नदी में आठ युवक नहाने गए थे, इसी दौरान सात युवक डूब गए। सभी की उम्र 18 से 22 साल के बीच है। ग्रामीणों ने एक घंटे के रेस्क्यू के बाद शवों को बाहर निकाला। पंचायत समिति के विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि श्रीनगर गांव के आठ युवक गांव के पास से जा रही बाण गंगा नदी में नहाने गए थे। नदी में एक गड्ढा था, जहां सात युवक डूब गए। एक युवक बच गया। उसने गांव में आकर बताया तो ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी सात शवों को बाहर निकाला गया। दो शव भरतपुर के आरबीएम अस्पताल और पांच शव झील के बाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। राजधानी जयपुर में सुबह से रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। दोपहर में 30 मिनट तक हुई तेज बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जयपुर जिले के शहर और ग्रामीण अंचल में कई इलाकों में जबरदस्त बारिश हुई। राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्से पर बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन का प्रभाव राजधानी जयपुर में भी है। यहां आज भारी बारिश का रेड अलर्ट है। जयपुर शहर में एमआई रोड, अम्बाबाड़ी, सीकर रोड, ढेहर के बालाजी, कालवाड़ रोड, 200 फीट अजमेर बाइपास, वैशाली नगर चूंगी, जेएलएन मार्ग त्रिमूर्ति सर्किल, टोंक रोड नारायण सिंह सर्किल समेत कई जगह सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक जाम हो गया। अजमेर बाइपास पर भारी बारिश के कारण एक-एक फीट पानी भरने से बाइपास पर लम्बा जाम लग गया। करौली, अलवर सहित कई जिलों में रविवार सुबह से बारिश हो रही है। करौली में नदी दरवाजे के पास फराज पाड़ा इलाके में तेज बरसात के कारण मकान ढह गया। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई जबकि परिवार के तीन लोग मलबे में फंस गए। सवाई माधोपुर जिले में भी कई नदियां उफान पर हैं। यहां करीब 20 गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है। इससे पहले शनिवार को करौली, टोंक, सवाई माधोपुर, दौसा तो वहीं देर शाम पश्चिमी में जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी के आसपास तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के जयपुर केन्द्र के अनुसार आज भी परिसंचरण तंत्र उत्तर-पूर्वी राजस्थान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है तथा इसके अगले तीन-चार दिनों तक इसी स्थान पर बने रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के कई भागों में आगामी पांच-छह दिन मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश का दौर जारी रहने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कई इलाकों में अगले चार-पांच दिन अधिकांश भागों में मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की भी संभावना है।

गुना में एविएशन एकेडमी का टू सीटर एयरक्राफ्ट क्रैश, दो पायलट घायल

एजेंसी

गुना : मध्य प्रदेश के गुना जिले में रविवार को एविएशन एकेडमी का टू सीटर एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में दो पायलट घायल हो गए। दोनों घायलों को आनन-फानन में निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती करवाया गया। कैंट थाने के टीआई दिलीप राजोरिया ने पत्रकारों को बताया कि घायल दोनों पायलटों की हालत खतरे से बाहर है। गुना में शा-शिब एविएशन एकेडमी का टू-सीटर एयरक्राफ्ट (मॉडल-152) दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह रविवार दोपहर करीब 1 बजे टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़ा था। दो पायलट उसे लेकर टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़े थे। करीब 40 मिनट उड़ने के बाद एयरक्राफ्ट परिसर में ही क्रैश हो गया। आशंका है कि हादसा इंजन फेल होने से हुआ। कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार घायल हैं। मौके पर कैंट पुलिस सहित एकेडमी के अधिकारी मौजूद हैं। दुर्घटनाग्रस्त एयरक्राफ्ट बेलगावी एविएशन का है। यह टेस्टिंग और मेंटेनेंस के लिए शा-शिब एकेडमी में लाया गया था। दोनों पायलट भी बेलगावी एविएशन से ही आए थे। पायलट शनिवार को ही गुना आए थे।

हिमाचल में बारिश का तांडव, मंदिर बहा, घरों में घुसा पानी, भूस्खलन से पांच हाइवे बंद

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जोरदार बारिश ने तांडव मचा दिया है। बाढ़ व भूस्खलन से कई इलाकों में जनजीवन अस्तव्यस्त है। जनजातीय जिला किन्नौर के पूह तहसील में फ्लैश फ्लड से भयंकर भूस्खलन हुआ है। पूह से रोरिक तक नेशनल हाइवे के कई किलोमीटर हिस्से में भारी भूस्खलन हुआ है। इससे हाइवे पूरी तरह बाधित हो गया है। माना जा रहा है कि बादल फटने के बाद यहां फ्लैश फ्लड आया है। हालांकि फ़्लैश फ्लड व भूस्खलन से किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। उधर, सिरमौर जिला में बीती रात से हो रही मूसलाधार वर्षा से गिरी, यमुना और मारकंडा नदियों ने रौद्र रूप धारण कर लिया है और प्रशासन ने लोगों को नदी नालों से दूर रहने की सलाह दी है। सिरमौर जिला के मुख्यालय नाहन के बनकलां पंचायत में उफनती नारकंडा नदी तबाही मचा रही है। रविवार की सुबह बनकलां में नदी किनारे बना मंदिर को सैलाब बहा ले गया। पलक झपकते ही मंदिर पानी में समा गया। नाहन इलाके की सलानी कटौला पंचायत में नदी का जलस्तर सलानी पुल तक पहुंच गया है और पुल खतरे की जद में आ गया है। सैलाब से यहां कई बीघा क्षेत्र में फसलें बह गई। ऊना जिला में देर रात से हो रही तेज बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ऊना में कई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानो में बरसाती पानी घुस गया है। राजधानी शिमला में भी बीती रात से बारिश का दौरा जारी है। जिला के चौपाल उपमंडल ग्राम पंचायत पौड़ियां के गांव तारापुर में धनग नाले में आई बाढ़ में कई बागवानों के सेब के पौधे और सेब की पेटियों के मलबे में दबने से भारी नुकसान हुआ है।

सेबी और अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के आरोपों को किया खारिज

एजेंसी

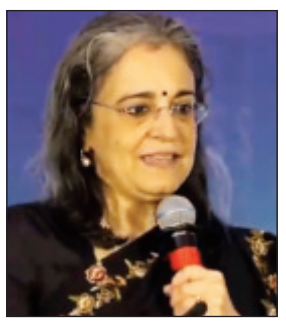

नई दिल्ली : पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और अडानी समूह ने अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों का खंडन किया है। सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने एक बयान में इसे इसे 'निराधार' और 'चरित्र हनन' का प्रयास बताया। बयान में दोनों ने कहा कि उन्हें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। उल्लेखनीय है कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त को अपनी नवीनतम रिपोर्ट में आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच की अडानी के 'धन हेराफेरी घोटाले' में इस्तेमाल की गई अस्पष्ट ऑफशोर संस्थाओं में हिस्सेदारी थी। वहीं अडानी ग्रुप की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि हिंडनबर्ग के आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और जोड़-तोड़ करने वाला उपयोग है, ताकि तथ्यों और कानून की अवहेलना करते हुए व्यक्तिगत मुनाफा कमाने के लिए पूर्व-निर्धारित निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके। अडानी समूह इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करता है। यह बदनाम करने का दोबारा किया गया प्रयास है। मामले में पहले ही गहन जांच की जा चुकी है जिसमें आरोप निराधार साबित हुए हैं और सर्वोच्च न्यायालय ने भी जनवरी 2024 में इन्हें पहले ही खारिज कर दिया है।

फिर से सक्रिय राजनीति में लौटेंगे नवजोत सिद्धू, वीडियो जारी करके दिया संकेत

एजेंसी

चंडीगढ़ : आईपीएल मैच की कमेंट्री में व्यस्त नवजोत सिद्धू एक बार फिर से नेता के रूप में सक्रिय होने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार से दूर रहे नवजोत सिंह ने रविवार को एक वीडियो जारी करके इसके संकेत दिए हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने नए वीडियो में पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपनी वीडियो में कहा कि शतरंज का वजीर हो या इंसान का जमीर... गिर गया समझो खेल खत्म...। दो दिन पहले ही नवजोत सिंह सिद्धू तीन बार विधायक रहे सुरजीत धीमान के घर पहुंचे थे। वह सुरजीत धीमान की पत्नी बलबीर कौर के देहांत के बाद उनसे मिलने व अफसोस करने पहुंचे थे। नवजोत सिंह सिद्धू 2022 में अमृतसर ईस्ट से चुनाव हारने के बाद वे पटियाला शिफ्ट हो गए। इसके बाद लोकसभा 2024 के चुनाव भी आए लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू न प्रचार में आए और ना ही किसी उम्मीदवार के लिए प्रचार किया। हालही में प्रचार के लिए पटियाला आई प्रियंका गांधी ने नवजोत सिद्धू के साथ मुलाकात की थी। इसके बाद अटकलें थी कि नवजोत सिद्धू फिर से सक्रिय राजनीति में आ सकते हैं। पिछले दो दिन से सिद्धू की सक्रियता पंजाब की राजनीति में चर्चा का विषय बनी हुई है।

सेंट मार्टिन द्वीप ने छीनी शेख हसीना की कुर्सी

एजेंसी

नई दिल्ली : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हिंसा के बीच देश छोड़ने के बाद अब पहली बार बयान दिया है। अपने बयान में उन्होंने तख्तापलट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आरोप लगाया कि अगर उन्होंने बंगाल की खाड़ी स्थित सेंट मार्टिन द्वीप पर संप्रभुता संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दी होती, तो मेरी सत्ता बनी रहती। द इकोनॉमिक टाइम्स ने शेख हसीना के हवाले से कहा कि अगर मैं सेंट मार्टिन आइलैंड पर अपनी संप्रभुता छोड़ देती और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी के इस हिस्से पर नियंत्रण करने दिया होता। तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थीं। आइए, जानने की कोशिश करते हैं कि शेख हसीना ने जिस आइलैंड का जिक्र किया है, वो कहां पर है और वह बंगाल की खाड़ी में कितनी अहमियत रखती है। कितना बड़ा है सेंट मार्टिन आइलैंड सेंट मार्टिन द्वीप, जिसे नारिकेल जिंजीरा (नारियल द्वीप) या दारुचिनी द्वीप (दालचीनी द्वीप) के नाम से भी जाना जाता है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में महज 3 किमी वर्ग क्षेत्र में फैला एक छोटा सा द्वीप है। यह द्वीप कॉक्स बाजार-टंकाफ प्रायद्वीप से करीब 9 किमी दक्षिण में बसा हुआ है। जबकि यह म्यांमार के उत्तर-पश्चिमी तट से करीब 8 किलोमीटर पश्चिम में, नाफ नदी के मुहाने पर स्थित है। यह बेहद खूबसूरत छोटा सा द्वीप है। यह बांग्लादेश का एकमात्र प्रवाल द्वीप है और इसे अपनी गजब की प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां का साफ नीला पानी और कोरल जैसे ढेरों समुद्री जीवन लोगों को आकर्षित करते हैं। यह द्वीप एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। खासकर सर्दियों के दौरान यहां का मौसम बहुत बढ़िया हो जाता है। द्वीप के आसपास की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से मछली पकड़ने, चावल-नारियल की खेती और पर्यटन पर निर्भर करती है। इस छोटे से द्वीप करीब 6 हजार लोग रहते हैं। हालांकि इस खूबसूरत द्वीप को लेकर बांग्लादेश और म्यांमार के बीच लगातार विवाद भी होता रहा है। समुद्री सीमा के सीमांकन पर विवाद की वजह से संप्रभुता के दावों को लेकर संघर्ष होता रहा है। दोनों देश इस क्षेत्र के आसपास मछली पकड़ने के अधिकार को लेकर आपस में भिड़ चुके हैं। साल 2012 में, इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल फॉर द लॉ ऑफ द सी ने अपने फैसले में कहा कि यह द्वीप बांग्लादेश के प्रादेशिक समुद्र, महाद्वीपीय शेल्फ और एऐ का हिस्सा है। साल 2018 में, बांग्लादेश सरकार की ओर से म्यांमार के अपडेट किए गए उस मैप का विरोध किया गया, जिसमें द्वीप को उसके संप्रभु क्षेत्र के हिस्से के रूप में दिखाया गया था। हालांकि बाद में म्यांमार ने इस गलती को स्वीकार कर लिया था। रणनीतिक तौर पर अहम क्यों? शेख हसीना ने जो आरोप लगाया है वो हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की रणनीति को सामने लाता है। चीन अपने तथाकथित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में सैन्य ठिकानों और आर्थिक व्यापार गलियारों की एक सीरीज तैयार करके भारत को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश में जुटा है। बांग्लादेश ने चीन के साथ अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पहल में भागीदारी की है, जिसे भारत अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है। क्योंकि यह प्रोजेक्ट पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है। इस बीच हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती मौजूदगी ने अमेरिका को अलर्ट कर दिया है और वाशिंगटन ने इसके जवाब में अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति तैयार की है, जिसमें भारत एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है। दोनों देशों ने हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के जवाब में दवअऊ और मालाबार नौसैनिक अभ्यास जैसे अन्य तंत्र तैयार किया है।

संक्षिप्त खबरें

जेल में बंद जैकलीन के दीवाने ने अपनी लेडी लव को गिफ्ट की यॉट

नई दिल्ली : दिल्ली की जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को उनके जन्मदिन पर एक यॉट गिफ्ट की है। यॉट का नाम अभिनेत्री के नाम पर रखा गया है। सुकेश ने अभिनेत्री को संबोधित एक पत्र में यह खुलासा किया है। यह वही बोट है, जिसके बारे में सुकेश का आरोप है कि जैकलीन ने 2021 में इसे चुना था। सुकेश ने अपने पत्र में बताया कि 'लेडी जैकलीन' नाम की यॉट इसी महीने डिलीवर की जाएगी। उन्होंने बाद में लिखा कि यॉट के सभी टैक्स चुका दिए गए हैं और यह पूरी तरह से वैध है। चूंकि अभिनेत्री पशु कल्याण से जुड़ी हुई हैं, इसलिए सुकेश ने यह भी बताया कि बेंगलुरु में उन्होंने जैकलीन को जो पालतू जानवरों का अस्पताल उपहार में दिया है, वह इस साल बनकर तैयार होने वाला है। अभिनेत्री के जन्मदिन के अवसर पर, ठग ने वायनाड भूस्खलन आपदा के पीड़ितों के परिवारों के लिए 15 करोड़ रुपये और 300 घर दान करने का संकल्प लिया है। उन्होंने जैकलीन पर फिल्माए गए गाने 'यिम्मी यिम्मी' को सुपरहिट बनाने के लिए 100 आईफोन 15 प्रो देने की भी घोषणा की है। सुकेश को 29 मई, 2015 को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120-बी (आपराधिक साजिश) और पुरस्कार चिट और धन परिसंचरण योजना (प्रतिबंध) अधिनियम और महाराष्ट्र जमाकताओं के हितों के संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों में) अधिनियम की कुछ धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। ठग को पिछले महीने बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दे दी थी, लेकिन उनके खिलाफ दर्ज कई मामलों के कारण वे अभी भी जेल में हैं। जैकलीन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। 2022 में दायर ईडी चार्जशीट के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर जैकलीन के लिए उपहार खरीदने के लिए अवैध धन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, अभिनेत्री नोरा फतेही से भी सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की गई।

सीबीआई का अधिकारी बताकर महिला को 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 10 लाख रुपये

नई दिल्ली : जालसाजों ने सेक्टर 62 निवासी एक महिला को विदेशी पार्सल में ड्रग्स और अन्य प्रतिबंधित सामान होने का डर दिखाकर लगभग पौने 10 लाख रुपये ठग लिए । ठगों ने खुद को पुलिस और सीबीआई का अधिकारी बताकर 48 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करे रखा। महिला ने ठगी का अहसास होने पर साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रंजना नामक इस महिला ने पुलिस को बताया कि सात अगस्त को उन्हें डीएचएल कुरियर सर्विस से एक कॉल आई, जिसमें बताया गया कि उनके नाम से एक पार्सल विदेश जा रहा है। फोन पर उन्हें बताया गया कि इस पार्सल में उनके आधार कार्ड का उपयोग किया गया है और इसमें ड्रग्स और अन्य प्रतिबंधित सामान पाया गया है। इस सूचना के बाद कॉल को कथित तौर पर मुम्बई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के पास ट्रांसफर कर दिया गया। ठगों ने रंजना को स्काइप कॉल पर जोड़ा और ड्रग्स मिलने पर जेल जाने की धमकी दी। उन्होंने रंजना को घर से बाहर न जाने की सलाह दी और आठ अगस्त तक लगातार उनसे पूछताछ की। जांच के नाम पर जालसाजों ने कई खातों में जमा रकम को एक खाते में ट्रांसफर करने के लिए कहा। उन्होंने दावा किया कि जांच पूरी होने के बाद पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट मिलेगा और रकम वापस की जाएगी। गिरफ्तारी के डर से रंजना ने पहले पांच लाख रुपये और फिर चार लाख 70 हजार रुपये ट्रांसफर किए। रंजना को 09 अगस्त तक महिला को डिजिटल अरेस्ट करके रखा गया और जब ठगों ने उससे और पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाया तो रंजना ने अपने पैसे वापस मांगे। इस पर ठगों ने रंजना से पूरी तरह से सम्पर्क तोड़ दिया और लगभग 48 घंटे तक उसकी निगरानी स्काइप कॉल के माध्यम से की। इस मामले में रंजना ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जिसके लिए टीमों का गठन किया गया है।

प्रचंड का आरोप- शेख हसीना को अमेरिका के इशारे पर सत्ता से हटाया गया

काठमांडू : माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने दावा किया है कि अमेरिका के इशारे पर उन्हें सत्ता से हटाया गया। प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ करने में अमेरिका का हाथ है। उन्हें एक महीने पहले से सत्ता से हटाने के पीछे षडयंत्र चल रहा था। माओवादी पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में अध्यक्ष प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक षडयंत्र के तहत हटाया गया। उनका आरोप है कि अमेरिकी प्रभुत्व न मानने के कारण शेख हसीना को सत्ता से हटाकर देश छोड़ने को बाध्य कर दिया गया। अमेरिकी शर्त नहीं मानने के कारण रातों रात दो विपरीत ध्रुव के राजनीतिक दलों के बीच समझौता करा कर उन्हें पद से हटने पर मजबूर कर दिया गया। प्रचंड ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते शेख हसीना पर अमेरिका की महत्वाकांक्षी स्टेट पार्टनरशीप प्रोग्राम (एसपीपी) समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लगातार दबाब दिया जा रहा था। इस समझौते में नेपाल को शामिल करा कर अमेरिका नेपाल में अपना सैन्य बेस बनाना चाहता है। यह सैन्य बेस भारत और चीन दोनों के लिए खतरा बन जाता, इसलिए उन्होंने अमेरिकी दबाब को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप बढ़ना पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है। उन्होंने सभी दक्षिण एशियाई देशों के राजनीतिक नेतृत्व से एकजुट होकर इसका सामना करने का सुझाव भी दिया है।

कमला हैरिस का चुनावी वादा- रेस्तरां कर्मचारियों को मिलने वाली टिप पर टैक्स होगा खत्म

वाशिंगटन : अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार भारतीय मूल की कमला हैरिस ने वादा किया कि वह रेस्तरां कर्मचारियों एवं अन्य सेवा कर्मचारियों को दिए जाने वाले टिप पर लागू करों को खत्म करेंगी। हैरिस ने नेवादा राज्य के लास वेगास में शनिवार को आयोजित जनसभा में यह घोषणा की। हैरिस ने वादा किया कि वे राष्ट्रपति बनने के बाद भी अमेरिका के कामकाजी परिवारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगी। इसमें न्यूनतम वेतन बढ़ाना, सेवा और आतिथ्य कर्मचारियों को दिए जाने वाले टिप पर करों को खत्म करना शामिल है। हैरिस के इस भाषण के कुछ देर बाद रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए इस पर प्रतिक्रिया दी। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि हैरिस ने उनकी नो टैक्स ऑन टिप पॉलिसी की नकल की है। ट्रम्प ने लिखा, वह ऐसा कुछ नहीं करेंगी, वह सिर्फ राजनीतिक उद्देश्यों के लिए ऐसा कह रही हैं। उन्होंने दावा किया कि हैरिस के पास कोई विचार नहीं है, वह सिर्फ उनके विचारों की नकल कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि लास वेगास की अर्थव्यवस्था काफी हद तक होटल, रेस्तरां एवं मनोरंजन उद्योगों पर निर्भर है। हैरिस से पहले उनके प्रतिद्वंद्वी ट्रंप भी ऐसा ही वादा कर चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार अपने-अपने चुनाव प्रचार में करीब एक जैसी ही बातें बोल रहे हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह** * (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**